राष्ट्रीय दैनिक

प्रातःकिरण

दिल्ली एवं पटना से प्रकाशित

हर खबर पर पकड़

/Pratahkiran /Pratahkiran /Pratahkiran

11 श्रीलंका के खिलाफ पहले वनडे में भारतीय ...

देवेंद्र फडणवीस को दी चुनौती तो भड़के एकनाथ शिंदे ... 12

वर्ष : 15 | अंक : 113 | नई दिल्ली, शनिवार, 03 अगस्त, 2024 | विक्रम संवत् 2081 | पेज : 12 | मूल्य ₹ : 03.00 | www.pratahkiran.com

मौसम

अधिकतम तापमान 31°C

न्यूनतम तापमान 25.0°C

हां 30%
नहीं 50%
कह नहीं सकते 10%

बाजार

सोना 59,340

चांदी 55,350

सेंसेक्स 63,327

निफ्टी 18,816

तीन नए कानूनों के लागू होने से देश में न्याय व्यवस्था का एक नया युग शुरू हुआ : मुर्मू

राष्ट्रपति ने राज्यपालों के दो दिवसीय सम्मेलन का उद्घाटन किया

प्रातः किरण

नई दिल्ली/एजेंसी। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने शुक्रवार को नई दिल्ली में स्थित राष्ट्रपति भवन में राज्यपालों के दो दिवसीय सम्मेलन का उद्घाटन किया। राष्ट्रपति ने अपने उद्घाटन भाषण में कहा कि इस सम्मेलन के एजेंडे में सावधानीपूर्वक चुने गए मुद्दे शामिल हैं जो हमारे राष्ट्रीय लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए महत्वपूर्ण हैं। उन्होंने कहा कि सम्मेलन में होने वाले विचार-विमर्श सभी प्रतिभागियों के लिए एक समृद्ध अनुभव होंगे और उन्हें उनके कामकाज में मदद करेंगे। राष्ट्रपति ने गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, गरीब और वंचित वर्गों के विकास, युवा विकास, जलवायु परिवर्तन और प्राकृतिक खेती सहित विभिन्न मुद्दों पर प्रकाश डाला। उद्घाटन सत्र को उपराष्ट्रपति, प्रधानमंत्री और केंद्रीय गृह मंत्री ने भी संबोधित किया। उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने राज्यपालों की शपथ का उल्लेख किया और उनसे पिछले दशक के दौरान हुए सामाजिक कल्याण योजनाओं और अविश्वसनीय विकास के बारे में लोगों को जागरूक करने की अपनी संवैधानिक जिम्मेदारी का निर्वहन करने का आग्रह किया। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने राज्यपालों से आग्रह किया कि वे केन्द्र और राज्य के बीच प्रभावी सेतु की भूमिका निभाएं तथा लोगों और सामाजिक संगठनों के साथ इस प्रकार संवाद करें कि वंचित लोगों को भी इसमें शामिल किया जा सके। उन्होंने कहा कि राज्यपाल का पद एक महत्वपूर्ण संस्था है जो संविधान के ढांचे के भीतर राज्य के लोगों के कल्याण में, विशेषकर जनजातीय क्षेत्रों के संदर्भ में, महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने दो दिवसीय सम्मेलन में होने वाली चचाओं की रूपरेखा बताई और राज्यपालों से लोगों में विश्वास पैदा करने और विकास कार्यों को बढ़ावा देने के लिए जीवंत गांवों और आकांक्षी जिलों का दौरा करने का आग्रह किया। राष्ट्रपति ने सम्मेलन का उद्घाटन करते हुए कहा कि आपराधिक न्याय से संबंधित तीन नए कानूनों के लागू होने से देश में न्याय व्यवस्था का एक नया युग शुरू हुआ है। उन्होंने कहा कि हमारी सोच में बदलाव इन कानूनों के नामों से स्पष्ट है: भारतीय न्याय संहिता, भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता

और भारतीय साक्ष्य अधिनियम। राष्ट्रपति ने कहा कि लोकतंत्र के सुचारू संचालन के लिए यह जरूरी है कि विभिन्न केंद्रीय एजेंसियां सभी राज्यों में बेहतर समन्वय के साथ काम करें। उन्होंने राज्यपालों को सलाह दी कि वे इस बारे में सोचें कि वे संबंधित राज्यों के संवैधानिक प्रमुख के रूप में इस समन्वय को कैसे बढ़ावा दे सकते हैं। राष्ट्रपति ने कहा कि गुणवत्तापूर्ण उच्च शिक्षा एक अमूर्त संपत्ति है क्योंकि यह व्यक्तिगत विकास और सामाजिक परिवर्तन के साथ-साथ नवाचार और आर्थिक प्रगति को भी बढ़ावा देती है। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति में शैक्षणिक संस्थानों की मान्यता और मूल्यांकन प्रणाली में सुधार पर जोर दिया गया है। उन्होंने राज्यपालों से राज्य विश्वविद्यालयों के कुलाधिपति के रूप में अपनी क्षमता में इस सुधार प्रक्रिया में योगदान देने का आग्रह किया। राष्ट्रपति ने कहा कि भारत सरकार गरीबों, सीमावर्ती क्षेत्रों, वंचित वर्गों और क्षेत्रों तथा विकास यात्रा में पीछे छूट गए लोगों के विकास को सर्वोच्च प्राथमिकता दे रही है। उन्होंने बताया कि हमारी जनजातीय आबादी का एक बड़ा हिस्सा अनुसूचित और जनजातीय क्षेत्रों में रहता है, और उन्होंने राज्यपालों से इन क्षेत्रों के लोगों के समावेशी विकास को प्राप्त करने के तरीके सुझाने का आग्रह किया।

संक्षिप्त खबरें

वज्रपात से 08 लोगों की मौत पर मुख्यमंत्री ने जताया शोक

पटना। पिछले 24 घंटे में वज्रपात से पटना में 03, औरंगाबाद में 03, नवादा में 01 एवं सारण में 01 व्यक्ति की मौत पर मुख्यमंत्री श्री नीतीश कुमार ने गहरी शोक संवेदना व्यक्त की है। मुख्यमंत्री ने कहा कि आपदा की इस घड़ी में वे प्रभावित परिवारों के साथ हैं। मुख्यमंत्री ने मृतक के परिजनों को अविलंब चार-चार लाख रुपए अनुग्रह अनुदान देने के निर्देश दिये हैं। मुख्यमंत्री ने लोगों से अपील की है कि सभी लोग खराब मौसम में पूरी सतर्कता बरतें। खराब मौसम होने पर वज्रपात से बचाव के लिये आपदा प्रबंधन विभाग द्वारा समय-समय पर जारी किये गये सुझावों का अनुपालन करें। खराब मौसम में घरों में रहें और सुरक्षित रहें।

राष्ट्रपति 5 से 10 अगस्त तक तीन देशों की यात्रा पर जाएंगी

नई दिल्ली। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू 5 से 10 अगस्त तक फिजी, न्यूजीलैंड और तिमोर-लेस्ते की राजकीय यात्रा करेंगी। यह भारत के किसी राष्ट्राध्यक्ष की फिजी की पहली यात्रा होगी। राष्ट्रपति की तीन देशों की यात्रा से पहले शुक्रवार को विदेश मंत्रालय के सचिव (पूर्व) जयदीप मजूमदार ने विशेष ब्रीफिंग में कहा कि भारत के फिजी, न्यूजीलैंड और तिमोर-लेस्ते के साथ मजबूत, गहरे और ऐतिहासिक संबंध हैं। उन्होंने कहा कि हाल के वर्षों में भारत-न्यूजीलैंड के बीच मधुर एवं मैत्रीपूर्ण संबंधों में वृद्धि देखी गई, जिसे राष्ट्रपति मुर्मू की यात्रा से और गति मिलेगी। मजूमदार ने कहा कि राष्ट्रपति मुर्मू फिजी के राष्ट्रपति रातू विलियम मैवलिली काटोनीवरे के निमंत्रण पर 5-6 अगस्त को फिजी का दौरा करेंगी। यह भारत के किसी राष्ट्राध्यक्ष की फिजी की पहली यात्रा होगी। राष्ट्रपति मुर्मू वहां राष्ट्रपति काटोनीवरे और प्रधानमंत्री सिटिवेनी राबुका के साथ द्विपक्षीय बैठकें करेंगी। राष्ट्रपति मुर्मू का फिजी की संसद को संबोधित करने और फिजी में भारतीय प्रवासियों से बातचीत करने का कार्यक्रम है। यह यात्रा फिजी के साथ द्विपक्षीय संबंधों को और मजबूत करने के लिए भारत की निरंतर प्रतिबद्धता को दर्शाती है।

पीठ ने कहा - तथ्यों के मुताबिक परीक्षा में कोई प्रणालीगत उल्लंघन नहीं हुआ

नीट यूजी परीक्षा के लिए मानक संचालन प्रक्रिया बनाये एनटीए व सरकार : सुप्रीम कोर्ट

प्रातः किरण

नई दिल्ली/एजेंसी। उच्चतम न्यायालय ने स्नातक स्तर की मेडिकल और संबंधित अन्य पाठ्यक्रमों में दाखिले के लिए आयोजित होने वाली राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा (नीट-यूजी) के प्रश्नपत्र बनाने से लेकर परीक्षा केंद्र पर सुरक्षित पहुंचाने, सुरक्षित रखने, संबंधित परीक्षार्थियों को समय पर देने और कड़ी जांच सुनिश्चित करने के लिए शुक्रवार को केंद्र सरकार और राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी को एक मानक संचालन प्रक्रिया बनाने का निर्देश दिया। मुख्य न्यायाधीश डी वाई चंद्रचूड़ तथा न्यायमूर्ति जे बी पारदीवाला और न्यायमूर्ति मनोज मिश्रा की पीठ ने पांच मई 2024 को आयोजित नीट-यूजी में गड़बड़ी समेत अन्य अनियमितताओं के खिलाफ दायर याचिकाओं पर विस्तृत फैसला सुनाते हुए यह निर्देश दिया। पीठ ने 23 जुलाई के अपने फैसले में नीट परीक्षा दोबारा कराने की गुहार ठुकरा दी थी। पीठ ने आज अपने विस्तृत फैसले में कहा कि उपलब्ध तथ्यों से पता चलता

कि परीक्षा में कोई प्रणालीगत उल्लंघन नहीं हुआ कि परीक्षा रद्द कर दोबारा कराने का आदेश दिया जाए। न्यायमूर्ति चंद्रचूड़ की अध्यक्षता वाली पीठ ने नीट-यूजी परीक्षा आयोजित करने के लिए निष्पक्ष, पूर्णतः सुरक्षित, पारदर्शी और मजबूत प्रणाली सुनिश्चित करने का निर्देश दिया।

पीठ ने धोखाधड़ी को रोकने के लिए विभिन्न चरणों में पहचान जांच बढ़ाने और तकनीकी नवाचारों का भी आदेश दिया। शीर्ष अदालत ने नीट-यूजी 2024 के प्रश्न पत्र सार्वजनिक होने और अन्य अनियमितताओं की जांच के लिए केंद्र सरकार द्वारा गठित के राधाकृष्णन विशेषज्ञ समिति के दायरे को भी बढ़ाते हुए कहा कि समिति को एक मजबूत परीक्षा प्रक्रिया के लिए सात चरणों को शामिल करना चाहिए। सात चरणों में मूल्यांकन समिति, मानक संचालन प्रक्रिया, परीक्षा केंद्र आवंटित करने की प्रक्रिया की समीक्षा, बढ़ी हुई पहचान जांच के लिए प्रक्रिया, परीक्षा केंद्रों की सीसीटीवी निगरानी, पेपर में छेड़छाड़ न हो, यह सुनिश्चित करने के लिए सुरक्षित लॉजिस्टिक प्रदाता और एक मजबूत शिकायत निवारण तंत्र की सिफारिश करना शामिल है। पीठ ने यह भी कहा कि विशेषज्ञ समिति को परीक्षा प्रणाली की कमियों को दूर करना चाहिए। शीर्ष अदालत ने प्रश्नपत्र केंद्रों तक पहुंचाने के लिए खुले ई-रिक्शा के बजाय वास्तविक समय के लॉक वाले बंद वाहनों का उपयोग करने की व्यवहार्यता पर विचार करने का भी निर्देश दिया। पीठ ने कहा कि यदि किसी छात्र को फैसले में हल किए गए मुद्दों से संबंधित किसी भी प्रकार की व्यक्तिगत शिकायत है तो वह संबंधित उच्च न्यायालयों में जाने के लिए स्वतंत्र होगा। पीठ ने इस बात पर भी जोर दिया कि वह इस निष्कर्ष पर पहुंची है कि प्रश्न पत्र सार्वजनिक होने की घटनाएं केवल पटना और हजारीबाग तक ही सीमित थीं। प्रश्नपत्रों का कोई व्यवस्थित तौर पर दुरुपयोग नहीं हुआ है। उच्चतम न्यायालय ने 23 जुलाई को नीट 2024 दोबारा परीक्षा आयोजित करने का आदेश देने की याचिका को खारिज कर दिया था। उसने तब कहा था कि रिकॉर्ड पर उपलब्ध तथ्य यह संकेत नहीं देते है कि प्रश्न पत्र सार्वजनिक होने की घटनाओं के कारण पूरी परीक्षा की पवित्रता प्रभावित हुई थी।

आयुष्मान भारत के तहत 29,000 अस्पताल सूचीबद्ध हुए : जेपी नड्डा

बोलें- सभी सूचीबद्ध अस्पतालों ने समझौता ज्ञापन पर किए हस्ताक्षर

प्रातः किरण

नई दिल्ली/एजेंसी। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा ने शुक्रवार को लोकसभा को बताया कि गत 30 जून तक 12,625 निजी सहित 29,000 से अधिक अस्पतालों को आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना के तहत सूचीबद्ध किया गया है। उन्होंने कहा कि सभी सूचीबद्ध अस्पतालों ने अपनी-अपनी राज्य स्वास्थ्य एजेंसियों के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए हैं।

नड्डा ने कहा कि पैनल में शामिल अस्पतालों द्वारा इलाज से इनकार करने या योजना से संबंधित किसी अन्य मुद्दे के संबंध में लोग वेब आधारित पोर्टल केंद्रीकृत शिकायत निवारण प्रबंधन प्रणाली (सीजीआरएमएस), केंद्रीय और राज्य कॉल सेंटर सहित विभिन्न मीडिया का उपयोग करके अपनी शिकायतें दर्ज करा सकते हैं और इन शिकायतों का निवारण भी करा सकते हैं।

उन्होंने कहा कि लाभार्थी अस्पतालों को पैनल से हटाने सहित दोषी अस्पतालों के खिलाफ कार्रवाई के लिए राज्य स्वास्थ्य एजेंसी से

संपर्क कर सकते हैं। लोकसभा में एक प्रश्न के लिखित उत्तर में नड्डा ने कहा कि सभी सूचीबद्ध अस्पताल पात्र लाभार्थियों को उपचार प्रदान करने के लिए उपलब्ध हैं। उन्होंने कहा कि अस्पताल को सूचीबद्ध करना एक सतत प्रक्रिया है।

जन औषधि केंद्रों से दवाएं खरीदने से मरीजों को 28,000 करोड़ रुपये की बचत हुई: केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जे पी नड्डा ने शुक्रवार को लोकसभा में कहा कि प्रधानमंत्री भारतीय जनऔषधि परियोजना के तहत सस्ती कीमतों पर बेची जाने वाली दवाओं और चिकित्सा उपकरणों से लोगों को अब तक 28,000 करोड़ रुपये से अधिक की बचत करने में मदद मिली है। उन्होंने कहा कि देश भर में जन औषधि केंद्रों के माध्यम से 1,965 दवाएं और 235 चिकित्सा उपकरण बेचे जाते हैं और ये इन केंद्रों पर 52 से 80 प्रतिशत तक की रियायती कीमत पर उपलब्ध हैं। प्रश्नकाल के दौरान नड्डा ने एक पूरक प्रश्न के उत्तर में कहा कि जन औषधि केंद्रों पर कीमतों में कमी के कारण मरीज अब तक 28,000 करोड़ रुपये बचाने में सफल रहे हैं। स्वास्थ्य मंत्री के अनुसार, उपचार के लिए किफायती दवाएं और विश्वसनीय प्रतिरोपण (अमृत) योजना के तहत दवाएं और चिकित्सा उपकरण खरीदने के बाद मरीजों ने 24,273 करोड़ रुपये की बचत की है।

मेरे खिलाफ ईडी की छापेमारी की तैयारी, दिल खोलकर इंतजार है : राहुल

प्रातः किरण

नई दिल्ली/एजेंसी। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने शुक्रवार को दावा किया कि सदन में चक्रव्यूह वाले भाषण के बाद उनके खिलाफ प्रवर्तन निदेशालय की छापेमारी की तैयारी हो रही है। उन्होंने यह भी कहा कि वह ईडी के लोगों का दिल खोलकर इंतजार कर रहे हैं तथा उन्हें वह अपनी तरफ से चाय एवं बिस्कुट की पेशकश करेंगे। कांग्रेस नेता ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर पोस्ट किया, जाहिर है कि 2 इन 1 को मेरा चक्रव्यूह वाला भाषण अच्छा नहीं लगा। ईडी के अंदरूनी सूत्रों ने बताया है कि छापेमारी की तैयारी हो रही है। मैं ईडी का दिल खोलकर इंतजार कर रहा हूं। मेरी तरफ से चाय और बिस्कुट। इसी से जुड़े एक अन्य घटनाक्रम में,

कांग्रेस सांसद मणिकम टैगोर ने भाजपा सरकार द्वारा राजनीतिक उत्पीड़न के लिए ईडी, सीबीआई और आयकर विभाग जैसी एजेंसियों का दुरुपयोग किए जाने पर चर्चा की मांग करते हुए लोकसभा में कार्यस्थगन प्रस्ताव का नोटिस दिया।

कांग्रेस वायनाड में 100 से अधिक घर बनाएगी : लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने शुक्रवार को घोषणा की कि कांग्रेस वायनाड में 100 से अधिक घर बनाएगी। उन्होंने कहा कि केरल ने पहले किसी भी क्षेत्र में ऐसी त्रासदी नहीं देखी है और वह इस मुद्दे को राज्य व केंद्र दोनों के समक्ष उठाएंगे। कांग्रेस नेता राहुल गांधी इन दिनों वायनाड में राहत शिविरों का दौरा कर रहे हैं, जो तीन बड़े भूस्खलनों से प्रभावित हुआ है, जिसके परिणामस्वरूप 275 से अधिक लोगों की मौत हो गई और कई घर नष्ट हो गए। राहुल गांधी ने कहा कि वे कल गुरुवार से वायनाड में हैं। उन्होंने कहा कि यह एक भयानक त्रासदी है। हम कल साइट पर गये थे। हम शिविरों में गए, हमने वहां की स्थिति का आकलन किया। आज शुक्रवार को हमने प्रशासन और पंचायत के साथ बैठक की। उन्होंने हमें हताहतों की संख्या, क्षतिग्रस्त हुए घरों की संख्या और अपनी रणनीति के बारे में जानकारी दी।

राज्यसभा में नीट को समाप्त करने संबंधी गैर सरकारी संकल्प का सत्ता पक्ष ने किया विरोध

प्रातः किरण

नई दिल्ली/एजेंसी। राज्यसभा में शुक्रवार को राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा और राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी को समाप्त करने के प्रावधान वाले एक गैर सरकारी संकल्प पर, सरकार एवं सत्ता पक्ष के सदस्यों ने सदन में चर्चा कराये जाने का यह कहते हुए विरोध किया कि जब इस मामले में उच्चतम न्यायालय का निर्णय आ चुका है तो इस पर चर्चा करना उचित नहीं होगा। शुक्रवार होने के कारण उच्च सदन में दोपहर दो बजे जब गैर सरकारी कामकाज शुरू हुआ तो द्रमुक के एम मोहम्मद अब्दुल्ला ने आसन की अनुमति से शिक्षा को समवर्ती सूची से हटाकर राज्य सूची में डालने के प्रावधान वाले गैर सरकारी संकल्प को चर्चा के लिए पेश किया। इसी संकल्प में नीट-यूजी और एनटीए को समाप्त करने का प्रावधान है। जब द्रमुक सदस्य इस गैर सरकारी संकल्प को चर्चा के लिए रख रहे थे तब शिक्षा राज्य मंत्री जयंत चौधरी ने इसका विरोध करते हुए कहा कि नीट परीक्षा के बारे में उच्चतम न्यायालय का निर्णय भी आ चुका है। चौधरी ने कहा कि सरकार ने भी इस मामले पर गौर किया और कई विशेषज्ञों वाली एक उच्चाधिकार प्राप्त समिति का गठन किया है। उन्होंने कहा कि यह समिति पूरी परीक्षा प्रणाली तथा राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी (एनटीए) के कामकाज पर अध्ययन कर अपनी सिफारिशें देगी। उन्होंने कहा कि इस परिस्थिति में यदि सदन एनटीए और नीट परीक्षा को समाप्त करने के बारे में चर्चा करता है तो यह उच्चतम न्यायालय के निर्णय की भावना के विरूद्ध होगा। उन्होंने द्रमुक सदस्य से उनका प्रस्ताव वापस लेने का अनुरोध किया। मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी के जॉन ब्रिटास ने कहा कि नीट परीक्षा उच्चतम न्यायालय के निर्देश पर नहीं शुरू हुई थी बल्कि केंद्र सरकार के प्रस्ताव पर सर्वोच्च न्यायालय ने सहमति व्यक्त की थी। उन्होंने कहा कि उच्चतम न्यायालय के निर्णय का बहाना बनाकर सरकार को, सदस्यों के निजी विधेयक सदन में लाने के अधिकार को सीमित करने की अनुमति नहीं दी जानी चाहिए। भाजपा के घनश्याम तिवाड़ी ने कहा कि उच्चतम न्यायालय के निर्देश पर भारत सरकार ने नीट परीक्षा शुरू करवायी थी। उन्होंने कहा कि अब जबकि सरकार ने एक समिति बना दी है तो इस पर सदन में चर्चा करना उचित नहीं है। उन्होंने इस संकल्प को चर्चा के लिए पेश करने के मुद्दे का फैसला सदन में मत विभाजन के जरिये कराने की मांग की संसदीय कार्य मंत्री किरेन रीजीजू ने शिक्षा राज्य मंत्री चौधरी और भाजपा सदस्य तिवाड़ी की बातों का समर्थन करते हुए कहा कि इसको लेकर सदन में मत विभाजन कराना उपयुक्त होगा। कांग्रेस के शक्ति सिंह गोहिल ने कहा कि यह मामला अदालत में विचाराधीन नहीं है क्योंकि उच्चतम न्यायालय का निर्णय आ गया है। उन्होंने कहा कि जब सदन के सभापति ने इसे पेश करने को अपनी अनुमति दे दी है तो किसी सदस्य को उसके अधिकारों के प्रयोग से कैसे रोका जा सकता है?

महोत्सव मखाना एवं इसके प्रसंस्कृत उत्पाद एवं निर्यात क्षमता को बढ़ाना महोत्सव का उद्देश्य : सचिव

मखाना महोत्सव का आयोजन आज से, उत्पादकों व खरीदारों का होगा जुटान

ज्ञान भवन में आयोजित दो दिवसीय महोत्सव का कृषि मंत्री करेंगे उद्घाटन

प्रातः किरण

पटना। दो दिवसीय मखाना महोत्सव का आयोजन आज यानी शनिवार से पटना के ज्ञान भवन में किया जा रहा है, जिसका उद्घाटन कृषि मंत्री मंगल पाण्डेय करेंगे। महोत्सव में उत्पादकों, वैज्ञानिकों एवं व्यापारियों का जुटान होगा। उक्त जानकारी कृषि विभाग के सचिव संजय अग्रवाल ने दी। श्री अग्रवाल ने बताया कि मखाना महोत्सव 2024 के आयोजन का मुख्य उद्देश्य मखाना एवं इसके प्रसंस्कृत उत्पाद एवं निर्यात क्षमता को बढ़ाना है। फलस्वरूप इस महोत्सव में मखाना के प्रगतिशील कृषकों एवं उत्पादक कंपनी, देश एवं राज्य के प्रमुख निर्यातकों, ट्रेडर्स, वैज्ञानिक आदि को आमंत्रित किया गया है। उन्होंने बताया कि मखाना उत्पादन के आधुनिक तकनीकी से कृषकों को रूबरू कराना, मखाना व्यापार के नये आयाम को खोजना एवं विकसित करना तथा मखाना के औषधीय एवं पोषक गुणों के प्रति आमजन को जागरूक करना है। महोत्सव के माध्यम से मखाना उत्पादक कृषकों, वैज्ञानिकों, व्यापारियों, संबद्ध विभागों को एक मंच प्रदान किया जाता है, जहाँ कृषक अपनी सफलता का प्रदर्शन कर पाते हैं, वहीं वैज्ञानिक, निर्यातक, संबद्ध विभाग से मिलकर अपनी समस्याओं का निराकरण प्राप्त करते हैं एवं अपने उत्पाद को राष्ट्रीय एवं अन्तर्राष्ट्रीय बाजार में मार्केटिंग के विभिन्न पहलू पर ज्ञान प्राप्त कर पाते हैं।

महोत्सव के प्रथम दिन मखाना के उत्पादन में वृद्धि की संभावना, पोस्ट हार्वेस्ट मैनेजमेंट, यंत्रीकरण, देश के

बाजार के लिए बिहार के मखाना की आपूर्ति श्रृंखला को मजबूत करना, वैश्विक पहुंच के लिए बिहार के मखाना की मार्केटिंग रणनीतियों को बढ़ाना आदि विषयों पर चर्चा होगी। इसमें देश के प्रमुख निर्यातक के एमएस एक्सपोर्ट्स, डीपी ग्रूप आदि, संस्थागत क्रेता, बिग बास्केट, रिलायन्स, फ्लिपकार्ट, डाबर इंडिया, स्विग्गी आदि भाग लेंगे।

बिहार तथा अन्य राज्यों स्थित कई प्रोसेसर भाग ले रहे हैं। मखाना किसानों को कृषि ऋण की जानकारी सुचारु रूप से प्राप्त हो इसलिए राज्य स्तरीय बैंकर्स समिति द्वारा भी स्टॉल लगाया गया है। खाद्य प्रसंकरण इकाईयों के लिए बिहार सरकार द्वारा दी जा रही सहायताओं की जानकारी साझा करने हेतु उद्योग विभाग, बिहार सरकार द्वारा भी स्टॉल लगाया गया है।

मखाना उत्पादन को बढ़ावा देने हेतु सहायतानुदान का प्रावधान

मखाना के आर्थिक महत्व को ध्यान में रखते हुए राज्य सरकार के द्वारा मखाना विकास योजना का संचालन किया जा रहा है, जिसके अंतर्गत मखाना के उन्नत प्रभेदों के बीज उत्पादन एवं प्रत्यक्षण तथा क्षेत्र विस्तार को बढ़ावा देने हेतु सहायतानुदान का प्रावधान किया गया है। राज्य सरकार की पहल से मखाना भण्डारण की भी सहायता वर्ष 2023-24 से मखाना उत्पादकों को दी जा रही है जिसमें भण्डारण इकाई पर 75 प्रतिशत सब्सिडी का प्रावधान है। इसी प्रकार, राज्य में बिहार कृषि निवेश प्रोत्साहन नीति अन्तर्गत चयनित 7 सेक्टर्स में मखाना को भी शामिल किया गया है, जिसके अन्तर्गत मखाना प्रोसेसिंग को बढ़ावा देने हेतु पूंजीगत अनुदान का प्रावधान है।

प्रधानमंत्री आज कृषि अर्थशास्त्रियों के 32वें अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन का करेंगे उद्घाटन

प्रातः किरण

नई दिल्ली/एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी शनिवार को यहां कृषि अर्थशास्त्रियों के 32वें अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन का उद्घाटन करेंगे। भारत में यह सम्मेलन 65 सालों के बाद आयोजित हो रहा है। प्रधानमंत्री कार्यालय (पीएमओ) की ओर से जारी एक बयान में शुक्रवार को यह जानकारी दी गई। कृषि अर्थशास्त्रियों के अंतरराष्ट्रीय संगठन की ओर से आयोजित छह दिवसीय त्रैवार्षिक सम्मेलन का विषय सतत कृषि-खाद्य प्रणालियों की ओर रूपांतरण है। सम्मेलन में लगभग 75 देशों के लगभग 1,000 प्रतिनिधि भाग लेंगे।

इसका उद्देश्य जलवायु परिवर्तन, प्राकृतिक संसाधनों का कम होना, बढ़ती उत्पादन लागत और संघर्षों जैसी वैश्विक चुनौतियों का सामना करने में टिकाऊ कृषि की आवश्यकता से निपटना है। पीएमओ ने कहा कि

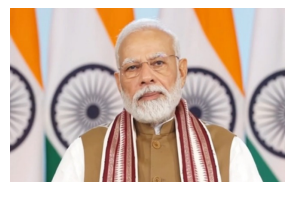

सम्मेलन वैश्विक कृषि चुनौतियों के लिए भारत के सक्रिय दृष्टिकोण को रेखांकित करेगा और कृषि अनुसंधान और नीति में देश की प्रगति को प्रदर्शित करेगा। बयान में कहा गया, आईसीएई 2024 युवा शोधकताओं और प्रमुख पेशेवरों के लिए वैश्विक साथियों के साथ अपने काम और नेटवर्क को पेश करने के लिए एक मंच के रूप में काम करेगा। इसका उद्देश्य अनुसंधान संस्थानों और विश्वविद्यालयों के बीच साझेदारी को मजबूत करना, राष्ट्रीय और वैश्विक दोनों स्तरों पर नीति निर्माण को प्रभावित करना और डिजिटल कृषि और टिकाऊ कृषि-खाद्य प्रणालियों में प्रगति सहित भारत की कृषि प्रगति को प्रदर्शित करना है।

प्रधानमंत्री से मिले नेता प्रतिपक्ष जयराम ठाकुर : पूर्व मुख्यमंत्री व नेता प्रतिपक्ष जयराम ठाकुर ने शुक्रवार को नई दिल्ली में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात की। उन्होंने हिमाचल में बादल फटने से हुई तबाही की भी प्रधानमंत्री को जानकारी दी। प्रधानमंत्री मोदी ने इस त्रासदी से निपटने में हिमाचल प्रदेश का सहयोग करने का पूरा भरोसा दिया और कहा कि राहत और बचाव कार्य के लिए एनडीआरएफ समेत अन्य केंद्रीय बलों को लगाया गया है। उन्होंने जयराम को भरोसा दिया कि इस त्रासदी से निपटने के लिए भविष्य में जिस भी संसाधन की आवश्यकता होगी, वह भी तत्काल उपलब्ध करवाई जाएगी। जयराम ठाकुर ने बताया कि प्रधानमंत्री ने भारतीय जनता पार्टी के कार्यकर्ताओं और जन प्रतिनिधियों से भी राहत और बचाव कार्य में जुटकर प्रभावितों की हर संभव मदद करने का आह्वान किया।

संक्षिप्त समाचार

पंचायत प्रतिनिधियों ने ब्लॉक मुख्यालय में की तालाबंदी

गरुड़ (बागेश्वर), एजेंसी। ग्राम प्रधान संगठन की ब्लॉक इकाई ने पंचायतों का कार्यकाल बढ़ाने की मांग को लेकर विकासखंड मुख्यालय में तालाबंदी की। तालाबंदी के चलते विकासखंड मुख्यालय में दिनभर कामकाज ठप रहा। ग्राम प्रधान संगठन के आह्वान पर विकासखंड के कई ग्राम पंचायतों के ग्राम प्रधान और बीडीसी सदस्य मंगलवार को विकासखंड मुख्यालय पर एकत्र हुए। ग्राम प्रधानों ने कार्यकाल बढ़ाने की मांग को लेकर ब्लॉक के मुख्य गेट में अपना ताला ठोक दिया। ग्राम प्रधान संगठन के ब्लॉक उपाध्यक्ष राजन राम की अध्यक्षता में हुई सभा में वक्ताओं ने पंचायतों का कार्यकाल बढ़ाने और हरिद्वार जिले के साथ अन्य जिलों में पंचायत चुनाव कराने की मांग की। तालाबंदी करने वालों में ब्लॉक प्रमुख हेमा बिष्ट, गोपाल राम, बच्चन राम, प्रकाश कोहली, कौशल्या भंडारी, देवेंद्र गोस्वामी, चंदन परिहार, सपना थापा, कविता गोस्वामी आदि मुख्य थे।

भारी बारिश के चलते रामनगर हाईवे बंद, एसएच 41 पर आवाजाही शुरू कराना प्रशासन की प्राथमिकता

हल्द्वानी, एजेंसी। उत्तराखंड के हल्द्वानी में भारी बारिश के चलते कालाढूंगी-रामनगर मार्ग पूरी तरह से बाधित कर दिया गया है। वहीं मार्ग बाधित होने से लोगों की मुश्किलें बढ़ती दिखाई दे रही है। दरअसल, बुधवार देर शाम भारी बारिश के चलते रामनगर की पुलिया का पूरा हिस्सा नाले में बह गया। इसी बीच नालों में जल स्तर बढ़ने से डाइवर्जन प्लान में दिक्कत आ रही है। इसी बीच आवाजाही बंद होने से आम जनता की मुश्किलें भी बढ़ गई है।वहीं मौके पर पीडब्ल्यूडी की टीम तैनात है। फ़िलहाल आज मौसम खुलने के कारण डायवर्जन का काम दोबारा से शुरू कर दिया जाएगा। इसके अतिरिक्त स्टेट हाइवे 41 पर आवाजाही शुरू करवाना प्रशासन की प्राथमिकता बताई जा रही है।

मूल्यांकन में गड़बड़ी पर छात्रों ने किया प्रदर्शन

हल्द्वानी, एजेंसी। मूल्यांकन में गड़बड़ी और पीजी में सीटें बढ़ाने के मामले में एमबीपीजी कॉलेज के छात्रों ने बृहस्पतिवार को प्राचार्य कक्ष के बाहर प्रदर्शन किया और कुमाऊं विवि के खिलाफ नारेबाजी की। छात्रों का कहना है कि बीए, बीएससी, बीकॉम के द्वितीय व तृतीय वर्ष के छात्र-छात्राओं की उत्तरपुस्तिका को जांचने में काफी गड़बड़ियां हुई हैं। बीए तृतीय वर्ष के समाजशास्त्र की उत्तरपुस्तिका में परीक्षक ने प्रत्येक उत्तरों को चेक किए बिना सीधे काट दिया है और विद्यार्थियों को शून्य अंक दिए हैं। इधर प्राचार्य प्रो. एनएस बनकोटी ने इस संबंध में कुमाऊं विश्वविद्यालय को पत्र भेजा है। छात्रों ने मांगें पूरी न होने पर आंदोलन की चेतावनी दी है। ज्ञापन देने वालों में यश कुमार, उमाशंकर तिवारी, चंदन सिंह मेवाड़ी, गौतम सिंह, मयंक प्रसाद, प्रियांशु तिवारी, रूद्रप्रताप सिंह और बादल सिंह आदि थे।

हरिद्वार से जल लेकर वापस लौटा 70 कांवड़ियों का दल

हल्द्वानी, एजेंसी। राजपुरा शंभुसुताय की ओर से करीब सात दिनों की कांवड़ यात्रा पर राजेंद्र नगर क्षेत्र से रवाना हुआ कांवड़ियों का दल बृहस्पतिवार को वापस लौट आया। वापस लौटे कांवड़ियों का क्षेत्र के लोगों ने पुष्प वर्षा कर जोरदार स्वागत किया। भोले के जयकारों से क्षेत्र का माहौल शिवमय हो गया। 25 जुलाई को 70 कांवड़ियों का दल हरिद्वार के लिए रवाना हुआ। 27 जुलाई को यह दल गंगा जल लेकर पैदल यात्रा कर बृहस्पतिवार शाम हल्द्वानी पहुंचा। वापस लौटे कांवड़ियों का जगह-जगह स्वागत किया गया। समिति के अध्यक्ष पंकज कश्यप ने बताया कि सभी कावड़िये कल राजपुरा शिव मंदिर व बेल बाबा मंदिर में भगवान शिव का जलाभिषेक करेंगे।

दरारें, सीलन और टपकता पानी...

जान हथेली पर रखकर पढ़ने को मजबूर बच्चे; गढ़ रहे भविष्य की कहानी

नैनीताल, एजेंसी। भीमताल-ओखलकांडा ब्लॉक के झड़गांव तल्ला स्थित राजकीय उच्च प्राथमिक विद्यालय का भवन जर्जर हालत में होने से बच्चे जान हथेली में रखकर पढ़ाई करने को मजबूर है।

भीमताल-ओखलकांडा ब्लॉक के झड़गांव तल्ला स्थित राजकीय उच्च प्राथमिक विद्यालय का भवन जर्जर हालत में होने से बच्चे जान हथेली में रखकर पढ़ाई करने को मजबूर है। लंबे समय से जीर्णशीर्ण भवन में अध्ययनरत 35 बच्चों को टपकती छतों के नीचे बैठना पड़ रहा है। बरसात में हादसे का भय बना रहता है। समाजसेवी भगवंत बिष्ट ने बताया कि स्कूल का भवन 1990 में बना है। कहा कि भवन जर्जर होने से दीवारों में दरारें और छत टपकने से बच्चे और शिक्षक परेशान हैं। बिष्ट ने कहा कि उन्होंने शिक्षा मंत्री से विद्यालय में नए भवन निर्माण की मांग की है। बताया कि शिक्षा मंत्री ने अधिकारियों को प्राथमिकता से जर्जर विद्यालय के मरम्मत के लिए निर्देश दिए हैं।

गौरीकुंड-मंदाकिनी नदी के सैलाब ने गर्मकुंड को फिर बना दिया अतीत, मलबे में समाया पूरा कुंड क्षेत्र

गुप्तकाशी (रुद्रप्रयाग), एजेंसी। मंदाकिनी नदी के सैलाब ने गौरीकुंड स्थित गर्मकुंड को अतीत बना दिया है। 11 वर्ष पूर्व केदारनाथ आपदा से पूरी तरह से ध्वस्त हुए गर्मकुंड के अवशेष को जैसे-तैसे संरक्षित किया गया था, लेकिन इसके संरक्षण के ठोस इंतजाम नहीं हो पाए जिस कारण यह धार्मिक धरोहर अतीत बन गई है। अब, बाबा के दर्शनों को आने वाले श्रद्धालु गर्मकुंड में स्नान नहीं कर पाएंगे। स्थानीय ग्रामीणों ने कुंड क्षेत्र में भरे मलबे की सफाई कर सुरक्षा की मांग की है।

केदारनाथ यात्रा के अंतिम बस्ती पड़ाव गौरीकुंड का विशेष धार्मिक महत्व है। साथ ही यह क्षेत्र पूरी केदारनाथ यात्रा में सबसे बड़ा रोजगार का केंद्र भी है। यहां पर घोड़ा-खच्चर, डंडी-कंडी से जुड़े लोगों के साथ ही अन्य मजदूर काम करते हैं। जून 2013 की आपदा से पहले तक गौरीकुंड से ही केदारनाथ यात्रा का संचालन होता था, लेकिन आपदा के बाद से यह स्थान हाशिये पर सिमट गया।

मंदाकिनी नदी के उफान से यहां हुई व्यापक तबाही की चपेट में गौरीकुंड भी आया था। यहां गर्मकुंड पूरी तरह से ध्वस्त हो गया था, बाद में जैसे-तैसे गर्म पानी को प्लास्टिक के पाइपों से संरक्षित किया गया। साथ ही शासन स्तर पर यहां गर्मकुंड को उसका मूल स्वरूप देने के लिए काम भी किए गए, लेकिन लाखों रुपये खर्च के बाद भी स्थिति में सुधार नहीं हुआ।

यहां गर्म पानी को संरक्षित कर इसे दो अप्राकृतिक कुंडों में भरा जाने लगा, साथ ही पुरुष व महिला यात्रियों के लिए स्नानघर भी बनाया गया, लेकिन काम आधा-अधूरा होने के कारण संचालन नहीं हो सका।

अब, बीते बुधवार की मूसलाधार बारिश से मंदाकिनी के उफान से गर्मकुंड क्षेत्र और अन्य निर्माण केंद्र मलबे में दब गए हैं। पूर्व ग्राम प्रधान मायाराम गोस्वामी, पूर्व व्यापार संघ अध्यक्ष अरविंद गोस्वामी, गौरी शंकर गोस्वामी आदि का कहना है कि केदारनाथ आपदा के बाद से गौरीकुंड की सुध नहीं ली गई।

यहां पर मंदाकिनी नदी के तेज बहाव से सुरक्षा के ठोस इंतजाम नहीं होने के कारण टनों मलबा भर चुका है। गौरी माई मंदिर परिसर और पित्र कुंड को भी खतरा पैदा हो गया है।

बारिश के पानी में डूबने से डील कर्मचारी समेत दो की मौत

देहरादून, एजेंसी। तेज बारिश के बीच पानी में बहे दोनों लोगों के शव पुलिसबारिश के पानी में डूबने से डील कर्मचारी समेत दो की मौत ने डील क्षेत्र की नहर से बरामद कर लिए हैं। इनमें एक की पहचान जेब से मिले डेबिट कार्ड से हुई है। जबकि, दूसरे की पहचान डील कर्मचारी के रूप में हुई है। कर्मचारी रात में शिफ्ट खत्म कर घर लौट रहे थे। दोनों शवों का पोस्टमार्टम कराने के बाद परिजनों के सुपुर्द कर दिए गए हैं।

गौरतलब है कि बुधवार शाम से शुरू हुई तेज बारिश से शहर में कई जगह जलभराव हुआ था। रायपुर रोड पर डील फैक्ट्री के पास भी सड़क पर पानी का तेज बहाव था। यहां नाले और सड़क में कोई भेद नहीं हो रहा था। इसी बीच पुलिस को सूचना मिली थी कि पानी में दो लोग बह गए हैं। इनकी तलाश में एसडीआरएफ और स्थानीय पुलिस टीम को लगाया गया। रात के समय डील के पास नहर से एक शव बरामद हुआ था। जेब में एक डेबिट कार्ड रखा हुआ था, जिससे उनकी पहचान सुंदर सिंह (40) पुत्र कुंदन सिंह निवासी हरचावाला, तपोवन, रायपुर के रूप में हुई।

नदी में बैग के अंदर मिला महिला का शव, मचा हड़कंप

उधमसिंह नगर, एजेंसी। उत्तराखंड के उधम सिंह नगर जिले की एक नदी में महिला का शव बैग में मिलने से हड़कंप मच गया। इस बीच आनन फानन में स्थानीय लोगों ने मामले की जानकारी कोतवाली पुलिस को दी। वहीं मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को बरामद कर पोस्टमार्टम के लिए भेज अस्पताल भेज दिया। पुलिस आगे की कार्रवाई में जुट गई है।

जानकारी के अनुसार, यह घटना उधम सिंह नगर जिले के किच्छा कोतवाली क्षेत्र अन्तर्गत बेनी मजार के पास की है, जहां एक नदी में महिला का शव बैग के अंदर मिला। स्थानीय लोगों द्वारा सूचना मिलने पर सीओ निहारिका तोमर के नेतृत्व में मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को नदी से निकलवा लिया। इस मामले की जांच शुरू कर दीं। इसके साथ ही फॉरेंसिक टीम एवं डॉग स्क्वायड की टीम ने मौके का निरीक्षण किया।

वहीं उधमसिंह नगर जिले के एसपी क्राइम चंद्रशेखर घोड़के, एसपी सिटी मनोज कत्याल ने मौके पर पहुंचकर अधिकारियों से बात कर जरूरी दिशा-निर्देश दिए। इस मामले में एसपी क्राइम चन्द्रशेखर घोड़के ने बताया कि बैग के अंदर शव मिला है। उन्होंने कहा कि पहले शव का पंचनामा किया जा रहा है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद मौत के कारणों का पता चलने पर आगे की कार्रवाई की जाएगी। फिलहाल जांच के लिए टीमों का गठन किया जा रहा है।

बेसमेंट में चल रही थी 16 कोचिंग, छह सीज; दस को नोटिस

हल्द्वानी, एजेंसी। प्रशासन, नगर निगम, प्राधिकरण और पुलिस की संयुक्त टीम ने गुरुवार को शहर से लेकर बाहरी हिस्सों में बेसमेंट में चल रहे 16 कोचिंग सेंटरों की जांच की, लेकिन अभी छह के विरुद्ध ही कार्रवाई करते हुए इन्हें सील किया गया है, जबकि दस को नोटिस भेजे जाएंगे।

अधिकारियों की चेकिंग में कई जगहों पर बहुत बुरी स्थिति मिली। बेसमेंट में सीजन भरी होने के साथ-साथ सुरक्षा मानकों संग भी खिलवाड़ दिखा। हवा पास होने की स्थिति भी नजर नहीं आई।

दिल्ली में हुए कोचिंग सेंटर हादसे के बाद उत्तराखंड सरकार ने भी बेसमेंट में संचालित केंद्रों के विरुद्ध कार्रवाई के निर्देश दिए हैं। इसलिए गुरुवार दोपहर बाद संयुक्त टीम नैनीताल रोड, दुर्गा सिटी सेंटर, कालाढूंगी रोड, महर्षि स्कूल रोड से लेकर देवलचौड़ तक कोचिंग सेंटरों का हाल देखने के लिए पहुंची थी। जिसके बाद बदहाली संग मानकों संग खिलवाड़ की तस्वीर भी सामने आ गई।

कुछ जगहों पर एंट्री और एग्जिट द्वार एक ही थे। यानी आपातकालीन स्थिति में छात्र बाहर भी नहीं निकल पाएंगे। इसके अलावा फायर सुरक्षा

संबंधित मानक भी पूरे नहीं थे। ऐसे केंद्रों को सील कर दिया गया है। वहीं, जांच समिति का कहना है कि औचक चेकिंग आगे भी जारी रहेगी। सभी तरह के सुरक्षात्मक उपाय होने और नक्शे के हिसाब से भवन निर्माण मिलने पर ही संचालन की अनुमति मिलेगी।

नगर आयुक्त विशाल मिश्रा, सचिव जिला विकास प्राधिकरण विजय नाथ शुक्ल, सिटी मजिस्ट्रेट एपी वाजपेयी, एसपी प्रकाश चंद्र, सीएफओ गौरव किरार।

कोचिंग सेंटरों पर पहुंचने पर दिखा कि कई संचालकों ने बगैर अनुमति के रास्ते और गैलरी पर बोर्ड और होर्डिंग लगा रखे थे। जिस वजह से लोगों को चलने में भी परेशानी हो रही थी। सहायक नगर आयुक्त गणेश भट्ट ने बताया कि सभी सामान जब्त कर लिया गया है।

सिटी मजिस्ट्रेट एपी वाजपेयी ने बताया कि दुर्गा सिटी सेंटर में दिनेश नाम का व्यक्ति कामन सर्विस सेंटर का संचालन कर रहा था। जांच से पता चला कि वार्ड आठ में सेंटर संचालन की अनुमति थी। जबकि दुर्गा सिटी सेंटर वार्ड सात का हिस्सा है। इसलिए सेंटर के निलंबन के निर्देश दिए गए हैं।

चेकिंग के दौरान देवलचौड़ क्षेत्र में नगर निगम की टीम एक मुर्गे की दुकान पर भी पहुंच गई। यहां तलाशी लेने पर एक किलो पालीथिन मिली।

नदी में उछल-कूद कर रहे थे कांवड़ यात्री, अचानक बढ़ा गंगा का जलस्तर

हरिद्वार, एजेंसी। हरकी पैड़ी में 12 कांवड़िये फंस गए, जिनका रेस्क्यू किया गया। गंगा का जलस्तर अचानक बढ़ने से 12 कांवड़ यात्री नदी में फंस गए। पहाड़ों में बरिश के चलते पिछले दो दिन से गंगा में बहुत कम जल छोड़ा जा रहा था। कांवड़ यात्री बड़ी धारा के बीच में घुसकर उछल कूद मचा रहे थे।

इसी बीच शुक्रवार की सुबह बैराज से अचानक पानी छोड़ा गया और बड़ी धारा में करीब 12 यात्री फंस गए। एसडीआएफ और बीईजी सेंटर रुड़की आर्मी के जवानों ने तत्काल कांवड़ियों का रेस्क्यू करना शुरू किए। सभी कांवड़िये सुरक्षित हैं।

बृहस्पतिवार को कांवड़ मेले का आखिरी दिन था और आज शुक्रवार को शिवालयों में जलाभिषेक किया जाएगा। आखिरी दिन पूरी रात डाक कांवड़ यात्री हरिद्वार से जलभर ब ों से दौड़ते रहे। इस बार मेले में चार करोड़ चार लाख 40 हजार कांवड़ यात्री पहुंचे हैं।

प्रशासन ने बृहस्पतिवार की शाम छह बजे तक का ये आंकड़ा जारी किया है। पिछले साल चार करोड़ सात लाख कांवड़ यात्री हरिद्वार पहुंचे थे। 22 जुलाई से कांवड़ मेले का आगाज हुआ था। आज शुक्रवार को जलाभिषेक हो रहा है।

इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल के लिए नामित हुई गढ़वाली फिल्म 'रिखुली', अंधविश्वास से जुड़ी है कहानी

चमोली, एजेंसी। चमोली की अक्षत नाट्य संस्था की ओर से 90 के दशक तक गढ़वाल क्षेत्र की पुरानी परंपराएं और मान्यताओं पर आधारित गढ़वाली फिल्म 'रिखुली' का फिल्मांकन चमोली जिले के स्यूण बेमरु, गैर टंगसा, चोपता, घिंघराण और मंडल घाटी में किया गया।

उत्तराखंड में चमोली जिले के सुदूर ग्रामीण क्षेत्रों में पिछले साल बनी गढ़वाली फीचर फिल्म 'रिखुली' अंतरराष्ट्रीय फिल्म फेस्टिवल के लिए नामित हुई है। साथ ही रिखुली को स्वीडन में बीते मई माह की सर्वश्रेष्ठ फिल्म और फ्रांस में जुलाई माह की सर्वश्रेष्ठ विदेशी फिल्म भी चुना गया है। अब जल्द फिल्म को दक्षिण कोरिया में भी प्रदर्शित किया जाएगा। गढ़वाल क्षेत्र की पुरानी परंपराएं और मान्यताओं पर आधारित गढ़वाली फिल्म 'रिखुली' का फिल्मांकन चमोली जिले के स्यूण बेमरु, गैर टंगसा, चोपता, घिंघराण और मंडल घाटी में किया गया। फिल्म में दिखाया गया है कि अंधविश्वास पर विश्वास नहीं करना चाहिए। फिल्म का निर्देशन, लेखन अक्षत नाट्य संस्था से जुड़े अभिनेता जगत किशोर गैरोला ने किया है। करीब 90 मिनट की इस फिल्म में समाज को पर्दे पर संजोने का प्रयास किया गया है। अक्षत नाट्य संस्था के संस्थापक विजय वशिष्ठ, अध्यक्ष केके डिमरी और ओपी पुरोहित ने बताया कि फिल्म को अंतरराष्ट्रीय फिल्म फेस्टिवल के लिए नामित किया गया है।

केदारघाटी में तबाही : आपदा पीड़ितों ने सुनाई आपबीती...

ऊखीमठ (रुद्रप्रयाग) , एजेंसी। बुधवार रात बादल फटने के बाद आई आपदा के खौफनाक मंजर को देखकर लोग अभी तक दहशत में है। गहरे होते अंधेरे के बीच बादलों की तेज गर्जना और चमकती बिजली के साथ हो रही तेज बारिश से लोगों को अनहोनी का अंदेशा होने लगा था।

यात्रा मार्ग पर दुकान चलाने वाले लोगों के साथ ही अन्य स्थानीय लोग जैसे-तैसे भारी बारिश के बीच ही सुरक्षित स्थान पर पहुंचे और अपनी जान बचाई। संवाद न्यूज एजेंसी के संवाददाता विनोद नौटियाल ने इस मंजर के प्रत्यक्षदर्शियों से बात की और उनकी आपबीती सुनी।

पेंज गांव के रणजीत सिंह पटवाल ने बताया कि बुधवार 31 जुलाई 2024 की रात कभी नहीं भूल सकता। शाम 7.30 बजे से गौरीकुंड से केदारनाथ के बीच मूसलाधार बारिश होने लगी थी। पलभर के लिए बारिश थमी नहीं। आधा घंटे में ही मंदाकिनी का जलस्तर उफान पर आ गया, तभी लगने लगा था कि कुछ अनहोनी होने वाली है। चोराबाड़ी क्षेत्र से लेकर

भैरवनाथ मंदिर व वासुकीताल क्षेत्र की तरफ से आसमान में लगातार बिजली चमक रही थी, जिसकी रोशनी में पलभर के लिए नजर आ रहे गजरते काले बादल डरा रहे थे।

सभी लोग अपनी जान बचाने के लिए दुकानों को बंद कर ऊपर जंगल की तरफ भागे। अभी कुछ ही दूर पहुंचे थे कि जोरदार आवाज के साथ कई जगहों से भारी मात्रा में पत्थर व मलबा गिरने की आवाज सुनाई देने लगी। मंदाकिनी नदी का उफान शोर मचाते हुए अंधेरे में तबाही को बयां कर रहा था। रामाबाड़ से करीब एक किमी ऊपर बुग्याललली क्षेत्र में एक गुफा में जैसे-तैसे रात गुजारी। अब जैसे-तैसे कई किमी अतिरिक्त पैदल दूरी तय कर चौमासी पहुंचे हैं।

सज्जन सिंह राणा ने कहा कि हम लिनचोली के समीप थारू कैंप में थे। बारिश तेज होते ही रात आठ बजे तक मैं और करीब 15-20 लोग जंगल क्षेत्र के बुग्याल में चले गए। रात्रि नौ बजे के करीब बारिश थम गई थी, लेकिन वह दोबारा कैंप व दुकानों तक आने की हिम्मत नहीं जुटा सके। बृहस्पतिवार की सुबह बुग्याल से नीचे नजर दौड़ाई तो पूरे पैदल मार्ग पर जगह-जगह मलबे व बोल्डर के ढेर दिख रहे थे।

रात्रि 9.30 बजे तक मोबाइल से संपर्क हो रहा था लेकिन उसके बाद संचार सेवा पूरी तरह से ठप हो गई थी। गौरीकुंड निवासी व पूर्व ग्राम प्रधान राकेश गोस्वाम ने बताया कि बुधवार रात्रि को आई आपदा से उनके परिवार के नवीन गोस्वामी व नरोत्तम गोस्वामी के वाहन मलबे में दब गए हैं। चंद्रापुरी के मनोज का वाहन भी मलबे में बह गई हैं। चुन्नी के केशव भी लिनचोली में मौजूद थे, उन्होंने बताया कि प्रशासन और पुलिस की सतर्कता और तेज बारिश होते ही उठाए गए।

हरिद्वार पहुंचे 4.4 करोड़ कांवड़िये, गंगाजल लेकर हाईवे पर दौड़े भक्त

हरिद्वार, एजेंसी। बृहस्पतिवार को कांवड़ मेले का आखिरी दिन था और आज शुक्रवार को शिवालयों में जलाभिषेक किया गया। आखिरी दिन पूरी रात डाक कांवड़ यात्री हरिद्वार से जलभर बाइकों और बड़े वाहनों से दौड़ते रहे। इस बार मेले में चार करोड़ चार लाख 40 हजार कांवड़ यात्री पहुंचे हैं।

प्रशासन ने बृहस्पतिवार की शाम छह बजे तक का यह आंकड़ा जारी किया है। पिछले साल चार करोड़ सात लाख कांवड़ यात्री हरिद्वार पहुंचे थे। 22 जुलाई से कांवड़ मेले का आगाज हुआ था। आज शुक्रवार को जलाभिषेक होगा। बृहस्पतिवार की शाम तक छह बजे धर्मनगरी में 77 लाख कांवड़ यात्रियों ने गंगाजल भरा और अपने गंतव्य की तरफ रवाना हो गए।

इस बार डाक कांवड़ यात्रियों का हुजूम अंतिम दिन ही उमड़ा। इससे पहले पैदल कांवड़ यात्री रवाना होते रहे। बृहस्पतिवार की रात से आसपास के जनपदों के यात्री गंगाजल भरकर रवाना होते रहे।

वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक प्रमेंद्र सिंह डोबाल ने बताया कि कांवड़ मेले में अब तक 4 करोड़ 4 लाख, 40 हजार कांवड़ी यात्री पहुंचे हैं।

कांवड़ियों के तीन लाख 38 हजार 277 छोटे-बड़े वाहन गुरुवार को पहुंचे हैं। छह कांवड़ियों को डूबने से बचाया गया है जबकि तीन की मौत हुई है।

पर्यावरण मंत्री गोपाल राय ने पर्यावरण विभाग, डीपीसीसी और विकास विभाग के अधिकारियों के साथ की उच्चस्तरीय बैठक

21 अगस्त को पर्यावरण एक्सपर्ट्स के साथ सेव एनवायरनमेंट राउंड टेबल कांफ्रेंस का किया जाएगा आयोजन - गोपाल राय

- एक्सपर्ट्स के राय के आधार पर बनाया जाएगा विंटर एक्शन प्लान- गोपाल राय
- जन भागीदारी से किया जाएगा वायु प्रदूषण को नियंत्रित - गोपाल राय

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

केजरीवाल सरकार सर्दियों में वायु प्रदूषण को नियंत्रित करने के लिए तैयारी शुरू कर दी है। दिल्ली के पर्यावरण मंत्री गोपाल राय ने संबंधित विभागों के साथ उच्चस्तरीय बैठक की। बैठक में पर्यावरण विभाग, डीपीसीसी और विकास विभाग के अधिकारी शामिल रहे। पर्यावरण मंत्री गोपाल राय ने बताया कि 21 अगस्त को दिल्ली सचिवालय मे पर्यावरण एक्सपर्ट्स के साथ सेव एनवायरनमेंट राउंड टेबल कांफ्रेंस का आयोजन किया जाएगा। उन्होंने आगे कहा कि एक्सपर्ट्स की राय के आधार पर विंटर एक्शन प्लान बनाया जाएगा। इस वर्ष जन भागीदारी के द्वारा प्रदूषण को नियंत्रित करना हमारी सरकार का मुख्य उद्देश्य रहेगा।

पर्यावरण मंत्री गोपाल राय ने बताया कि सर्दियों में होने वाले वायु प्रदूषण के खिलाफ केजरीवाल सरकार ने तैयारी शुरू कर दी है। शुक्रवार को इस सम्बन्ध में पर्यावरण, डीपीसीसी और विकास विभाग के उच्च अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक की गई है। बैठक के दौरान कई महत्वपूर्ण सुझाव आए, जिनमे मुख्य तौर पर कुछ फोकस बिंदु चिंहित किए गए है। जिसको केंद्र बिंदु बनाकर काम किया जाएगा। जैसे धूल प्रदूषण, वाहनों से होने वाले प्रदूषण, पराली की समस्या है, जगह-जगह जलाए जाने वाला कूड़ा है। जाड़े के मौसम में हर इलाके में जगह-जगह कूड़ा जलाया जाता हैं। इसके अलावा औद्योगिक प्रदूषण है। इसमें यह सुनिश्चित किया जाएगा कि दिल्ली के सभी पंजिकृत औद्योगिक इकाईयों को पी.एन.जी. में कंवर्ट कर दिया गया हो। ग्रीन वॉर रूम एवं ग्रीन दिल्ली एप बनाया गया है। इसको और अपग्रेड करने का फैसला लिया गया है, ताकि हम और बेहतर तरीके से लोगों के साथ संवाद कर पाएं और उनकी शिकायतों पर उचित समय में कार्रवाई हो सकें।

उन्होंने कहा कि अगला फोकस बिंदु हॉटस्पॉट है। यह दिल्ली के वो इलाके हैं, जहां लोगों को सबसे ज्यादा प्रदूषण का शिकार होना पड़ता है। फोकस बिंदु रियल टाइम अपोर्शनमेंट स्टडी है, जिसके द्वारा रियल टाइम प्रदूषण से संबंधित कारणों का पता चलेगा फोकस बिंदु ई-वेस्ट ईको पार्क है। भारत के पहले ईको पार्क का निर्माण दिल्ली के होलंबी कलां गांव में किया जा रहा है। यह ईको पार्क जीरो वेस्ट पॉलिसी के आधार पर कार्य करेगा। सरकार का अगला फोकस बिंदु दिल्ली में हरित क्षेत्र को बढ़ाना रहेगा। इसके साथ हम जन जागरूकता एवं जन भागीदारी को बढ़ावा देंगे। प्रदूषण के खिलाफ जनजागरूकता अभियान चलाया जाएगा। अगला फोकस बिंदु पटाखे पर प्रतिबंध है और अन्य फोकस बिंदु के तहत केंद्र सरकार और पड़ोसी राज्यों के साथ संवाद स्थापित किया जाएगा। ताकि प्रदूषण को नियंत्रित करने के लिए संयुक्त रूप से कार्य किया जा सके। इसके अलावा ग्रेप का कार्यान्वयन है। जिसके इर्द-गिर्द हम अपने आगे के प्लान को विकसित करेंगे।

गोपाल राय ने कहा कि मुख्य फोकस बिंदुओं पर विस्तृत चर्चा करने के लिए 21 अगस्त को पर्यावरण एक्सपर्ट्स के साथ सेव एनवायरनमेंट राउंड टेबल कांफ्रेंस का आयोजन दिल्ली सचिवालय मे किया जाएगा। सभी पर्यावरण एक्सपर्ट्स के सुझावों के आधार पर विंटर एक्शन प्लान बनाया जाएगा। इस राउंड टेबल कांफ्रेंस का मुख्य मकसद दिल्ली के अंदर प्रदूषण के खिलाफ इस जंग में बेहतर कार्य योजना का निर्माण करना है। पर्यावरण मंत्री गोपाल राय ने बताया कि इस सेव एंवायरनमेंट राउंड टेबल कांफ्रेंस के एक्सपर्ट्स के सुझावों पर दिल्ली सरकार प्रदूषण के स्त्रोतों को नियंत्रण करने के लिए आवश्यक कदम उठा सकेगी। इससे दिल्ली के प्रदूषण के विभिन्न कारकों की पहचान करने और उनको दूर करने में मदद मिलेगी।

मजबूत तिमाही प्रदर्शन, तिमाही राजस्व में सालाना 113% की वृद्धि

प्रात: किरण संवाददाता

हैदराबाद, मंगलवार, 2024 - खर्च प्रबंधन उत्पाद और समाधान प्रदान करने वाली एसएएएस (रंर) कंपनी जैगल प्रीपेड ओशन सर्विसेज लिमिटेड ने 30 जून, 2024 को समाप्त तिमाही के लिए अपने अन-ऑडिटेड व गैर-अंकेक्षित वित्तीय नतीजों की घोषणा की है।

मुख्य आंकड़ें

वित्त वर्ष 25 की पहली तिमाही - प्रमुख आंकड़ें:

राजस्व में सालाना वृद्धि की वजह इस प्रकार है:

क्रेडिट कार्ड वॉल्यूम में वृद्धि और जोयेर का मजबूत प्रदर्शन बड़े ग्राहकों के साथ और अधिक संख्या में क्लाइंट को जोड़ना सकल लाभ में सुधार मुख्यतः प्रॉडक्ट मिक्स में बदलाव के कारण है। आईपीओ के बाद कर्ज के समय से पहले भुगतान के कारण वित्त लागत में कमी आई है। वित्त वर्ष 25 में कुल ईसॉप खर्च के लगभग 70-90 मिलियन रुपये से अधिक होने की उम्मीद है। कर्मचारी लागत और ओपेक्स या परिचालन लगात में वृद्धि व्यवसाय वृद्धि के अनुरूप है।

प्रदर्शन के बारे में, जैगल प्रीपेड ओशन सर्विसेज लिमिटेड के फाउंडर और एग्जिक्यूटिव चेयरमैन राज पी नारायणम ने कहा, मजबूत उपस्थिति के साथ वर्ष की शुरूआत करते हुए हमने वित्त वर्ष 25 की पहली तिमाही में 2,522.1 मिलियन रुपये का राजस्व हासिल किया, और इसमें 112.9% की जबरदस्त वार्षिक वृद्धि देखने को मिली। इस तिमाही के लिए हमारा समायोजित एबिटा (ईसॉप व्यय मिलाकर) सालाना आधार पर 85.3% की वृद्धि के साथ 255.8 मिलियन रुपये रहा। इस वृद्धि को काफी हद तक जोयेर और क्रेडिट कार्ड बंडल सॉल्यूशंस की मजबूत मांग के कारण गति मिली है। हम ग्राहकों की लगातार बढ़ती जरूरतों को पूरा करने के लिए अपने उत्पाद पोर्टफोलियो को नया करने और ग्राहकों के मुताबिक बनाने के लिए प्रतिबद्ध हैं। एआई और मशीन लर्निंग की शक्ति का उपयोग करते हुए हमने अपना खुद का एआई सक्षम बॉट, रैजबॉट बनाया है और अपनी ऑप्टिकल कैरेक्टर रिकग्निशन (ओसीआर) क्षमताओं को बेहतर किया है। हम अपने ग्राहकों को उद्योग के अग्रणी समाधान प्रदान करने के लिए कई यूज केस पर काम करना जारी रखे हुए हैं हाल ही में, हमने बड़े यूजर्स के साथ ग्राहकों को जोड़ा है, जिनमें एक प्रमुख दोपहिया ओईएम और एक प्रसिद्ध बीमा कंपनी समेत अन्य शामिल हैं। इसके अलावा, स्काईडो के साथ हमारी हालिया साझेदारी के साथ, हम कॉर्पोरेट ग्राहकों के लिए एकीकृत मूल्य का निर्माण करते हुए प्रस्ताव प्रदान करने के लिए स्काईडो के अंतरराष्ट्रीय इनवार्ड रेमिटेंस प्लेटफॉर्म को अपने जोयर सॉल्यूशंस के साथ एकीकृत करेंगे।

PUBLIC NOTICE

It is to informed to the public at large that one Sh. VinodKakarS/o Sh. Mohan LalKakar(Aadhar7552 7392 9026) R/o 996, Near Gita Mandir, Sector-15, Escortsnagar, Faridabad, Haryana - 121007, hereinafter referred to as "said property" having acquired the same by virtue of Transfer Deed (within Blood Relation) dated 06.01.2023 executed by PerveshKakar (W/o MohalLalKakkar)which is duly registered on 06.01.2023 at the office of Sub Registrar Badkhal vide Book No. 1 & Document No. 6882 after the death of Mohan LalKakkar. Mr. MohalLalKakkaracquired the abovementioned property by virtue of Sale Deed dated 03.12.1984 executed by Joginder Singh(Doc. No. 1873) and died on 1.03.2022 leaving behind a Regd. WILL dated 20.06.2011 in favour of his wife namely PerveshKakar. The said Property has been mortgaged by the owner with HDFC Bank Limited (our client). Further, It is hereby declared that title of the said Property, is absolutely valid, clear and marketable and there is no dispute / Litigation pending in any court of law, in respect of said Property. Whosoever, is having any objection to said mortgage OR any Person having any type of claim/right/ title/interest over the said property may inform in writing, at the address mentioned below, about his objections, within 07 days from today, failing which it shall be presumed that the said property is free from all type of Encumbrances, lien etc.

Mobile: 8882600727
SHUBHASHISH'
R-14/178, Raj Nagar,
Ghaziabad-201 002

आज भारत मे 200 करोड़ नये पेड़ लगाने की जरूरत है : श्री मगनभाई पटेल

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

श्री सौराष्ट्र पटेल सेवा समाज के प्रमुख और श्रीमती एन.एम. पाडलिया फामेर्सी कॉलेज के मेनेजिंग ट्रस्टी श्री मगनभाई पटेल द्वारा हाल ही में अहमदाबाद के सरखेज-चांगोदर रोड पर श्रीमती एन.एम. पाडलिया फामेर्सी कॉलेज में वृक्षारोपण अभियान-२०२४ का उद्घाटन किया गया। इस अवसर पर चांगोदर पुलिस थाने के पी. आई श्री ए.पी. चौधरी, पुलिस सब इंस्पेक्टर श्री आर.डी. दिवाकर और हेड कांस्टेबल श्री धर्मेंद्रसिंह डोड,श्री जे.के. बारड और पुलिस कांस्टेबल श्री एम.सी. मसानी उपस्थित रहे थे और विभिन्न प्रजातियों के लगभग २०० पेड़ दान देने की घोषणा की।इन सभी महानुभावों को कॉलेज के प्रिंसिपल डॉ.जीतेन्द्र भंगालेने पुष्पगुच्छ देकर सम्मानित किया। इस अवसर पर श्री मगनभाई पटेलने कहा कि आज भारत मे २०० करोड़ नये पेड़ लगाने की जरूरत है।भारत के पर्यावरण संरक्षण प्रयासों में वृक्षारोपण महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।दुनिया का दूसरा सबसे अधिक आबादी वाला देश होने के नाते,आज भारत विभिन्न पर्यावरणीय चुनौतियों का सामना कर रहा है।जलवायु परिवर्तन को कम करनेऔर नागरिकों की सुखाकारी में सुधार के लिए वृक्षारोपण एक महत्वपूर्ण प्रथा है।हमारे माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्रभाई मोदीने संयुक्त राष्ट्र संघ (यू.एन) में ग्लोबल वार्मिंग एव ग्रीन एनवायरमेंट की आवश्यकता पर बार-बार जोर दिया है और कहा है कि अगली पीढ़ी के स्वास्थ्य और कल्याण के लिए पर्यावरण की रक्षा करना हम सभी की नैतिक जिम्मेदारी है। श्री मगनभाई पटेलने आगे कहा कि पर्यावरण की सुरक्षा और संरक्षण आज पूरी दुनिया के सामने एक बड़ी चुनौती है।आज हम प्रकृति के विरुद्ध कार्य कर रहे हैं जो हमारी आनेवाली पीढ़ी के लिए एक गंभीर समस्या है।हमारी भारतीय संस्कृति में पेड़ों का विशेष महत्व है, हमारे पूर्वजोंने पेड़ों को काटने नहीं दिया क्योंकि पेड़मे भी जीव होता है और किसी भी रूप में उनकी पूजा करना भारतीय संस्कृति है,लेकिन बड़े दुःख की बात है की हमारे देश में लोग रोजाना पीपल के पेड़ की परिक्रमा करते हैं और उसी पीपल के पेड़ को काट भी देते है।अब सरकार भी इस मामले को लेकर काफी सतर्क हो गई है और जहां नया निर्माणकार्य हो रहा हो वहां सरकारी नियमों के मुताबिक पेड़ लगाना अनिवार्य कर दिया है जो अच्छी बात है लेकिन आज भी लोग इसका पालन नहीं करते हैं जो एक चिंता का विषय भी है।नगर योजना या शहरी विकास योजना में पेड़ों के लिए एक खुली जगह रखनी होती है, जहाँ पेड़ लगाने होते हैं और उन पेड़ों को उगाने की शर्त पर योजना पारित की जाती है, लेकिन कुछ वर्षों के बाद लोग लगाए गए पेड़ों को हटा देते हैं और उस जगह का उपयोग पार्किंग एव अन्य उद्देश्यों के लिए करते हैं जो वास्तव में अवैध है।सरकार हर जगह ध्यान नहीं दे सकती तो ऐसे कानूनों का पालन करना हमारी नैतिक जिम्मेदारी है।वृक्षारोपण प्रकृति प्रदत्त एक व्यवस्था है लेकिन आज हम सभी पेड़ों को अंधाधुंध काट रहे हैं जो घोर पाप है।पेड़ों को काटकर हमने पशु-पक्षि एव अन्य कई जीव-जंतुओं का आश्रय छीन लिया है।पक्षी पर्यावरण का निर्माण करनेवाले कारकों में से एक हैं, लेकिन चूंकि हम सभी भौगोलिक क्षेत्र का विस्तार करने के लिए प्रकृति के खिलाफ काम करते हैं,जो ग्लोबल वार्मिंग के लिए जिम्मेदार है।आज अमेरिका या यूरोप जैसे देशों में तापमान ४० डिग्री तक पहुंच जाता है, जबकि मिडल ईस्ट और भारत में तापमान ४५ से ५० डिग्री तक पहुंच जाता है।हमारे देश में हिमालय और बफीर्ले पहाड़ पिघल रहे हैं और जहां १५ से २० इंच बारिश होती है,वहां आज ४० इंच बारिश हो रही है।आज पूरे विश्व में प्रकृति के विरुद्ध किये गये कार्यों का परिणाम मानवसृष्टि भुगत रही है।तेजी से शहरीकरण और जनसंख्या वृद्धि के कारण वृक्षारोपण के लिए उपलब्ध भूमि की कमी हो गई है, जिससे वृक्षारोपण के लिए उपयुक्त स्थान ढूंढना एक चुनौती बन गया है।

श्री मगनभाई पटेलने वृक्षारोपण के महत्व और इसकी उपयोगिता के बारे में आगे बताया कि वृक्षारोपण बिगडी हुई इको सिस्टम को पुनःस्थापित करने में मदद करता है और जैव विविधता का संरक्षण करता है एव विभिन्न वन्यजीवों के साथ-साथ पृथ्वी के अन्य जीवों के लिए आवास भी प्रदान करता है।वृक्षारोपण मिट्टी के कटाव को रोकने, नमी बनाए रखने और पेड़ों की जड़ों के पोषक तत्व को बढ़ावा देकर मिट्टी की उर्वरता में सुधार करने में मदद करता है।इससे कृषि योग्य मिट्टी स्वस्थ होती है और फसल उत्पादकता भी बढ़ती है।पेड़ कार्बन डाइऑक्साइड को अवशोषित करते हैं,ऑक्सीजन छोड़ते हैं और प्राकृतिक वायु शोधक के रूप में कार्य करते हैं, जिससे जलवायु परिवर्तन से निपटने और घनी आबादीवाले क्षेत्रों में वायु की गुणवत्ता में सुधार करने में मदद मिलती है।ग्लोबल वार्मिंग की बढ़ती दर के कारण वनों की कटाई एक बड़ी समस्या बन गई है। पेड़ तापमान को नियंत्रित करने और मौसम की स्थिति को वर्षा के लिए अनुकूल बनाने में बहुत महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।वे लकड़ी, भोजन, ईंधन, कागज आदि भी प्रदान करते हैं, जो हमारे दैनिक जीवन का एक महत्वपूर्ण हिस्सा हैं।पेड़ अपने भीतर पांच सौ प्रजातियों को बसाने की क्षमता रखते हैं।कम उम्र में वे पक्षियों, कीड़ों और कवक के समुदायों के लिए आवास और भोजन प्रदान करते हैं। पेड़ अक्सर पृथ्वी की सतह पर लंगर के रूप में कार्य करते हैं। बरगद के पेड़ जैसी प्रजातियों की जड़ें व्यापक होती हैं जो मिट्टी को पकड़कर रखती हैं और सतह को स्थिर करने में मदद करती हैं। इससे भूस्खलन, चट्टानों के खिसकने और हिमस्खलन के प्रभाव को कम करने में मदद मिलती है।बाढ़ के दौरान पेड़ पानी को सोख लेते हैं और उससे होने वाले नुकसान को कम करते हैं। इससे भी महत्वपूर्ण बात यह है कि कुछ धीमी गति से बढ़ने वाले पेड़ों में तूफान-प्रतिरोधी क्षमताएं होती हैं और ये प्राकृतिक आपदाओं से राहत प्रदान करने में मदद करते हैं। मनुष्य के आर्थिक विकास में पादप जीवन का सबसे पहला योगदान रहा है। आज पेड़ साज-सज्जा, चिकित्सा, सौंदर्य प्रसाधन, रबर, ईंधन और कई अन्य क्षेत्रों में कच्चे माल का एक महत्वपूर्ण स्रोत हैं। अच्छी तरह से देखभाल और अधिक पेड़ लगाने से जलवायु में गर्मी का संतुलन बनाए रखने में मदद मिलती है जिससे आपके स्थान पर शीतलन लागत कम हो सकती है और पेड़ उगाने वाली सीएसआर गतिविधियाँ निगमों को बेहतर कार्यबल बनाने और उत्पादकता बढ़ाने में मदद कर सकती हैं। पेड़ों की संभाल आसान नहीं है। देश के लोगों को पेड़ों को पालने और संरक्षित करने दोनों की जिम्मेदारी लेनी होगी।सरकारी सहायता प्राप्त सहकारी समितियाँ,सहकारी बैंक,बहुराष्ट्रीय कंपनिया आदि से प्रायोजन प्राप्त करके वृक्षों केउछेर और उनके संवर्धन का काम किया जाना चाहिए।

कांवड़ यात्रा के दौरान ऊख में लगी आग,. कावडि ने वाहन से कूदकर बचाई जान

प्रात: किरण संवाददाता

गजरौला। राष्ट्रीय राजमार्ग पर भीड़भाड़ के दौरान एक वाहन में लदे डीजे में अचानक आग भड़क गई। घटना से हलचल मच गई। वाहन में सवार कांवड़ियों ने कूद कर अपनी जान बचाई। इस दौरान मौके पर पहुंची दमकल विभाग की टीम ने काफी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। हालांकि साथ में कोई हताहत नहीं हुई है। गुरुवार की रात तीर्थ नगरी ब्रजघाट में महाशिवरात्रि पर जल भरने के लिए भारी संख्या में कांवड़ियों की भीड़ उमड़ी। इस दौरान शिवभक्तों के जत्थे बड़े-बड़े डीजे के साथ आ-जा रहे थे। इस क्रम में करीब डेढ़ बजे मुरादाबाद के कटघर क्षेत्र के कुछ शिवभक्त भी एक कैंटर में डीजे लादकर लाए थे। जब वह गंगा पुल पार कर गढ़मुक्तेश्वर की दिशा में पहुंचे तो अचानक से आग भड़क गई। कुछ ही देर में आग ने बड़ा रूप धारण कर लिया। हलचल मच गई। इस दौरान वाहन में सवार शिवभक्तों ने कूदकर अपनी जान बचाई है। पुलिस कर्मी व दमकल विभाग के कर्मियों ने आग पर काबू पाया। डीजे में आग लगाते हुए का वीडियो भी इंटरनेट मीडिया पर प्रसारित हुआ है। ब्रजघाट पुलिस चौकी प्रभारी नीतेंद्र वशिष्ठ ने बताया कि घटना गढ़मुक्तेश्वर क्षेत्र में हुई है। हालांकि कोई हताहत नहीं हुई है।

बाइकों की भिड़ंत में दो कांवड़ियों की मौत, आमने-सामने की हुई टक्कर

गजरौला। हाईवे की सर्विस रोड पर बाइकों की भिड़ंत में बृहस्पतिवार की रात एक बजे मुरादाबाद के बंगला गांव निवासी पंकज (30) और बिलारी के पालनपुर गांव के सोनू राघव (27) की मौत हो गई। पंकज बाइक पर सवार होकर ब्रजघाट कांवड़ लेने जा रहे थे, जबकि सोनू राघव कांवड़ लेकर लौट रहे थे। दोनों की बाइकें आमने-सामने से टकरा गईं थीं। दोनों को मुरादाबाद के टीएमयू में रेफर किया गया था। जहां उपचार के दौरान मौत हो गई। उनकी मौत से परिवार में कोहराम मचा है। पुलिस द्वारा पोस्टमार्टम कराया जा रहा है। सीओ श्वेताभ भास्कर ने बताया कि मुरादाबाद के नागफनी थाना क्षेत्र के बंगला गांव निवासी पंकज बाइक से ब्रजघाट कांवड़ लेने जा रहे थे। मुरादाबाद के ही बिलारी थाना क्षेत्र के गांव पालनपुर निवासी सोनू राघव कांवड़ लेकर लौट रहे थे। वह भी बाइक पर सवार थे। दोनों चौपला चौकी क्षेत्र में दिल्ली से मुरादाबाद जाने वाले वाहनों की सर्विस लेन पर पहुंचे थे। तभी बसंत होटल के पास उनकी बाइकों की आमने-सामने की भिड़ंत हो गई।जिसमें दोनों गंभीर रूप से घायल हो गए। बाइक भी बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गईं। हादसे की सूचना मिलते ही चौपला चौकी पुलिसकर्मी मौके पर गए। घायलों को तुरंत निकट के निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया।

उत्तर रेलवे

आज़ादी का अमृत महोत्सव

ई–निविदा सूचना

वरिष्ठ मंडल वि. अभि./क.वि., डी.आर.एम. ऑफिस, स्टेट एंट्री रोड, नई दिल्ली भारत के राष्ट्रपति की ओर से निम्न कार्य हेतु खुली निविदायें आमंत्रित करते हैं।

कार्य का नाम व स्थान	दिल्ली डिवीजन में मौजूदा टीएसएस और स्विचिंग पोस्ट में अर्थिंग व्यवस्था का प्रावधान।		
अनुमानित लागत	₹1,18,15,578.50	बयाना राशि	₹2,09,100/-
ई–निविदा ऑनलाइन जमा करने की अवधि	14.08.2024 (10:30 बजे) से 28.08.2024 (15:00 बजे तक)		
ई–निविदा समापन की अंतिम तथा ई–निविदा खुलने की तारीख और समय	28.08.2024 (15:00 बजे)		
वेबसाइट विवरण जहां निविदा दस्तावेजों का पूरा विवरण देखा जा सकता है	www.ireps.gov.in		

निविदा सं.: 17B-क.वि.–नई दिल्ली–2024–25 दिनांक: 01.08.2024 2365/2024

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

कार्यालय नगर पंचायत पुरदिलनगर, जनपद हाथरस

पत्रांक 850/विज्ञापन मैनु0स्के0/न0प0पु0नगर दिनांक:–02.08.2024–25

सार्वजनिक सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि निदेशक स्थानीय निकाय निदेशालय, गोमती नगर विस्तार–7, उ.प्र. कार्यालय पत्र संख्या 4/319/ स्व. शौ/2022–23, लखनऊ दिनांक 06.05.2024 के क्रम में मा. उच्चतम न्यायालय में दाखिल रिट याचिका संख्या–324 आफ 2020 डा. बलराम सिंह बनाम् यूनियन ऑफ इण्डिया में पारित आदेश दिनांक 20.10.2023 के अनुपालन में प्रदेश के नगरीय क्षेत्र में मैनुवल स्कैवेंजरों एवं अस्वच्छ शौचालयों का सर्वेक्षण नगर पंचायत पुरदिलनगर सीमान्तर्गत स्थित समस्त 13 वार्डों में किया जा रहा है। अतः कोई भी सर्वसाधारण दिनांक 09.08.2024 तक कार्यालय नगर पंचायत पुरदिलनगर में उपस्थित होकर या श्री विनय कुमार राघव, लिपिक, मो० 8941038116 से सम्पर्क कर अस्वच्छ शौचालय तथा मैनुवल स्कैवेंजरों की सूचना दे सकता है। जिससे इनका नियमानुसार सर्वेक्षण/ चिन्हीकरण का कार्य पूर्ण किया जा सके।

(संदीप सारस्वत)
अधिशासी अधिकारी
नगर पंचायत पुरदिलनगर जनपद हाथरस

कार्यालय नगर पंचायत कौड़ियागंज(अलीगढ़)

पत्रांकः 576/न0पं0 कौड़ियागंज/2024–25 दिनांकः 31 जुलाई 2024

सार्वजनिक सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मा० उच्चतम न्यायालय में दाखिल रिट याचिका संख्या–324 ऑफ 2020 डा० बलराम सिंह बनाम यूनियन ऑफ इण्डिया में पारित आदेश दिनांक 20.10.2023 के अनुपालन में नगर पंचायत कौड़ियागंज जनपद अलीगढ़ की सीमान्तर्गत समस्त वार्डों में हाथ से मैला उठाने वाले कर्मियों का प्रतिषेध और उनका पुनर्वास अधिनियिम–2013 (एम०एस०एक्ट० 2013) के अन्तर्गत मैनुअल स्कैवेंजरो एवं अस्वच्छ शौचालयों का सर्वेक्षण/ चिन्हीकरण कराया गया है। जिसमें कोई भी अस्वच्छ शौचालय नहीं पाया गया है और ना ही कोई मैनुअल स्कैवेंजर पाया गया है। यदि कोई अस्वच्छ शौचालय तथा उसमें कार्यरत मैनुअल स्कैवेंजर निकाय सीमान्तर्गत है अथवा किसी व्यक्ति के संज्ञान में है तो वह इसकी सूचना नगर पंचायत कार्यालय पर उपस्थित होकर दिनाँक 02.08.2024 तक नियमानुसार पंजीकरण करा सकते है।

(प्रमोद कुमार बैस)
अधिशासी अधिकारी
नगर पंचायत जट्टारी
जनपद अलीगढ़

(कल्पना सिंह)
अध्यक्ष
नगर पंचायत
कौड़ियागंज अलीगढ़

PUBLIC NOTICE

It is to informed to the public at large that one Manju Garg w/o Sh. Radhey Shyam (ADHAR-5670 6586 0277) R/o F-28, DLF Sector-10, Faridabad Sector-7, Faridabad, HR, who is the owner of property i.e. House No.28, in Block-F, admeasuring 500 sq. yds. situated at Sector-10, DLF Model Town, Faridabad, Tehsil Ballabhgarh, Distt. Faridabad, Haryana.; hereinafter referred to as "said property", having acquired the same by virtue of 2 deeds i.e. Sale Deed dated 15.12.2011 executed by M/s. D.P Realtech Pvt. Ltd. in favour of Radhey Shyam and Manju Garg (document no.14916) AND Relinquishment Deed dated 04.07.2023 executed by Praveen Garg, Nidhi Aggarwal and Shivani Garg in favour of Mrs. Manju Garg (document no.2901, SRO Ballabhgarh). It is hereby declared that previous owner of said Property Sh. Radhey Shyam expired leaving behind his following 4 LRs namely Mrs. Manju Garg (wife), Mr. Praveen Garg (Son), Mrs. Nidhi Aggarwal and Mrs. Shivani Garg (daughters) and there was no other LR of deceased's (Sh. Radhey Shyam) except as mentioned above. The said Property has been mortgaged by the owner with HDFC Bank Limited (our client). It is hereby declared that title of the said Property, is absolutely valid, clear and marketable and there is no dispute / Litigation pending in any court of law, in respect of said Property. Whosoever, is having any objection to said mortgage OR any Person having any type of claim/right/ title/interest over the said property may inform in writing, at the address mentioned below, about his objections, within 10 days from today, failing which it shall be presumed that the said property is free from all type of Encumbrances, lien etc.

VIPUL KR. RAHEJA
(D/103IA/2000) Advocate
Chamber no. 55, Civil Side,
Tis Hazari Courts, Delhi
Mob-9873150663"

PUBLIC NOTICE

"This is to inform the public at large that, M/s Sumitra Garments through its Prop. Sumitra Singh c/o Sh. Niranjan Singh (Adhar-9057 2679 7945) R/o Plot no. 27A, Kh. no. 54/21/2/2, First Floor, Gopal Nagar, G Block, Najafgarh, South West Delhi, Delhi who is the owner of the property i.e. Industrial Built up Property Bearing No. 320, area measuring 114 Sq. Mtrs. in Block-D, situated at Sector-10 Noida, Distt. Gautam Budh Nagar UP, (herein after referred to as "said property", having purchased the same by virtue of Transfer Deed dated 24.05.2006 executed by Mr. Niranjan Singh (as attorney of Mrs. Savita Ahuja prop. M/s. Multitech Forms) (Document No. 4761/4762, Sub-Registrar-I, Noida). Against said Property HDFC Bank Ltd (our client) is giving a housing loan to M/s Standard Sweets and Confectioners (Partnership firm) having PAN-AAVFS5522L, who would purchase the said Property from present owner i.e. Sumitra Singh. Some Property Paper regarding this property i.e. 1) Original Lease Deed dated 26.09.1983 executed by NOIDA in f/o Mr. Rajendra Kumar (Document No. 3042 on dt. 12-10-1983) AND 2) Original Transfer Deed dated 29.03.1990 executed by Mr. Rajendra Kumar in f/o Savita Ahuja (Document No. 1729 / 1730 on dt. 13-06-1990), have been lost by the owner and are not traceable. If anybody found the same, Plz return at the address mentioned below. Further, it is hereby declared that title of the said Property, is absolutely valid, clear and marketable and there is no dispute / Litigation pending in any court of law, in respect of said Property. Whosoever, is having any objection to said mortgage OR any Person having any type of claim/right/ title/interest over the said property may inform in writing, at the address mentioned below, about his objections, within 07 days from today, failing which it shall be presumed that the said property is free from all type of Encumbrances, lien etc.

VIPUL KR. RAHEJA
(D/103IA/2000) Advocate
Chamber no. 55, Civil Side,
Tis Hazari Courts, Delhi
Mob-9873150663"

डीडीए सदस्य दिलीप पांडे की एलजी को चिट्ठी, जिम्मेदारों पर कार्रवाई करें और पीड़ित परिवार को मुआवजा दें

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

दिल्ली के मयूर विहार फेस तीन में डीडीए के खुले नाले में गिर कर हुई मां-बेटे की दुखद मौत को लेकर आम आदमी पार्टी के विधायक एवं डीडीए के सदस्य दिलीप पांडे ने एलजी को पत्र लिखा है। इस पत्र में उन्होंने घटना के लिए जिम्मेदार अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई करने और पीड़ित परिवार को मुआवजा दिलाने की मांग की है। उन्होंने कहा कि इस घटना को दो दिन होने वाले हैं, लेकिन अभी तक किसी जिम्मेदार अधिकारी के खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं हुई है। हमने एलजी साहब के सामने जनता के हितों को उठाया और उन्होंने हमारी बात सुनी है। इस मामले में भी हमें भरोसा है कि वो सख्त कार्रवाई करके कड़ा संदेश देंगे ताकि भविष्य में दोबारा ऐसी घटना न हो। आम आदमी पार्टी के वरिष्ठ नेता और विधायक दिलीप पांडे ने शुक्रवार को पार्टी मुख्यालय में प्रेस वार्ता कर कहा कि 31 जुलाई की रात को दिल्ली के कोंडली विधानसभा में हुए दुखद हादसे में दो निर्दोष जानें चली गईं। हम बार-बार कहते आ रहे हैं कि भाजपा दिल्लीवालों से नफरत करती है। उसकी नजर में दिल्लीवालों की जान की कोई कीमत नहीं है। दिल्ली के बॉर्डर इलाके में जिस नाले का पुनर्निर्माण का कार्य चल रहा था, वहां डीडीए के अधिकारियों की लापरवाही की वजह से एक महिला और उसके ढाई साल के बच्चे की जान चली गई। उस मासूम बच्चे को अभी दुनिया में बहुत कुछ देखना था, अपने परिवार के सपने पूरे करने थे। लेकिन इससे पहले कि वो बच्चा बड़ा होकर अपने पैरों पर खड़ा हो पाता, डीडीए के नाले ने उसकी जान ले ली। यह घटना बहुत आहत करने वाली है। दिलीप पांडे ने कहा कि दुर्भाग्य से मैं भी उस डीडीए में कम हैसियत रखने वाला मामूली सा सदस्य हूं। लेकिन दिल्ली का एक नागरिक और डीडीए का सदस्य होने के नाते मैंने डीडीए के अध्यक्ष एलजी साहब को एक पत्र लिखा है। एलजी साहब ही डीडीए चलाते हैं। ऐसे कई मौके आए जब हमने जनता के हक के लिए एलजी साहब के सामने बात रखी और उन्होंने इसे सुना। यह चिट्ठी भी उन तक जरूर पहुंचेगी। मुझे उम्मीद है कि इस घटना के लिए जो भी लापरवाह अधिकारी शामिल हैं, एलजी साहब हक और इंसाफ की आवाज बनते हुए उन अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई करते हुए एक कड़ा संदेश देंगे, ताकि आगे डीडीए की ऐसी लापरवाही से कभी भी किसी और बेगुनाह को अपनी जान न गंवानी पड़े। दिलीप पांडे ने एलजी को चिट्ठी लिखने की वजह बताते हुए कहा कि इस घटना को बीते अब 36 घंटे से ज्यादा हो गए हैं, लेकिन मेरी जानकारी में अभी तक किसी के खिलाफ सख्त कार्रवाई नहीं की गई है। अगले हफ्ते डीडीए की बोर्ड मीटिंग है। हमें उम्मीद है कि इस बैठक में एलजी साहब न सिर्फ दोषियों के खिलाफ कार्रवाई करेंगे, बल्कि पीड़ित परिवार को मुआवजा भी दिलवाएंगे ताकि इस घटना के बाद अपनी आगे की जिंदगी बिताने के लिए उनकी थोड़ी आर्थिक मदद हो सके। इन सारी बातों को मैंने इस पत्र में लिख दिया है। आज यह उन तक पहुंच जाएगा।

देश दुनिया की ताजा तरीन खबरें पढ़ने के लिए लॉग ऑन करें

@Pratahkiran
www.pratahkiran.com

मां-बेटे की मौत पर एलजी मौन, शनिवार को राजनिवास पर आप का हल्ला बोल

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

मयूर विहार फेस-3 में डीडीए के खुले नाले में गिरने से हुई मां-बेटे की दुखद मौत पर भाजपा, एलजी और प्रधानमंत्री की चुप्पी को लेकर आम आदमी पार्टी ने सवाल खड़ा किया है। आप ने एलजी को अपनी जिम्मेदारियों का एहसास दिलाने के लिए शनिवार को राजनिवास पर विशाल विरोध प्रदर्शन करने का फैसला लिया है। आप के दिल्ली प्रदेश संयोजक गोपाल राय ने यह जानकारी देते हुए कहा कि डीडीए की लापरवाही से मां-बेटे की मौत हुई है, लेकिन राजेंद्र नगर की दुखद घटना पर राजनीति करने वाली भाजपा और एलजी इस मामले पर चुप हैं। एलजी साहब ने घटना के जिम्मेदार अधिकारियों पर कार्रवाई नहीं की है और न तो पीड़ित परिवार को मुआवजे की घोषणा की है। वहीं, भाजपा अरविंद केजरीवाल को बदनाम करने के चक्कर में इतने नीचे गिर चुकी है कि उसके कुछ नेता मयूर विहार की घटना की वीडियो बनाकर चिल्लाने लगे कि ये दिल्ली सरकार के पीडब्ल्यूडी का नाला है। लेकिन जब उनको पता चला कि नाला तो डीडीए का है, उन्हें सांफ सुंघ गया।

आम आदमी पार्टी के दिल्ली प्रदेश संयोजक गोपाल राय और कोंडली से विधायक कुलदीप कुमार ने शुक्रवार को पार्टी मुख्यालय में संयुक्त प्रेस वार्ता की। इस दौरान गोपाल राय ने कहा कि दिल्ली की जनता ने प्रचंड बहुमत देकर आम आदमी पार्टी की सरकार बनाई। जब से दिल्ली में हमारी पार्टी की सरकार बनी है, तब से केंद्र की भाजपा सरकार ने दिल्ली सरकार को कमजोर करने का अभियान चला रखा है। दिल्ली देश की राजधानी है, इसलिए राज्य और केंद्र सरकार का कार्यक्षेत्र पहले से ही बंटा हुआ है। यहां डीडीए, पुलिस, और जमीन केंद्र सरकार के तहत आते हैं। लेकिन भाजपा ने दिल्ली की चुनी हुई सरकार के पास जो अधिकारियों की ट्रांसफर-पोस्टिंग और तमाम कार्यों को संचालित करने व निर्णय लेने का अधिकार था, उसे भी सुप्रीम कोर्ट की पांच जजों की बेंच के फैसले के खिलाफ जाकर पलट दिया। उन्होंने संसद में कानून पास करके दिल्ली सरकार के अधिकारों को भी छीन लिया। भाजपा ने लगातार अरविंद केजरीवाल द्वारा शिक्षा, स्वास्थ्य, बिजली, पानी, महिलाओं की यात्रा और बुजुर्गों की तीर्थ यात्रा के लिए किए गए कार्यों को नुकसान पहुंचाने की कोशिश की।

गोपाल राय ने कहा कि इस नए कानून के माध्यम से भाजपा ने एलजी की आड़ में केजरीवाल सरकार को निष्क्रिय करने की साजिश रची। लेकिन इनके सारे षड़यंत्रों के बावजूद दिल्ली सरकार का काम चलता रहा। इसके बाद इन्होंने पहले दिल्ली के स्वास्थ्य मंत्री और शिक्षा मंत्री को गिरफ्तार कर लिया, और फिर बिना किसी सबूत के फर्जी केस बनाकर सीएम को गिरफ्तार कर लिया। केजरीवाल को ईडी कोर्ट और बाद में सुप्रीम कोर्ट से जमानत मिलने के बाद भी सीबीआई का इस्तेमाल करके उन्हें जेल में डाल दिया। इन सबके बावजूद दिल्ली सरकार अपना काम कर रही है और दिल्ली के लोगों के प्रति अपनी जिम्मेदारी निभा रही है। लेकिन भाजपा सारे अधिकार छीनने के बावजूद दिल्ली सरकार के लगातार हो रहे काम को देखकर आज भी परेशान है। तमाम साजिश करने और मुख्यमंत्री को गिरफ्तार करने के बाद भाजपा आज भी बेचैन है।

गोपाल राय ने कहा कि जिस तरह दिल्लीवालों ने लगातार तीन बार दिल्ली में अरविंद केजरीवाल की सरकार चुनी, उसी तरह उन्होंने तीन बार भाजपा को वोट देकर केंद्र में उनकी सरकार बनाई। लेकिन भाजपाई आज शवों पर राजनीति करने से भी बाज नहीं आ रहे हैं। बीते दिन राजेंद्र नगर की एक दुखद घटना में तीन छात्रों की मौत हो गई। घटना के बाद से लगातार दिल्ली सरकार और एमसीडी सख्त एक्शन ले रहे हैं, कई कोचिंग सेंटर्स को सील किया गया, और कई अधिकारी निलंबित हुए। साथ ही दिल्ली सरकार और एमसीडी की ओर से बच्चों को 10-10 लाख रुपए मुआवजा देने की प्रक्रिया चल रही है। कोचिंग सेंटर्स को नियमित करने की प्रक्रिया चल रही है। जीरो पावर के बाद भी आम आदमी पार्टी की सरकार अपनी जिम्मेदारी को समझते हुए जो भी संभव है, वह छात्रों के लिए कर रही है। हम छात्रों से बात कर रहे हैं।

गोपाल राय ने आगे कहा कि दूसरी तरफ भाजपा इस हादसे पर भी गंदी राजनीति करने के लिए मैदान में आ गई। लेकिन यह बेहद दुर्भाग्यपूर्ण है कि जब मयूर विहार फेज 3 और यूपी के खोड़ा कॉलोनी के बीच डीडीए के खुले नाले में गिरने से एक मां-बेटे की मौत हो गई, तो केंद्र की भाजपा सरकार, दिल्ली में उसके सातों सांसद और उसके एलजी इस पर चुप हैं। केंद्र सरकार को यह नहीं लगा कि उसे डीडीए की लापरवाही के खिलाफ कार्रवाई करनी चाहिए। अब भाजपा के सारे नेता गायब हैं, मानों वो प्रदर्शन करना ही भूल गए हों। एलजी साहब के दफ्तर से सूत्रों के हवाले खबरें आना बंद हो गई।

गोपाल राय ने बताया कि इस घटना के बाद भाजपा के नेता और बड़े प्रवक्ता मौके पर वीडियो बनाने पहुंचे थे, जिसमें वो चिल्ला-चिल्ला कर बता रहे थे कि ये दिल्ली सरकार के पीडब्ल्यूडी का नाला है। लेकिन बाद में उन्हें पता चला कि ये डीडीए का नाला है। इसके बाद उन्हें सांप सुंघ गया। अब इसपर कोई बोलने को तैयार नहीं है। अरविंद केजरीवाल को बदनाम करने के चक्कर में भाजपा और कितना नीचे गिरेगी? पहले ये केजरीवाल को बदनाम करने के लिए नाले का वीडियो बनाने चले गए, लेकिन जब बाद में पता चला कि वह तो दिल्ली सरकार का नहीं केंद्र सरकार के तहत आता है, तो इसपर बोलने के लिए भाजपा का एक भी नेता तैयार नहीं है। क्या उस मां-बच्चे की मौत, मौत नहीं है?

गोपाल राय ने आगे कहा कि हमारी जहां भी जिम्मेदारी है, हम वहां जनता के लिए पूरी ताकत से खड़े होकर लड़ रहे हैं। लेकिन एलजी को बताना चाहिए कि क्या डीडीए की इस लापरवाही के लिए उनकी कोई जिम्मेदारी नहीं है? जब भी कहीं पुलिस या डीडीए से जुड़ी घटना होती है, तो भाजपा और उसके एलजी चुप हो जाते हैं। जबकि जहां-जहां हमारी जिम्मेदारी है, हम उसे पूरा कर रहे हैं। भाजपा और एलजी को भी अपनी जिम्मेदारी पूरी करनी होगी। अगर डीडीए की लापरवाही से मां-बच्चे की मौत हुई है, तो इसके लिए जिम्मेदार लोगों के खिलाफ कार्रवाई करनी पड़ेगी। उनको मुआवजा देना पड़ेगा। भाजपा पीठ दिखाकर भाग नहीं सकती है। भाजपा के सांसदों को इस्तीफा दे देना चाहिए, या तो इसकी नैतिक जिम्मेदारी लेते हुए वो एलजी से मिलना चाहिए। इस घटना की जांच और दोषियों पर कार्रवाई होनी चाहिए।

गोपाल राय ने कहा कि भाजपा के सुबह से शाम तक केजरीवाल को गाली देने से दिल्लीवालों की समस्या का हल नहीं होगा। भाजपा चाहती है कि उसके पास सारी ताकत रहे, लोकिन उसे कोई काम न करना पड़े। 15 साल तक एमसीडी में रहने के बावजूद इन्होंने एक काम नहीं किया। तीन बार से लगातार भाजपा के सांसद जीत रहे हैं, लेकिन कोई काम नहीं करते हैं। और केंद्र में इनकी सरकार दिल्ली के लिए बजट नहीं देती। ये लोग काम में जीरो और पावर में हीरो बनना चाहते हैं। भाजपा को अपनी जिम्मेदारी भी निभानी पड़ेगी। इनके सांसदों से जब काम का हिसाब मांगा जाता है, तो भागने लगते हैं। जब भी भाजपा की जिम्मेदारी का सवाल आता है, तो भागने लगती है। लेकिन जैसे ही केजरीवाल की बात होती है, उसके पास सारी ताकत आ जाती है। फिर एक के बाद एक प्रदर्शन शुरू हो जाते हैं। फिर एलजी भी चिट्ठी लिखने लगते हैं, भाजपा के मंत्री, सांसद भी जाग जाते हैं। भाजपा की यह दोहरी रणनीति दिल्ली में नहीं चलेगी। जिस तरह से दिल्ली सरकार ने अपनी जिम्मेदारी निभाते हुए अपने काम को आगे बढ़ाया है, भाजपा के सांसदों, केंद्र सरकार और एलजी को भी जिम्मेदारी निभानी पड़ेगी। अगर ये ऐसा नहीं करते हैं, तो हम अपनी जिम्मेदारी निभाते हुए भाजपा को चुप्पी नहीं साधने देंगे।

बोल -बम, बम- बम के जयकारों से गूंज उठा मौनी बाबा मंदिर

नई दिल्ली : भास्कर ब्यूरो

श्री शिव मंदिर मौनी बाबा मंदिर निर्माण एवं विकास समिति पंजीकृत के सौजन्य से मौनी बाबा मंदिर प्रांगण में भव्य काँवर शिविर का आयोजन संरक्षक गोपी चंद राठी प्रधान अशोक शास्त्री मिट्ठन लाल सिंघल सुदेश गर्ग,सतीश राघव, नवीन तिवारी, सुनील राठी, रामकुमार, जीतराम शर्मा, दिलीप भदोरिया, समिति के अन्य लोगों के मार्गदर्शन में किया गया भोजन प्रसाद व्यवस्था में पार्वती रसोई व अन्य सभी प्रकार की सुविधाओं एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम के साथ मौनी बाबा मंदिर समिति के प्रधान ने कहा पहले भी प्रत्येक त्योहारो पर मंदिर प्रांगण में उत्सव बड़ी धूमधाम से मनाएं गए संस्था के प्रधान श्रीमान अशोक शर्मा (शास्त्री जी) ने कहा कि इसी प्रकार हर त्योहार पर इसी तरह सभी उत्सव बड़ी धूमधाम से मनाए जाएंगे

रोडरेज की घटना में महिला की गोली मारकर हत्या करने वाला आरोपी गिरफ्तार

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

दिल्ली के गोकलपुरी इलाके में सड़क पर हुए मामूली झगड़े में एक महिला की गोली मारकर हत्या करने वाले 28 वर्षीय आरोपी को शुक्रवार तड़के गिरफ्तार कर लिया गया। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि आरोपी और पुलिस के बीच मुठभेड़ हुई जिसके बाद उसे गिरफ्तार किया गया।

उन्होंने बताया कि उत्तर प्रदेश के साहिबाबाद निवासी माजिब चौधरी को मुठभेड़ के दौरान पुलिस द्वारा की गई जवाबी गोलीबारी में दोनों पैरों में गोली लगी है। उत्तर-पूर्वी दिल्ली के पुलिस उपायुक्त जॉय तिर्की ने बताया कि घटनास्थल पर लगे सीसीटीवी कैमरे की फुटेज की जांच करने के बाद आरोपी की पहचान की गई थी जिसके बाद एक टीम को उसका पता लगाने का काम सौंपा गया। उन्होंने बताया, हमारी टीम को शुक्रवार तड़के 3:45 बजे सूचना मिली कि आरोपी गोकलपुरी के नाला रोड इलाके में है।

तिर्की ने बताया कि चौधरी को पुलिस के साथ हुई मुठभेड़ के बाद गिरफ्तार कर लिया गया। उन्होंने बताया कि आरोपी के पास से एक पिस्तौल, तीन गोलियां और एक चोरी की मोटरसाइकिल बरामद हुई है। तिर्की ने कहा, हमें सूचना मिली थी कि चौधरी अपने एक सहयोगी से मिलने के लिए गोकलपुरी में आएगा। पुलिस ने नाला रोड इलाके के पास जाल बिछाया और करीब 3:45 बजे वह मोटरसाइकिल से वहां पहुंचा।

उन्होंने कहा, उसे रुकने का इशारा किया गया लेकिन उसने वहां रुकने के बजाय पुलिस पर गोलियां चला दीं। चौधरी ने तीन राउंड गोलियां चलाईं, जिसके बाद पुलिस ने जवाबी कार्रवाई की और उसके दोनों पैरों में गोली लग गई। इसके बाद उसे गिरफ्तार कर लिया गया। पुलिस ने बताया कि चौधरी पर हत्या समेत तीन आपराधिक मामले दर्ज हैं। गोकुलपुरी इलाके में 31 जुलाई, बुधवार को दो दोपहिया वाहनों के आपस में मामूली रूप से टकराने के बाद हुए मामूली झगड़े में आरोपी चौधरी ने 30 वर्षीय सिमरनजीत कौर की गोली मारकर हत्या कर दी थी। गोकुलपुरी फ्लाईओवर पर करीब सवा तीन बजे उस दौरान यह घटना हुई जब महिला सिमरनजीत कौर अपने पति हीरा सिंह और (12 एवं चार साल के) दो बेटों के साथ जा रही थी।

पूर्वी दिल्ली में नाले में गिरने से मां बेटे की मौत: अदालत पांच अगस्त को करेगी याचिका पर सुनवाई

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

दिल्ली उच्च न्यायालय ने शुक्रवार को कहा कि वह एक महिला और उसके तीन साल के बेटे की मौत के मामले में कथित लापरवाही के लिए दिल्ली विकास प्राधिकरण (डीडीए) के ठेकेदार और अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई का अनुरोध करने वाली याचिका पर पांच अगस्त को सुनवाई करेगा। यहां जलभराव के कारण 31 जुलाई को नाले में गिरने से इन दोनों की मौत हो गई थी। कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश मनमोहन और न्यायमूर्ति तुषार राव गेडेला की पीठ के समक्ष याचिका को तत्काल सुनवाई के लिए पेश गया, जिसने इसे दिन के दौरान सूचीबद्ध करने के अनुरोध को अस्वीकार कर दिया और कहा कि इस पर सोमवार को सुनवाई होगी। तनुजा (22) और उसका बेटा प्रियांश 31 जुलाई को पूर्वी दिल्ली के गाजीपुर इलाके में एक साप्ताहिक बाजार गए थे और उसी दौरान नाले में गिर गए थे।

घटना रात करीब आठ बजे खोड़ा कॉलोनी इलाके के पास हुई, जहां सड़क किनारे नाले का निर्माण कार्य चल रहा था। पुलिस ने बताया कि जब दोनों को पानी से बाहर निकाला गया तो महिला का बेटा तब भी उसकी बांहों में था। एक पुलिस अधिकारी ने बताया कि उन्हें लाल बहादुर शास्त्री अस्पताल ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। याचिका में डीडीए, दिल्ली के उपराज्यपाल, दिल्ली पुलिस और केंद्रीय आवास एवं शहरी मामलों के मंत्रालय को पक्षकार बनाया गया है। मयूर विहार फेज तीन के निवासी झुन्नू लाल श्रीवास्तव द्वारा दायर याचिका में ठेकेदार और डीडीए के अधिकारियों की जवाबदेही तय करने का निर्देश देने की अपील की गई है। याचिका में दोनों पीड़ितों के परिवार के लिए मुआवजे की भी मांग की गई है। याचिका में कहा गया है, वर्षा के कारण दिल्ली में बाढ़ जैसी स्थिति से निपटने और उसे कम करने के लिए नीतियां बनाने और अपनाने के लिए प्रतिवादियों को निर्देश जारी करें और दिल्ली में सभी खुले नालों को तत्काल प्रभाव से ढकने का निर्देश दें और जनता को नालों से दूर रहने के लिए जागरूक करने वाले उचित संकेत लगाएं।

याचिका में अधिकारियों को दिल्ली में जारी सभी नाला निर्माण परियोजनाओं का व्यापक ऑडिट करने, बैरिकेड्स, चेतावनी संकेत और पर्याप्त प्रकाश व्यवस्था सहित उचित सुरक्षा उपाय सुनिश्चित करने का निर्देश देने की भी अपील की गई है। याचिका में पुलिस को प्राथमिकी दर्ज करने और उस घटना की जांच शुरू करने का निर्देश देने की अपील की गई है जिसके कारण महिला और उसके बेटे की मौत हुई।

हादसे में मारे गए यूपीएससी उम्मीदवारों के नाम पर चार पुस्तकालय स्थापित करने का प्रस्ताव

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

दिल्ली की महापौर शैली ओबेरॉय ने प्रस्ताव दिया है कि पिछले महीने एक हादसे में मारे गए सिविल सेवा अभ्यर्थियों के नाम पर यहां चार पुस्तकालय स्थापित किए जाएं। एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। दिल्ली के राजेंद्र नगर इलाके में 27 जुलाई को एक कोचिंग सेंटर के बेसमेंट में पानी भरने से सिविल सेवा की तैयारी कर रहे तीन विद्यार्थी डूब गए थे जबकि एक सप्ताह पहले मुखर्जी नगर में एक अन्य छात्र की करंट लगने से मौत हो गई थी। हालांकि, इस बात पर कोई स्पष्टता नहीं है कि इन पुस्तकालयों का नाम क्या होगा। ओबेरॉय द्वारा दिल्ली नगर निगम आयुक्त को लिखे गए पत्र में उल्लेख किया गया है कि इनका निर्माण दिल्ली में चार स्थानों -राजेंद्र नगर, मुखर्जी नगर, पटेल नगर और बेर सराय- में मृतक छात्रों के नाम पर एमसीडी द्वारा किया जा सकता है। ये क्षेत्र सिविल सेवा और अन्य प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए कोचिंग हब हैं और बड़ी संख्या में छात्र इन इलाकों में छात्रावासों और पीजी आवासों में रहते हैं। बृहस्पतिवार को एमसीडी कमिश्नर अश्विनी कुमार को लिखे पत्र में महापौर ने कहा कि राजेंद्र नगर में कुछ दिन पहले हुई दुर्भाग्यपूर्ण घटना के बाद, दिल्ली में प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे बहुत से छात्रों ने सार्वजनिक और सरकारी पुस्तकालयों की कमी का मुद्दा उठाया है। शैली ने यह कहते हुए एमसीडी पुस्तकालयों की स्थापना का प्रस्ताव रखा कि छात्रों ने पुस्तकालयों की मांग उठाई है क्योंकि बहुत से छात्र निजी पुस्तकालयों द्वारा लिए जाने वाले भारी सदस्यता शुल्क का भुगतान नहीं कर सकते। उन्होंने पत्र में कहा, उपर्युक्त के मद्देनजर, मैं प्रस्ताव करना चाहूंगी कि दिल्ली में चार स्थानों पर मृतक छात्रों के नाम पर एमसीडी द्वारा कम से कम चार पुस्तकालय स्थापित/निर्मित किए जाएं 1. राजेंद्र नगर 2. मुखर्जी नगर 3. पटेल नगर 4. बेर सराय।

महापौर ने कहा, इस कार्य के लिए बजट प्रावधान महापौर के विवेकाधीन लेखा मद से किया जा सकता है और आपसे अनुरोध है कि संबंधित विभाग को व्यवहार्यता की जांच करने और इस संबंध में क्षेत्रों में भूमि की पहचान करने और जल्द से जल्द आवश्यक कार्रवाई शुरू करने का निर्देश दें। अधिकारी ने कहा कि जो नुकसान हुआ है, उसे कोई भी पूरा नहीं कर सकता लेकिन हम छात्रों के लिए सार्वजनिक अध्ययन स्थलों को बेहतर बनाने की कोशिश कर रहे हैं।

सदर बाजार के व्यापारियों ने एमसीडी के खिलाफ किया चक्का जाम

एमसीडी भ्रष्टाचार का अड्डा - पम्मा व राकेश यादव

फेडरेशन ऑफ सदर बाजार ट्रेडर्स एसोसिएशन चेयरमैन परमजीत सिंह पम्मा व अध्यक्ष राकेश यादव की अध्यक्षता में सैकड़ो व्यापारियों ने कुतुब रोड तांगा स्टैंड सड़क के सामने फैला कूड़े के सामने चक्का जाम कर दिया। व्यापारी दिल्ली जल बोर्ड व एमसीडी है खिलाफ नारे लगाने लगे।

इस अवसर पर परमजीत सिंह पम्मा व राकेश यादव ने कहा बड़े दुख की बात है। टउऊव दिल्ली जल बोर्ड ने राजेंद्र नगर हादसे से भी कोई सबक नहीं लिया सदर बाजार में जरा सी बारिश होने से आए दिन दुकानों के अंदर पानी घुस जाता है जिससे शॉर्ट सर्किट की घटनाएं होती रहती हैं। साथ ही सड़कों पर जगह-जगह कूड़े के ढेर लगे रहते हैं। जिससे आवारा पशु सड़क पर आ जाते हैं और जाम लग जाता है। और पशु लोगो को घायल कर देते है ।उससे काफी दुर्घटनाएं भी हो जाती हैं और इससे अपराधी घटनाएं भी बढ़ती जा रही है।

परमजीत सिंह पम्मा व राकेश यादव ने कहा यहां पर शौचालय का तो यह हाल है छत गिरने से कभी भी बड़ा हादसा हो सकता है फेडरेशन लगातार अधिकारियों को इस बारे में अवगत कराता रहता है मगर कोई भी अधिकारी इस और ध्यान नहीं दे रहा और यहां पर अधिकारियों की मिली भगत से अवैध हजारों पटरिया रोज की लग जाती है। अगर इन समस्याओं का संविधान नहीं हुआ तो व्यापारी मजबूर होकर अपनी दुकान बंद करके सड़कों पर उतरेंगे। परमजीत सिंह पम्मा व राकेश यादव ने दिल्ली के उपराज्यपाल से निवेदन किया के वह दिल्ली की समस्या को हल करने में नाकाम साबित हो रही है। और एमसीडी में भ्रष्टाचार का बोलबाला है। इस अवसर पर फेडरेशन के उपाध्यक्ष दीपक मित्तल, महासचिव कमल कुमार, व्यापारी नेता हरजीत सिंह छाबड़ा, अभय सहित अनेक व्यापारियों ने एमसीडी के खिलाफ आवाज उठाई।

न्यूनतम तापमान 26.5 डिग्री सेल्सियस दर्ज, दिन में हल्की बारिश की संभावना

नई दिल्ली। राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में शुक्रवार को न्यूनतम तापमान 26.5 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो इस मौसम के सामान्य तापमान से एक डिग्री कम है। मौसम विभाग ने यह जानकारी दी। मौसम विभाग ने बताया कि दिल्ली में आज दिन के दौरान हल्की बारिश होने और गरज के साथ छींटे पड़ने की संभावना है। राजधानी के कई हिस्सों में बृहस्पतिवार रात हल्की बारिश हुई। प्राथमिक मौसम केंद्र सफदरजंग ने बताया कि दिल्ली में सुबह साढ़े आठ बजे तक पिछले 24 घंटों में 1.6 मिमी बारिश हुई। दिल्ली के पालम में 5.5 मिमी, आया नगर में 8 मिमी, लोधी रोड में 2.8 मिमी, रिज में 3.6 मिमी और एसपीएस मयूर विहार में 10 मिमी वर्षा हुई। भारत मौसम विज्ञान विभाग के अनुसार, राजधानी में दिन में बादल छाए रहेंगे, हल्की बारिश और गरज के साथ छींटे पड़ने की संभावना है। दिल्ली में सापेक्षिक आर्द्रता का स्तर 88 प्रतिशत दर्ज किया गया। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के अनुसार, दिल्ली में वायु गुणवत्ता सूचकांक 75 दर्ज किया गया, जो संतोषजनक श्रेणी में आता है।

जहरीला चारा खाने से चार पशुओं की मौत, एक गंभीर

अमरोहा। जहरीला हरा चारा खाने से चार पशुओं की मौत हो गई। एक पशु की हालत गंभीर बनी है। पीड़ित पशुपालक ने लाखों के नुकसान के बीच पशुपालन विभाग को जानकारी दी। जानकारी के मुताबिक कोतवाली क्षेत्र के गांव सतेड़ा निवासी रामकुमार पुत्र मवासी पशुपालन करते हैं। उनके चार पशुओं की गुरुवार शाम चारा खाने के बाद मौत हो गई, जबकि एक पशु की हालत नाजुक बनी है। बताया जा रहा है कि पशुओं को उन्होंने गुरुवार शाम अपने खेत से लाकर हरा चारा खिलाया था। इसके बाद से ही उनकी तबीयत बिगड़ने लगी। कुछ देर के भीतर एक के बाद एक चार भैंसों की मौत हो गई। जबकि एक की हालत नाजुक बनी है। निजी पशु चिकित्सक से लेख उपचार कराया है। माना जा रहा है कि चारा जहरीला होने से पशु की मौत हुई है। पशुपालन विभाग को जानकारी दी गई है। किसान ने पशुओं की मौत से करीब ढाई लाख के नुकसान की बात कही है। फिलहाल, पशुओं की मौत का कारण स्पष्ट नहीं हो सका है। चारा जहरीला होने की बाबत भी अभी पुष्टि नहीं हो सकी है।

कांवड़ शिविरों के संचालन में जारी राजनीति बंद हो : डॉ. नरेश कुमार

नई दिल्ली। दिल्ली प्रदेश कांग्रेस कमेटी के वरिष्ठ प्रवक्ता डॉ. नरेश कुमार ने आज दिल्ली के उप राज्यपाल वी के सक्सेना को एक ज्ञापन सौंपा जिसमें उन्होंने आरोप लगाया कि दिल्ली में शिव भक्तों के लिए जो कावड़ शिविर चल रहे हैं उनमें राजनीति हो रही है जिस पर तत्काल ध्यान दिया जाना जरूरी है। डॉ. कुमार ने इस ज्ञापन में कहा कि दिल्ली में करीब 200 कांवड़ शिविर दिल्ली सरकार द्वारा सड़कों पर लगाए गए हैं जिनको दिल्ली सरकार सहायता देती है। इसमें पानी, टैंट, बिजली, चिकित्सा और अन्य सुविधाएं दी जा रही हैं लेकिन उसमें भी भेदभाव किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि आम आदमी पार्टी द्वारा संचालित कांवड़ शिविरो में इस तरह की सभी सुविधाएं दी जा रही हैं लेकिन बाकी अन्य समाजसेवी समूहों द्वारा चलाए जा रहे शिविरों को इन सुविधाओं से वंचित रखा जा रहा है उन्होंने हवाला दिया कि पिछले नौ साल से हिरण कूदना गांव में कांवड़ शिविर चल रहा है लेकिन उसमें इस तरह की सुविधाएं नहीं दी जा रही है और दो तीन दिन पहले इस शिविर में डॉक्टर की जो सुविधा दी गई थी वह अब बंद कर दी गई है। उन्होंने उप राज्यपाल को अवगत कराया कि कांवड़ शिविर के संचालकों ने संबंधित क्षेत्र के जिलाधिकारी को इस मामले प्रार्थना पत्र दिया है फिर भी कांवड़ शिविर को कोई सुविधा नहीं दी गई है।

डीडीए की लापरवाही ने ली मां-बेटे की जान तो लापता हो गए भाजपा के एलजी और सांसद- प्रियंका कक्कड़

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

आम आदमी पार्टी ने मयूर विहार फेस तीन की दुखद घटना के बाद से गायब भाजपा के एलजी और सातों सांसदों पर तीखा हमला बोला है। आप की मुख्य प्रवक्ता प्रियंका कक्कड़ ने कहा कि डीडीए की लापरवाही के चलते खुले नाले में गिरने से मां-बेटे की जान चली गई और एलजी व भाजपा के सारे सांसद लापता हो गए हैं। उन्होंने सवाल उठाया कि अभी तक एलजी साहब पीड़ित परिवार से मिलने क्यों नहीं गए। आखिर उनको वहां जाने से किस बात का डर लग रहा है? राजेंद्र नगर की घटना के बाद तो एलजी साहब वहां राजनीति करने गए थे। हालांकि यूपीएससी की तैयारी कर रहे छात्रों को उनका मकसद पता चल गया और उन्होंने एलजी गो बैक के नारे लगाकर उनको वापस भेज दिया। आप की मांग है कि एलजी साहब पीड़ित परिवार के लिए मुआवजे की घोषणा करें और नैतिकता के आधार पर अपने पद से इस्तीफा दें।

आम आदमी पार्टी की मुख्य प्रवक्ता प्रियंका कक्कड़ ने शुक्रवार को पार्टी मुख्यालय पर प्रेस वार्ता कर दिल्ली के कोंडली विधानसभा में हुई दुखद घटना पर भाजपा सांसदों की चुप्पी पर सवाल उठाया। उन्होंने कहा कि घटना के बाद से भाजपा के सांसद कहीं दिखाई नहीं दे रहे हैं। क्या उनके लिए यह बड़ा मुद्दा नहीं है कि डीडीए के 15 फीट नाले में गिरकर एक ढाई साल के बच्चे और 23 साल की उसकी मां की जान चली गई। डीडीए के अधिकारियों ने लापरवाही दिखाते हुए उस नाले को ढंका तक नहीं था। अपने छोटे बच्चे को बचाने के लिए एक मां डीडीए के उस नाले में कूद गई। आधा किलोमीटर तक बहने के बाद उन दोनों के शव मिले। दोनों का शव एक दूसरे से चिपका हुआ था। लेकिन इन सबके बावजूद भाजपा की पुलिस मौके पर पहुंचकर मदद करने की बजाय इस बात पर लड़ रही थी कि वह इलाका किसके क्षेत्राधिकार में आता है। एलजी कहां हैं? क्या उनका काम केवल दिल्ली सरकार के कार्य रोकने का है? भाजपा के ओंछे प्रवक्ता हादसे के बाद उस नाले पर पहुंचकर कहते हैं कि ये पीडब्ल्यूडी का नाला है। इसलिए कम पढ़े-लिखों की इस सरकार को कभी-कभी किताबें और दस्तावेज भी देख लेने चाहिए।

प्रियंका कक्कड़ ने कहा कि इससे पहले जब राजेंद्र नगर की घटना में तीन छात्रों की मौत हुई तो एलजी साहब राजनीति करने लगे। जबकि 15 सालों तक भाजपा ने एमसीडी में राज किया। एलजी साहब उन छात्रों से मिलने गए, लेकिन वे यूपीएससी के छात्र हैं और उन्हें पता है कि एलजी साहब केवल राजनीति करने आए थे। उन्हें पता है कि दिल्ली पुलिस की मदद से वे बेसमेंट चल रहे थे। और उन्हें ये भी पता है कि दिल्ली की अरविंद केजरीवाल सरकार उनके साथ खड़ी है। भाजपा ने अपने 15 साल के एमसीडी के कुशासन में इन बेसमेंट में गैरकानूनी गतिविधियों को बढ़ावा दिया। इसलिए, जब एलजी उनसे मिलने गए तो उन बच्चों ने एलजी गो बैक के नारे लगाए। उन्होंने कहा कि यह नाला एलजी के डीडीए के अधीन आता है तो अब एलजी साहब गायब हो गए हैं। क्या उन्हें पिटने का डर है? वो पीड़ित परिवार के लिए कोई आर्थिक सहायता की घोषणा क्यों नहीं करते? अगर उस परिवार में कोई आश्रित है तो वह उसके लिए नौकरी की घोषणा क्यों नहीं करते। एलजी अपने पद से हर वक्त क्यों चिपके रहना चाहते हैं? वह इस घटना के बाद इस्तीफा क्यों नहीं देते? क्या उनका काम केवल दिल्ली सरकार के काम रोकने का रह गया है?

जामा मस्जिद में हुआ इस्लाही माआशराह प्रोग्राम आयोजित

अल्लाह की इबादत करें बुराईयो से बचकर रहे मुसलमान: मौलाना खालिद

प्रात : किरण संवाददाता

बिजनौर/सहसपुर। बीते कल मगरिब की नमाज के बाद जामा मस्जिद में इस्लाही माआशरह के लिये एक प्रोग्राम हुआ जिसमें हजरत मौलाना मोहम्मद खालिद साहब गाजीपुरी ,शेख उल हदीस दारुल उलूम नदवा लखनऊ ने कौम को खिताब फरमाते हुए कहा कि हम सबको अल्लाह ताला के बताए हुए रास्ते पर चलना चाहिए। उन्होंने आगे कहा कि हम सब को बुराई से बचना चाहिए। झूठ बोल कर धोका देकर पैसा कमाना हराम है ,जुआ ,सट्टा , शर्त लगाना , किसी का माल छीन कर खाना किसी का हक मार कर खाना हराम है कुछ लोग ताकत के बल पर गरीब की जायदाद पर कब्जा कर लेते हैं याद रखना अल्लाह ताला कयामत के दिन उसको माफ नहीं करेंगे , उन्होंने नशे जैसी बुराई को खत्म करने पर जोर देते हुए कहा कि नशा करना तथा नशे का कारोबार करना बहुत बड़ा गुनाह है उन्होंने आगे कहा कि हम सब को बुराई से बचाना चाहिए। हम को अल्लाह तआला और प्यार हबीब सरवरे कायनात हजरत मोहम्मद मुस्तफा सल्लल्लाहो अलेही वसल्लम की सुन्नतों पर अमल करना चाहिए। इस दौरान हजरत मौलाना अब्दुल रहमान साहब नाजिम ए आला मदरसा अंसारुल उलूम नौगावा ने खिताब फरमाते हुए कहां की हर मुसलमान को खास तौर पर हक और इंसाफ का साथ देना चाहिए। उन्होंने सच्चाई पर रहने और झूठ से बचने की बात पर भी जोर दिया। उन्होंने आगे कहा अच्छे आमाल रखें, नमाज पढ़ें, क्योंकि हुजूर ने फरमाया कि झूठ छोड़ दो सच के रास्ते पर चलो, तो तुमको जन्नत में महल दिया जाएगा। इसलिए मुसलमानों को ध्यान रखना चाहिए कि जो आदमी सच और हक के रास्ते पर चलेगा उसे यकीनंन जन्नत नसीब होगी। हर मुसलमान को ईमान पर रहना चाहिए, मुसलमान को नबी की सुन्नत पर चलना चाहिए, जिससे जिंदगी बेहतर होगी। इससे एक-दूसरे में मोहब्बतें बढ़ेंगी। मुसलमान इधर-उधर भटक रहा है, मुसलमानों को मस्जिद में ईमान सीखकर उस पर अमल करना चाहिए ।खास तौर पर जो सीखें उसे बाजार में भी दिखाएं, यानी अपनी दुकान या काम पर जाने के समय ईमानदारी दिखाएं, खेती वाला खेती में मिलावट से बचे। हर काम वाला अपने आपने काम में बेईमानी से बचे। ईमान सीखो और ईमादारी दिखाओ। हर आदमी मस्जिद वाला बन जाए, लोगों को रोशनी की तरफ लेकर आए, यह सब हमारी जिम्मेदारी है, हमारे सभी भाइयों को ईमान वाला बनाना हमारी जिम्मेदारी है। इस मौके पर हजरत मौलाना इफ्तिखार उल हसन साहब सहसपुरी हजरत मौलाना शकील अहमद साहब , मसरुर आलम साहब ,तहसीन अफजल साहब ,शहर इमाम मौलाना सुल्तान अहमद साहब, जामा मस्जिद सहसपुर हजरत मौलाना सलीम अहमद साहब, हजरत मौलाना तसलीम अहमद साहब के अलावा सैकड़ो की तादाद में लोग मौजूद रहे प्रोग्राम में मुल्क के अंदर अमन ,शांति ,और भाईचारे के लिए भी दुआ कराई गई।

संक्षिप्त खबरें

आकाशीय बिजली की चपेट में आने से युवक की हुई मौत

जमुई [झाझा] घर से शौच के लिए जा रहे एक युवक के उपर अचानक आकाशीय बिजली गिर जाने से उसकी मौत हो गई। मामला सोनो प्रखंड क्षेत्र के भीठरा गांव समीप कुरकुटटा गांव की है। इधर युवक को उसके परिजन एवं ग्रामीणों के द्वारा उठाकर रेफरल अस्पताल झाझा लाया जहां चिकित्सक के द्वारा जांच किए जाने के बाद उसे मृत घोषित कर दिया। मृतक की पहचान कुरकुटटा गांव निवासी स्व. कृष्णदेव प्रसाद साह का 35 वर्षीय पुत्र पवन कुमार साह के रूप में हुई है। घटना के संदर्भ में उसके परिजनों ने बताया कि शुक्रवार की दोपहर को बारिश हो रहा था तभी पवन शौच के लिए घर से खेत की ओर जा रहा था कि तभी घर से महज कुछ दूरी पर अचानक उसके उपर आकाशीय बिजली गिरा जिससे पवन अचानक गिर गया और लोग मौके पर पहुंचा और तुरंत उसे उठाकर इलाज के लिए अस्पताल लाया। डॉक्टर के द्वारा मृत घोषित किए जाने के बाद अस्पताल में मौजूद परिजनों मे कोहराम मच गया। मौजूद लोगों के द्वारा दी गई जानकारी अनुसार मृतक किसान बताया गया है।

हथिया पुल पर गिरा विसाल पेड़ का टहनी,वाहनों के आवागमन पर हो रही परेशान

जमुई [झाझा] गुरूवार की देर रात आई तेज हवा के साथ बारिश से झाझा- सोनो मुख्य मार्ग के हथिया पुल के अंतिम छोर पर एक विसाल पेड़ का टहनी गिर गया। जिसके कारण पुल से गुजरने वाली छोटी बड़ी गाड़ियों को काफी परेशानी हो रही है। स्थानीय ग्रामीण अभिनब सिंह, नीतीश सिंह, अभिषेक सिंह ने बताया की देर रात अचानक आवाज आया जब घर से बाहर निकलकर देखे तो पेड़ का टहनी गिरा पड़ा था। खबर संप्रेषण तक पेड़ का टहनी पुल पर गिरा था।

विद्यालय में बच्चों को नहीं मिल रहा एक भी लाभ, एबीवीपी ने किया प्रदर्शन

प्रातः किरण संवाददाता

जमुई [झाझा] झाझा प्रखंड के कानन पंचायत में अवस्थित अजूबा विद्यालय जहां नल और बोरिंग है परंतु पानी नहीं, शौचालय है परंतु दरवाजा और शीट नहीं, भवन है परंतु दरवाजा और खिड़की नहीं, मध्याह्न भोजन योजना है परंतु भोजन नहीं। जी हां बात कर रहा हूं मध्य विद्यालय सह +2 उत्क्रमित उच्च माध्यमिक विद्यालय कानन की, जहां सरकारी विद्यालय का संचालन प्रभारी प्रधानाध्यापक अपने इच्छानुसार करते हैं।उक्त वाकए को लेकर विद्यालय के बच्चों ने अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के कार्यकताओं के साथ मिलकर जमकर बवाल काटा तथा शिक्षा विभाग के इस रवैए के खिलाफ जमकर नारेबाजी भी की। बताते चलें कि हाल ही में शिक्षा विभाग द्वारा तीन लाख सात हजार रुपए की लागत से किए गए बोरिंग यूं ही बेकार पड़ी है, उसमें लगे मोटर का कनेक्शन तक नहीं किया गया है....पानी तो बहुत दूर की बात है। साथ ही पचपन हजार आठ सौ दस रुपए की लागत से निर्मित वॉटर स्टेशन की स्तिथि देखकर ऐसा प्रतीत होगा की आजतक इसका लाभ बच्चे नहीं उठा पाए होंगे। विगत एक वर्ष पूर्व निमार्णाधीन शौचालय अबतक पूरा हो ना सका और विभाग द्वारा बजट भी पास किया जा चुका है।वर्ग कक्ष में खिड़की दरवाजे की स्तिथि काफी दयनीय है। बच्चों के बैठने हेतु बैंच डेस्क भी आंकड़ों से कम ही खरीदा गया तथा पैसों की कथित तौर पर बंदरबांट कर ली गई। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद दक्षिण बिहार के एसएफडी सह संयोजक सूरज बरनवाल व नगर मंत्री झाझा हरिनंदन प्रजापति ने कहा कि इस विद्यालय में आने पर महसूस हुआ की सरकार द्वारा मिलनी वाली सभी योजनाओं का सलीके से बंदरबांट हुआ है।यहां तक भी प्रधानाध्यापक कक्ष में प्रधानाध्यापक की कुर्सी छोड़ अन्य कुर्सी के स्थान पर आगंतुक या अभिभावकों हेतु बैंच लगी हुई है।जिला शिक्षा पदाधिकारी से मांग करता हूं कि ऐसे विद्यालय की अविलंब जांच कर न्यायसंगत कार्यवाही करें,ताकि बच्चों को मिलने वाली योजनाओं का लाभ धरातल पर दिख सके। एबीवीपी दक्षिण बिहार प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य रूपेश भारती, नगर कार्यकारिणी सदस्य नीतीश केशरी, सतीश सिंहा ने कहा कि इस विद्यालय की सभी व्यवस्था चरमराई अवस्था में है। इंसान की मूल आवश्यकताओं में से एक शुद्ध पेयजल तक की व्यवस्था इस विद्यालय में नहीं होना दुर्भाग्य की बात है। एक तरफ सरकार विकास के बड़े-बड़े दावे करती है तो दूसरी तरफ विद्यालय की ऐसी स्थिति सरकार के सभी दावों को तार तार करती नजर आती है।

डीएम ने वर्चुअल मीटिंग के माध्यम से की आयुष्मान कार्ड बनाने हेतु अभियान की समीक्षा

प्रातः किरण संवाददाता

मधेपुरा जिला पदाधिकारी विजय प्रकाश मीणा के द्वारा गुरुवार को राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम के लाभुकों में आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना अंतर्गत आच्छादित लाभार्थियों के अतिरिक्त छुटे हुए समस्त लाभार्थियों को आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना एवं मुख्यमंत्री जन आरोग्य योजना अंतर्गत आयुष्मान कार्ड बनाने हेतु मधेपुरा जिले में चल रहे अभियान की समीक्षा वर्चुअल मीटिंग के माध्यम से की गई। मधेपुरा जिला अंतर्गत कुल- 18 लाख 26 हजार 6 सौ 80 लाभार्थी इन दोनों योजनाओं के अंतर्गत पात्रता रखते हैं, जिनमें अभी तक 9 लाख 4 हजार 1 सौ 47 लाभार्थियों का कार्ड बनाया गया है शेष सभी लाभार्थियों के लिए सभी जीविका, आंगनबाड़ी केंद्र सेविका/सहायिका, विकास मित्र, आशा आदि के माध्यम से जन जागरुकता लाकर इस अभियान को सफल बनाने का प्रयास किये जाने को निदेशित किया गया। 18 जुलाई से प्रारंभ हुए इस अभियान अंतर्गत अब तक कुल 202495 आयुष्मान कार्ड का निर्माण किया जा चुका है। यह मेगा अभियान 7अगस्त तक संचालित रहेगा। आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना अंतर्गत पात्र लाभार्थियों का प्रति परिवार प्रतिवर्ष 5 लाख रू तक का निःशुल्क ईलाज किसी भी सरकारी अस्पताल अथवा योजनान्तर्गत सूचीबद्ध निजी अस्पतालों में करवाया जा सकता है।

विश्वविद्यालय राजनीति विज्ञान विभाग में सिनॉप्सिस जमा करने का अंतिम दिन आज

प्रातः किरण संवाददाता

मधेपुरा बी एन एम यू के शैक्षणिक परिसर स्थित विश्वविद्यालय राजनीति विज्ञान विभाग में उपकुलसचिव (शैक्षणिक) द्वारा निर्गत पत्र ज्ञापांक जीएस (डीआरए -08/24) 705/24 दिनांक 25/07/2024 के आलोक में पैट-21 हेतु डीआरसी की बैठक के आयोजन हेतु सभी शोधार्थियों सूचित किया गया है।

जारी पत्र में कहा गया है कि पीएचडी रजिस्ट्रेशन फॉर्म प्राप्त कर अपने सभी वांछित डोकोमेंट्स यानि कि पीएचडी रजिस्ट्रेशन फॉर्म, पासपोर्ट साइज फोटो दो, सिनॉप्सिस दो सेट में, एडमिशन रसीद, रजिस्ट्रेशन लेटर, मैट्रिक से पीजी फोर्थ सेमेस्टर तक का एडमिट कार्ड, मार्क शीट, ओरिजिनल सर्टिफिकेट, पैट-21 का एडमिट कार्ड एवं मार्क शीट, पैट-21 कोर्स वर्क एडमिट कार्ड एवं मार्क शीट, शपथ पत्र फर्स्ट क्लास मजिस्ट्रेट से बना हो जिसमें कार्यरत नहीं हों या कहीं अन्य जगह नामांकित नहीं हैं।

का जिक्र अवश्य हो। उपर्युक्त सभी डोकोमेंट्स के साथ फोल्डर फाइल में लगा कर 3 अगस्त (शनिवार) तक विभाग में अवश्य जमा करें। उक्त आशय की जानकारी विश्वविद्यालय राजनीति विज्ञान विभाग के एचओडी डॉ. अर्जुन कुमार यादव ने दी।

जो जीत गया वो हेलिकॉप्टर पर गया और आपका बच्चा गाँव में ही रह गया : प्रशांत किशोर

प्रातः किरण संवाददाता

मधेपुरा जन सुराज के सूत्रधार प्रशांत किशोर ने ज़िले के दो प्रखंडों में पदयात्रा की। प्रशांत किशोर ने कहा कि बीते दस सालों में हमने जिस दल-नेता का हाथ पकड़ा उसको हारने नहीं दिया। जिसे सलाह दिया वो सब जीतकर राजा हो गए। दो साल पहले हमने उस काम को छोड़ दिया, आप पूछिएगा कि जिस काम को करके इतना नाम, पैसा और शोहरत कमाया है, वो काम छोड़कर गली-गली पैदल क्यों चल रहे हैं? पैदल इसलिए चल रहे हैं। हमने दस साल नेताओं को जिताकर देखा, 10 सरकार बनाकर देखा कि नेताओं के जीतने से जनता की स्थिति नहीं सुधरती। आपको लगता है कि आपकी जाति का नेता जीत गया, जो जीत गया वो हेलिकॉप्टर पर गया और आपका बच्चा गाँव में ही रह गया। हमें ये अनुभव हुआ कि जिसको सलाह दें वो राजा हो जाता है तो हमने सोचा अब जनता के सलाह देंगे ताकि उनकी ज़िंदगी भी बदले और वो राजा बन जाए। प्रशांत किशोर ने शुक्रवार को ज़िले के दो ब्लॉक उदाकिशुनगंज और बिहारीगंज के नौ गांवों में पदयात्रा की। इस दौरान वे परिहारपुर के उत्क्रमित मध्य विद्यालय, देवेल चौक, मधुकर चक, गमैल, हथिऔंधा होते हुए मधुकर चक में रात्रि विश्राम किया। इस दौरान कई जगहों पर रुककर जन संवाद कर लोगों को वोट की ताकत का एहसास भी दिलाया।

गिद्धौर बाजार के लॉर्ड मिंटो टावर के निकट मुख्य राजमार्ग पर जलजमाव से सड़क की स्थिति हो रही खराब

भारी बारिश में हाइवे तालाब में हो जाता है तब्दील

प्रातः किरण संवाददाता

गिद्धौर /जमुई इस सड़क की दुर्दशा को गौर से देखिये यह गिद्धौर बाजार के लॉर्ड मिंटो टावर के निकट राष्ट्रीय राजमार्ग की है। जहां बारिश में हाइवे की स्थिति बद से बदतर हो जाती है। यहां लगातार हो रहे बारिश के कारण, बारिश का पानी सड़क पर जल जम जाता है जिससे सड़क पर जलजमाव से सड़क तालाब जैसी दिखने लगती है। वहीं आलम यह है कि हाइवे पर लार्ड मिंटो टॉवर के निकट जल निकासी की व्यवस्था नही रहने से दिन ब दिन मुख्य राजमार्ग की स्थिति यहां खराब होती जा रही है। वहीं सड़क पर बारिश का पानी जमने से ढलाई में दरार पड़ने लगी है। उक्त सड़क जगह जगह से टूटना शुरू हो गया है। इस समस्या को ले गिद्धौर बाजार के स्थानीय दूकानदार एवं ग्रामीण बताते हैं कि सड़क निर्माण के दौरान ही जैसे तैसे छोड़ छोड़कर सड़क किनारे नाले का निर्माण करवाया गया जिससे सड़क किनारे पानी के निकासी का साधन नही है. स्थिति यह है कि उक्त मुख्य राजमार्ग के किनारे नाले का पूर्णरूपेण निर्माण नहीं किये जाने से सड़क में दरार पड़नी शुरू हो गयी है। अगर विभागीय स्तर से इस समस्या के निदान को ले कोई ठोस पहल नहीं किया गया तो बहुत जल्द गिद्धौर बाजार के लॉर्ड मिंटो टावर के निकट सड़क बड़े बड़े गड्ढे में तब्दील हो जायेगी।

नाला के विवाद को लेकर दो पक्षों के बीच हुई मारपीट, आठ लोग हुए घायल

मामला झाझा थानाक्षेत्र के सोहजाना गांव की है, दो गंभीर रूप से घायल को जमुई किया रेफर

प्रातः किरण संवाददाता

जमुई [झाझा] नाला के विवाद को लेकर सोहजाना गांव में दो पक्षों के बीच मारपीट हो गई जिसमें दोनो पक्षों के ओर से कुल मिलाकर आठ लोग घायल हो गया। सभी घायल इलाज के लिए रेफरल अस्पताल झाझा पहुंचा जहां सभी घायलों का इलाज किया गया। एक पक्ष से घायल की पहचान गंगीया देवी बेटी मायावती देवी, खुशबु कुमारी, सोनिया देवी तथा दूसरे पक्ष से घायल की पहचान विनोद यादव उसका बेटा अनुज कुमार, सनोज कुमार, पत्नी रूबी देवी के रूप में हुई है।

अस्पताल में सभी घायलों का इलाज किए जाने के बाद एक पक्ष से गंगीया देवी और उसकी बेटी सोनिया देवी की स्थिति नाजुक रहने पर डॉक्टर ने दोनो को बेहतर इलाज के लिए सदर अस्पताल जमुई रेफर कर दिया।

एक पक्ष से घायल गंगीया देवी के पति बासदेव यादव ने बताया कि मेरे घर के पास नाला बना हुआ जिसको दूसरे पक्ष के लोगों ने तोड़ दिया जिससे घर में बारिश का पानी घुस जाता है।

तो घर के पास एक गडडा बना दिया ताकि सारा पानी उस गडडे में जमा हो जाए इसी बात को लेकर दूसरे पक्ष के लोगों ने ईट, लाठी डंडा से मारपीट करने लगा। दूसरे पक्ष से घायल विनोद यादव ने बताया कि गडडा बना देने से बारिश का पानी मेरे घर के पास जमा हो रहा था इसी बात की शिकायत किया तो पहले पक्ष के लोगों ने मारपीट करना शुरू कर दिया।

सुखासन चकला गांव में पुराने भूमि विवाद को लेकर दो पक्षों में हुई जमकर मारपीट

- एक महिला और एक पुरुष घायल, सदर अस्पताल में चल रहा है इलाज

प्रातः किरण संवाददाता

मधेपुरा सदर थाना क्षेत्र के सुखासन चकला गांव में पुराने भूमि विवाद को लेकर दो पक्षों में जमकर मारपीट की घटना सामने आया है इस दौरान एक महिला और एक पुरुष घायल है जिसका इलाज सदर अस्पताल में चल रहा है।

घटना को लेकर पीड़िता खुशबू कुमारी ने मधेपुरा सदर थाना में आवेदन दिया है, उन्होंने बताया कि सुखासन चकला वार्ड संख्या 9 निवासी आनंद कुमार उर्फ खिलाड़ी उनके दरवाजे पर गोबर फेंक रहा था। गोबर फेंकने से मना किया तो आनंद कुमार और उनके परिजनों ने मेरे साथ मारपीट करना शुरू कर दिया। उन्होंने कहा कि दूसरे पक्ष के लोगों ने लाठी-डंडा और लोहे के रॉड से मारपीट कर उसे घायल कर दिया।

हल्ला की आवाज सुनकर उनके पति बचाने आए तो दूसरे पक्ष के लोगों ने उनके साथ भी मारपीट करना शुरू कर दिया। तब तक आसपास के लोग वहां आ गए और मामला को शांत करवा कर दोनों घायलों को मधेपुरा सदर अस्पताल में इलाज के लिए भर्ती करवाया है । उन्होंने थानाध्यक्ष से उचित कानूनी कार्रवाई की मांग की है। वहीं इस मामले में मधेपुरा सदर थाने में प्राथमिकी दर्ज कर पुलिस मामले की जांच में जुटी गई है।

बहरहाल थानाध्यक्ष सह इंस्पेक्टर बिमलेंदु कुमार ने बताया कि मामला दर्ज कर ली गई है इस मामले में पुलिस उचित कार्रवाई में जुट गई है दोषी पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

मरीज को ढोने वाला तीन एंबुलेंस अस्पताल में तकनीकी बीमारी से खुद पड़ा हुआ है बीमार

शुक्रवार को अस्पतालकर्मी एंबुलेंस को धक्का देकर स्टार्ट करने का दृश्य आया सामने

प्रातः किरण संवाददाता

जमुई [झाझा] स्वास्थ्य सुविधा को बेहतर किए जाने का लाख वादा स्वास्थ्य विभाग की ओर से किया जाता है लेकिन हकीकत कुछ ओर ही सामने आती है। जिसका एक उदाहरण रेफरल अस्पताल में देखने को मिला है। किसी न किसी बात को लेकर हमेशा सुखियों में रहने वाले रेफरल अस्पताल में इस बार कुछ ओर ही दृश्य लोगों के सामने आया है जहां लोगों की सुविधा को लेकर अस्पताल में प्रदान कि गई 102 एंबुलेंस बीमार मरीज को लाने पहुंचाने वाला एंबुलेंस खुद तकनीकी बीमारी में जकड़ा हुआ है। शुक्रवार को एक मरीज को जमुई रेफर किया गया लेकिन जब एंबुलेंस को स्टार्ट किया गया तो एंबुलेंस स्टार्ट नही हुआ जिसके बाद अस्पताल के कर्मी एंबुलेंस को आगे पीछे से धक्का देकर स्टार्ट करने का भरपूर प्रयास किया गया लेकिन एंबुलेंस स्टार्ट नही हुआ जिसके बाद मरीज को प्राइवेट एंबुलेंस से जमुई सदर अस्पताल भेजा गया। अस्पताल में एकमात्र 102 एंबुलेंस की हालात गड़बड़ नही बल्कि अस्पताल में मौजूद अन्य दो एंबुलेंस की स्थिति भी दयनीय है जिससे किसी तरह काम लिया जा रहा है। एंबुलेंस के चालक भी एंबुलेंस की दयनीय स्थिति को लेकर अस्पताल के प्रबंधक को सूचना दी है। क्या कहते है अस्पताल प्रबंधक- अस्पताल प्रबंधक नवनीत कुमार ने बताया कि एंबुलेंस का हड़ताल था जिसके कारण खड़ी एंबुलेंस में तकनीकी खराबी आ चुकी है हड़ताल समाप्त होने के बाद एंबुलेंस को दो बार गैरेज भी भेजा गया था लेकिन एंबुलेंस सही रूप से बन नही पाया है एंबुलेंस के खराबी रहने को लेकर जिला स्वास्थ्य विभाग को भी सूचना पत्र के माध्यम से दे दिया गया है। प्रबंधक ने बताया कि तीनो एंबुलेंस में कुछ न कुछ समस्या है इसको जल्द ठीक करवाने का प्रयास किया जा रहा है फिलहाल मरीज को प्राइवेट एंबुलेंस का अस्पताल के फंड से उपयोग किए जा रहे है।

छात्राओं का चयन सुनिश्चित करने हेतु साक्षात्कार की तैयारी जरूरी : निदेशक

प्रातः किरण संवाददाता

दरभंगा।डॉ एपीजे अब्दुल कलाम महिला प्रौद्योगिकी संस्थान दरभंगा में निकट भविष्य में बहुराष्ट्रीय कंपनियां केंपस में बहाली के लिए आने वाली है जिसमे इंफोसिस कंपनी पहले राउंड ऑनलाइन मोड में 4 अगस्त रविवार को आने वाली है इसके साथ ही एक और बहुराष्ट्रीय कंपनी एसेंचर की भी आगामी सप्ताह में संस्थान में आने की संभावना है। छात्राओं का चयन सुनिश्चित करने हेतु साक्षात्कार की तैयारी करने के लिए एक अगस्त से दो दिनों के लिए कौशल विकास कार्यशाला का आयोजन संस्थान की प्लेसमेंट सेल के द्वारा किया गया। अवगत हो की अभी सत्र 2020-24 एवं 2021-25 दोनों का ही प्लेसमेंट किया रहा है । कार्यशाला में क्रिप्टो एडयुटेक जो कि भारत सरकार से रजिस्टर्ड है के रिसर्च पर्सन के रूप में आए दीपक बंसल ने छात्राओं को कई महत्वपूर्ण जानकारियां दी साथ ही साथ छात्राओं का बैकएंड, एसक्यूएल डेटाबेस आदि का कॉन्सेप्ट दिया जो प्रायः अभी टेक्निकल राउंड में प्रोग्रामिंग में कंपनियों द्वारा पूछा जाता है। छात्राओं ने कार्यशाला की जमकर तारीफ की और अच्छा फीडबैक दिया।

निदेशक महोदय प्रो प्रेम मोहन मिश्रा ने प्लेसमेंट सेल को ऐसे कार्यशाला, सेमिनार करवाते रहने की सलाह दी तथा छात्राओं का इससे मिल रहे लाभ के लिए खुशी वक्त की।

संस्थान की प्लेसमेंट सेल इनचार्ज डॉ रश्मि कुमारी ने छात्राओं से कार्यशाला के बाद उनका फीडबैक फॉर्म भरवाया जो की काफी सराहनीय रहा और छात्राओं ने श्री बंसल का एक और सेशन रखने की मांग की । रिसोर्स पर्सन श्री बंसल का संस्थान के निदेशक महोदय ने स्वागत तथा आभार व्यक्त किया और उनके सफल कार्यशाला आयोजन के लिए धन्यवाद दिया।

गिद्धौर डाइट में प्रशिक्षण प्राप्त करने आए शिक्षकों को कराया गया परिभ्रमण

प्रातः किरण संवाददाता

गिद्धौर/जमुई। गिद्धौर स्थित शिक्षक प्रशिक्षण केंद्र यानी डाइट में प्रशिक्षण प्राप्त करने मोकामा एवं पंडारक से आए 219 शिक्षकइशिक्षिकाओं को शैक्षणिक भ्रमण के लिए सिमुलतला आवासीय विद्यालय एवं स्वामी विवेकानंद बी एड कॉलेज ले जाया गया। जहां प्राकृतिक से भरे खनिज संपदा एवं सौंदर्य की रूप रेखा से परिचय कराया गया। मौके पर डाइट गिधौर के प्रिंसीपल डॉ नावेद हसन ने कहा कि शिक्षकों को प्रशिक्षण और परिभ्रमण से बहुत कुछ सीखने को मिलता है। वहीं सहायक व्याख्याता सचिन कुमार भारती ने कहा कि हमारा निरंतर प्रयास होता है कि वर्तमान समय मे शिक्षकों को हर उन नई चीजों से परिचय कराएं जिससे शिक्षक बेस्ट प्रैक्टिस सीख सके। विद्यालय में जाकर उसे बच्चों को बीच लाया जाए ताकि उनमें मानसिक और शारीरिक रूप से परिवर्तित किया जा सके। भ्रमण के दौरान सभी शिक्षकों ने एक-एक कर सभी चीजों का अवलोकन किया। इस मौके रश्मि कुमारी, रविन्द्र कुमार, स्वेता कुमारी, राजेश कुमार, मोहिनी कुमारी, ज्योति कुमारी, शिक्षक आर्यन कुमार, गौरव कुमार, आलिया फातमा, स्वेता रानी, लीलाधर कुमार, सकीपुर रहमान, दिनकर दिवाकर, प्रमोद सिंह, कुमार सुंदरम, राजीव रंजन, मेहजवी बेगम सहित अन्य शिक्षक-शिक्षिकाएं मौजूद रहे।

केपीएसपी उच्च विधालय गंगाजल सोनपुर में कौशल दिवस का आयोजन

प्रातः किरण संवाददाता

राष्ट्रीय शिक्षा नीति के 4 चार वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर के.पी.एस.पी उच्च विधालय, गंगाजल में विधालय की प्रधानाध्यापिका स्मृति कणा के नेतृत्व में शिक्षा सप्ताह का आयोजन 22 जुलाई से 3 अगस्त तक शिक्षा सप्ताह का आयोजित किया जा रहा है।जिसके तहत इस सप्ताह के प्रत्येक दिन थीम आधारित कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा है।इसी कड़ी में आज पांचवे दिन विधालय के वर्ग दशम के बच्चों के द्वारा विधालय की वरीय शिक्षिका प्रीति श्रीवास्तव, सोनी कुमारी, रीना कुमारी तथा संगीता पाण्डेय ने विधालय परिसर में पौधारोपण करवाकर हरा भरा धरती के महत्व तथा पर्यावरण संरक्षण से संबंधित जानकारियां साझा की। इस दौरान शिक्षिका प्रीति श्रीवास्तव ने बच्चों को पर्यावरण की जानकारी देते हुए कहा की पर्यावरण संरक्षण व्यक्तियों, समूहों और सरकारों द्वारा प्राकृतिक पर्यावरण की रक्षा करने का अभ्यास है। इसका उद्देश्य प्राकृतिक संसाधनों और मौजूदा प्राकृतिक पर्यावरण का संरक्षण करना और जहाँ संभव हो, क्षति की मरम्मत करना और प्रवृत्तियों को उलटना है।इस दौरान बच्चों को मिट्टी की जांच करने तथा इसके पीएच मान तथा उपजाऊ मिट्टी के प्रकार की जानकारी दी। इस अवसर पर शिक्षिका सोनी कुमारी ने बच्चों को बिहार एवं देश के विभिन्न ऐतिहासिक स्थलों के समृद्ध इतिहास और सांस्कृतिक महत्व की जानकारी प्रदान करते हुए ऐतिहासिक स्थलों के संरक्षण।

बिहार सरकार

भवन निर्माण विभाग

कार्यपालक अभियंता, केन्द्रीय भवन प्रमंडल, पटना का कार्यालय

अल्पकालीन कोटेशन आमंत्रण सूचना संख्या– 24 वर्ष 2024–25

(विशेष शर्त्त मद एवं मात्रा के लिए वेबसाईट State.bihar.gov.in/prdbihar देखें)

समुचित श्रेणी मे निबंधित संवेदको/ख्याति प्राप्त फर्मों/कम्पनियों से दिनांक 12.08.2024 के अपराह्न 12.30 बजे तक निर्देशानुसार निम्नलिखित कार्यों के लिए मुहरबंद कोटेशन अधीक्षण अभियंता, दक्षिण बिहार अंचल, पटना का कार्यालय एवं अधोहस्ताक्षरी के कार्यालय में प्राप्त किया जाएगा और उसी दिन 3.00 बजे अपराह्न मे कोटेशनदात्ताओं या उनके द्वारा प्राधिकृत प्रतिनिधियों के समक्ष खोला जायेगा।

कोटेशन का मूल्य (रुपये में) प्रत्येक कार्य क्रमांक के कोटेशन–पत्र के साथ कोटेशन मूल्य ONLINE GOVERNMENT REVENUE AND ACCOUNTING SYSTEM (O-GRAS) के माध्यम से (कार्यपालक अभियंता, केन्द्रीय भवन प्रमण्डल, पटना) के पदनाम से जमा करना अनिवार्य होगा, जो कोटेशन प्रकाशन की तिथि के बाद का होना चाहिए। कोटेशन प्रकाशन के पूर्व के निर्गत ओ–ग्रास (O-GRAS) का कम्प्यूटराईज्ड प्राप्ति रसीद पर कोई विचार नहीं किया जाएगा। कोटेशन मूल्य संवेदक के द्वारा कुल कोटेड राशि के अनुसार होगा, जो निम्न प्रकार है :– रू0 0 से रू0 50,000 तक– रू0 250/–, रू0 50,001 से रू0 2,50,000 तक– रू0 500/–, रू0 2,50,001 से रू0 5,00,000 तक– रू0 750/–, रू0 5,00,001 से रू0 10,00,000 तक– रू0 1,250/–, रू0 10,00,001 से रू0 15,00,000 तक– रू0 2,500/– एवं अग्रधन की राशि– 2% (कोटेड राशि का मूल्य दो प्रतिशत) कोटेशन कागजात के साथ संलग्न किया जाना अनिवार्य होगा।

कार्य का विवरणी :–

Sl No.	Name of Work/Specifiation	Qnt.	Unit	Quoted Rate (in Number and Word)
01	Supply & Maintenance of Audio Video System at Sankalp Building, Lok Samvad & Nek Samvad under 1 Anney Marg, C.M. House, Patna for the year 2024-25.			
02	Supply, Maintenance & Recharge HD Set Top Box in Different Building (C.M. House 1 Anney Marg, C.M. Secretariat), Patna for the year 24-25.			
03	Supply of Duracell Battery in Nek Samwad, Lok Samwad, Sankalp & Samvad Bhawan Under C.M. House 1 Anney Marg, Patna for the year 2024-25.			
04	Supply & Maintenance of Audio Visual Arrangement at Samwad Bhawan under C.M. Secretariat, Patna for the year 2024-25.			
05	Supply & Maintenance of Audio Visual System and Network Surveillance System in Janta Darbar Hall of C.M. Secretariat under 4 KGA, Patna for the year 2024-25.			
06	Supply, Maintenance & Recharge HD Set Top Box in State Guest House & Samvad at 4 KGA, Patna for the year 24-25.			

विशेष सूचना के लिए सूचनापट्ट या वेबसाईट www.state.bihar.gov.in/prdbihar देखें या अधोहस्ताक्षरी कार्यालय में सम्पर्क करें।

PR. No.005222 (BCD) 2024-25

कार्यपालक अभियंता
केन्द्रीय भवन प्रमंडल, पटना

नशे की मार, बर्बाद करे सुखी परिवार।

सम्पादकीय

केरल में प्रलय

प्रलय को हमने पढ़ा और सुना है। जिसने प्रलय को देखा और झेला है, वह जिंदा नहीं रहा। 2013 में केदारनाथ धाम में जो सैलाब आया और तबाही हुई अथवा उत्तरकाशी में भूकंप के बाद जो बाढ़ आई, हमने उन्हें ही प्रलय माना। विनाश और बबार्दी का दूसरा नाम प्रलय है। अब केरल के वायनाड जिले में लगातार तीन भू-स्खलन आए और फिर सैलाब आया, गांव के गांव दफन हो गए, 400 से अधिक घर देखते ही देखते ह्यमलबाह्ल हो गए, करीब 200 मौतें हो चुकी हैं और इतने ही लोग लापता बताए जा रहे हैं, यह प्रलय नहीं है, तो और क्या है? यह कुदरती मार नहीं, मानव-निर्मित घटना है, क्योंकि आदमी अपनी ऐयाशी के लिए पहाड़ों को तोड़ रहा है। पहाड़ों की चोटियों पर भी इमारतें बनाई जा रही हैं। केरल में सेना और एनडीआरएफ के जवान हमें ह्यदेवदूतह्ल लगे, जिन्होंने मलबे में से निकाल कर असंख्य जिंदगियां बचाईं। हालांकि केरल की भौगोलिक स्थिति परंपरागत पहाड़ों से भिन्न है, लेकिन देश भर के 80-85 फीसदी भू-स्खलन केरल में ही आते हैं। पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय के मुताबिक, 2015 से 2022 तक 3782 भू-स्खलन आए। उनमें से करीब 60 फीसदी केरल में ही आए। मौजूदा हालात पर विशेषज्ञों का मानना है कि अरब सागर का तापमान बढे से बेहद घने बादल बने और उसी से केरल में कम समय में बहुत ज्यादा बारिश हुई। वायनाड पहाड़ी जिला है और पश्चिमी घाट का हिस्सा है। यहां 2100 मीटर तक ऊंचे पहाड़ हैं। मानसून में ये पहाड़ भू-स्खलन के लिए बेहद संवेदनशील हैं। जहां यह त्रासद घटना हुई है, वहां दो सप्ताह से बारिश हो रही थी, लिहाजा पहाड़ की मिट्टी गीली और ढीली हो चुकी थी। इसलिए एक ही रात में लगातार 3 भू-स्खलन आए। जमीन खिसक गई। घर हिलने लगे। पहाड़ दरक कर गिरने लगे। सडक और पुल ताश के पत्तों की तरह बिखरने और ढहने लगे। जलवायु-परिवर्तन ने भी बारिश की स्थिति और भू-स्खलन की तीव्रता को बढ़ाया है। एक शोध में कहा गया है कि जो वायनाड साल भर बूंदाबांदी और मानसून की बारिश वाला ठंडा, नम वातावरण वाला इलाका होता था, जलवायु-परिवर्तन के कारण अब सूखा, गर्म, लेकिन मानसून के दौरान भारी, तीव्र बारिश वाला क्षेत्र बन गया है। इस बदलाव से भू-स्खलन का जोखिम बढ़ा है।

2018 के मानसून में भी खूब बारिश हुई थी, तब करीब 400 लोगों की जान चली गई थी। उसके बाद केरल में भू-स्खलन वाला क्षेत्र बढ़ गया है। इस हादसे, संकट या घटना पर राजनीति नहीं होनी चाहिए। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने संसद में बयान दिया है कि उन्होंने 23, 24, 25 जुलाई को केरल सरकार को चेतावनी भेजी थी। फिर 26 जुलाई को भू-स्खलन, भारी बारिश की चेतावनी देते हुए आशंका व्यक्त की थी कि कई जानें भी जा सकती हैं। केरल के मुख्यमंत्री विजयन ने ऐसी चेतावनियों से इंकार किया है। उनका कहना है कि रेड अलर्ट तब जारी किया गया, जब सैलाब आ चुका था। बहरहाल ऐसे आरोप-प्रत्यारोप से बचना चाहिए। देश में हर राज्य में, हर क्षेत्र में विकास होना चाहिए, लेकिन ऐसी घटनाओं से सबक भी सीखना चाहिए। विकास-कार्य जापान और ताइवान सरीखे देशों में भी हो रहे हैं। वहां भी पहाड़ काटे जा रहे हैं, लेकिन ऐसे हादसों से बचने के बंदोबस्त भी किए जा रहे हैं। वे दीवार पुश्ता लगाना हो अथवा पेड़-पौधों का रोपण या कुछ और बंदोबस्त करना हो, जापान इसमें अग्रणी रहा है। वहां के पहाड़ों को स्थिर बनाए रखने के लिए विशेष तरह की जालियां तक लगाई गई हैं। देश के उत्तराखंड राज्य में टिहरी बांध में ढलानों की कटाई के बाद बेहतर सुरक्षा उपाय किए गए हैं। ताइवान ने पहाड़ पर दबावमापी यंत्र लगाकर एक भिन्न प्रयोग किया है। इससे यथासमय पता चल जाता है कि पहाड़ पर कितना दबाव है और वह लोगों को पहाड़ के दरकने को लेकर आगाह कर देता है। भारत में हर सरकार और नागरिक विकास

संसद में जाति पर जारी सियासी जंग के राजनीतिक मायने को ऐसे समझिए

वही जब लोकतांत्रिक या संवैधानिक सभ्यता-संस्कृति में व्यापक विवाद का वाहक बनकर दिन-प्रतिदिन अनुत्पादक प्रतीत होने लगे, तो देश व समाज के प्रबुद्ध लोगों का चिंतित होना स्वाभाविक है। इसलिए आज संसद में जाति के सवाल पर भाजपा नीत एनडीए और कांग्रेस नीत इंडिया ब्लॉक के बीच जो सियासी जंग छिड़ी हुई है, उसके पीछे के राजनीतिक मायने को समझने और आमलोगों को समझाने की जरूरत है। पहला, चूंकि राजनीतिक दलों के लिए जाति अब सामाजिक ध्रुवीकरण का औजार और सियासी गोलबंदी का हथियार बन चुकी है, इसलिए उसे सकारात्मक नजरिए से देखे जाने की जरूरत है, न कि नकारात्मक तरीके से। हां, अब जाति के परिप्रेक्ष्य में वह मुद्दा उठाने की जरूरत है, जिससे राजनीतिक दल और उसके चतुरसुजान नेता अब तक बचते आए हैं। जैसे- साधुओं की जाति, वर्णसंकर लोगों की जाति और अंतरधार्मिक विवाह रचाने वाले लोगों और उनकी संततियों के धर्म का मुद्दा आदि सबसे अहम है। दूसरा, जातीय या धार्मिक आरक्षण को भी सकारात्मक दृष्टिकोण से देखे जाने की दरकार है, न कि नकारात्मक तौर पर। क्योंकि गुलाम भारत से लेकर आजाद भारत में जाति और धर्म को लेकर जितने भी कानून बनाए गए, वो सब अंतर्विरोधाभाषों से भरे पड़े हैं। जिसकी वजह से उनमें स्पष्टता का अभाव तो है ही, लोकतंत्र की मूल भावना स्वतंत्रता, समानता और बंधुत्व भी नदारत है। इस स्थिति के लिए हमारे राजनेता और नौकरशाह दोनों ही जिम्मेदार हैं। लेकिन इस स्थिति को बदलने का साहस किसी भी राजनीतिक दल में नहीं दिखा, जिससे राष्ट्रीय हित और पेशेवर गुणवत्ता गहरे तक प्रभावित होती आई है जिससे वैश्विक मुकाबले में भारत पिछड़ता चला आया।

कमलेश पांडेय
वरिष्ठ पत्रकार व स्तम्भकार

जातीय या धार्मिक आरक्षण को भी सकारात्मक दृष्टिकोण से देखे जाने की दरकार है, न कि नकारात्मक तौर पर। क्योंकि गुलाम भारत से लेकर आजाद भारत में जाति और धर्म को लेकर जितने भी कानून बनाए गए, वो सब अंतर्विरोधाभाषों से भरे पड़े हैं। वैदिक या सनातन सभ्यता-संस्कृति में जो जाति कार्यकुशल जनसमूह की कार्यदक्षता की निशानी समझी जाती थी और राष्ट्रीय उत्पादकता में अपना महत्वपूर्ण योगदान देती आई थी, वही जब लोकतांत्रिक या संवैधानिक सभ्यता-संस्कृति में व्यापक विवाद का वाहक बनकर दिन-प्रतिदिन अनुत्पादक प्रतीत होने लगे, तो देश व समाज के प्रबुद्ध लोगों का चिंतित होना स्वाभाविक है। इसलिए आज संसद में जाति के सवाल पर भाजपा नीत एनडीए और कांग्रेस नीत इंडिया ब्लॉक के बीच जो सियासी जंग छिड़ी हुई है, उसके पीछे के राजनीतिक मायने को समझने और आमलोगों को समझाने की जरूरत है। पहला, चूंकि राजनीतिक दलों के लिए जाति अब सामाजिक ध्रुवीकरण का औजार और सियासी गोलबंदी का हथियार बन चुकी है, इसलिए उसे सकारात्मक नजरिए से देखे जाने की जरूरत है, न कि नकारात्मक तरीके से। हां, अब जाति के परिप्रेक्ष्य में वह मुद्दा उठाने की जरूरत है, जिससे राजनीतिक दल और उसके चतुरसुजान नेता अब तक बचते आए हैं। जैसे- साधुओं की जाति, वर्णसंकर लोगों की जाति और अंतरधार्मिक विवाह रचाने वाले लोगों और उनकी संततियों के धर्म का मुद्दा आदि सबसे अहम है। दूसरा, जातीय या धार्मिक आरक्षण को भी सकारात्मक दृष्टिकोण से देखे जाने की दरकार है, न कि नकारात्मक तौर पर। क्योंकि गुलाम भारत से लेकर आजाद भारत में जाति और धर्म को लेकर जितने भी कानून बनाए गए, वो सब अंतर्विरोधाभाषों से भरे पड़े हैं। जिसकी वजह से उनमें स्पष्टता का अभाव तो है ही, लोकतंत्र की मूल भावना स्वतंत्रता, समानता और बंधुत्व भी नदारत है। इस स्थिति के लिए हमारे राजनेता और नौकरशाह दोनों ही जिम्मेदार हैं। लेकिन इस स्थिति को बदलने का साहस किसी भी राजनीतिक दल में नहीं दिखा, जिससे राष्ट्रीय हित और पेशेवर गुणवत्ता गहरे तक प्रभावित होती आई है जिससे वैश्विक मुकाबले में भारत पिछड़ता चला आया। तीसरा, जाति और धर्म के आधार पर बने कानूनों में व्याप्त विसंगतियों और इससे प्रभावित हो रहे सामान्य जनजीवन के खिलाफ स्वतः संज्ञान न लेकर न्यायविदों ने भी ह्यकालीदासी विद्वत्ताह्ल का ही परिचय दिया है। जिस देश में वह लोकतांत्रिक न्याय दे रहे हैं, वहीं पर जब कानूनी व न्यायिक प्रावधान व्यक्ति विशेष की स्वतंत्रता, समानता व बंधुत्व की पारस्परिक भावना को मुंह चिढ़ाने लगें, तो समझा जा सकता है कि मत समानता रहने के बावजूद पीड़ित व प्रभावित व्यक्ति कितना असहाय महसूस कर रहा होगा। खास बात यह कि इस देश में जाति और जातीय आरक्षण की जो अवधारणा तय की गई है, सवर्ण-पिछड़ा-दलित-आदिवासी और उनकी गरीबी के अलावा अल्पसंख्यक-बहुसंख्यक के जो मानदंड तय किये गए हैं, वो तार्किक कम, प्रतिशोधी ज्यादा प्रतीत होते हैं। लेकिन क्या मजाल कि कोई इन्हें गलत ठहरा दे या उनमें संशोधन की बात करे। इससे तो यही लगता है कि संविधान निमार्ताओं से लेकर संविधान के कथित संरक्षकों और संसद में पिछले लगभग 8 दशक से बैठ रहे अधिकांश माननीयों ने जनतांत्रिक कुएं में पड़ी भांग पी ली है, जिन्हें तर्क और तथ्य से कोई वास्ता नहीं, बस पददलित जनमानस पर निरंतर बिहंसते जा रहे हैं चतुर्थ, कुछ यही हाल राष्ट्र में जनमत निर्धारण करने में अमूल्य सहयोग देने वाली समग्र मीडिया इकाइयों और उसके अदूरदर्शी सम्पादकों का भी है, जिन्होंने वस्तुनिष्ठ पत्रकारिता की बजाय पक्षधरता भरी रिपोर्टिंग की और नीर-क्षीर विवेक वाक विद्या को सियासतदानों के मन के मुताबिक जैसे तैसे परिभाषित किया। इससे जहां जनता गफलत में रही, वहीं संवैधानिक सिपहसालार मजे में! परन्तु कोढ़ में खाज यह कि जाति/सम्प्रदाय जैसे जनहित के मुद्दे जहां के तहां मील के पत्थर की तरह यथावत बने रहे। इसलिए हमारे राजनेता अपने मन के मुताबिक इनकी तरह तरह की व्याख्या करने में सफल हो जाते हैं, जिससे राष्ट्रहित प्रभावित होता है।

पांचवां, फिलवक्त भारतीय संसद के निम्न सदन लोकसभा में कांग्रेस सांसद और नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी पर निशाना साधते हुए भाजपा सांसद और पूर्व केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर ने जातीय जनगणना के मुद्दे पर जो कुछ भी कहा, वह यदि सही नहीं है तो ज्यादा गलत भी नहीं है! लिहाजा, इस मुद्दे पर आधुनिक सोच विकसित करनी चाहिए। साथ ही कतिपय संवैधानिक/कानूनी कमियों को दूर किया जाना चाहिए, ताकि कभी भारतीय समाज को माला की तरह जोड़ने वाली जाति प्रथा आरक्षण उत्प्रेरित सामाजिक टूट की वजह न बन जाये। जैसा कि महसूस किया जा रहा है इसलिए आरक्षण के आधार को जाति-धर्म-भाषा नहीं बल्कि आर्थिक आधार का किया जाना चाहिए, इसे रोटेशनल बनाकर सबको लाभान्वित किया जाना चाहिए, जो न्यायिक तर्क/वितर्क के मद्देनजर आसान नहीं लगता है। छठा, उल्लेखनीय कि 30 जुलाई 2024 मंगलवार को अनुराग ठाकुर ने राहुल गांधी पर तंज कसते हुए कहा कि, जिन्हें अपनी जाति के बारे में भी नहीं पता है वो जाति जनगणना की बात करते हैं। यह बात एक हद तक सही भी प्रतीत हो रही है! इसलिए ऐसे लोगों की जाति व धर्म के लिए भारत में स्पष्ट कानूनी प्रावधान तय किए जाने की जरूरत है, जो तर्क और तथ्य की कसौटी पर खरा हो। क्योंकि वैदिक जाति या धर्म की अवधारणा पूरी तरह से वैज्ञानिक है, जिसकी उपेक्षा संवैधानिक भारत में होना आम बात बन चुकी है। सातवां, राहुल गांधी पर सदन में हमला बोलते हुए अनुराग ठाकुर ने इसके पहले ये भी कहा था कि असत्य के पैर नहीं होते हैं, जिसके चलते ये कांग्रेस के कंधे पर सवारी करता है। जैसे मदारी के कंधे पर बंदर सवारी करता है, वैसे ही राहुल गांधी के कंधे पर असत्य का बंडल होता है। तभी तो अनुराग ठाकुर की इन टिप्पणियों पर सदन में हंगामा बढ़ गया। इसलिए सीधा सवाल है कि अनुराग ठाकुर के इस बयान के बाद सदन में जो जमकर हंगामा शुरू हो गया और कांग्रेस के सांसद वेल में आकर प्रदर्शन करने लगे, वह कितना जायज है? क्या इसे टाला नहीं जा सकता है। यदि जनप्रतिनिधिगण हंगामा करने के बजाय तत्सम्बन्धी कानून बनाने की मांग करें तो ऐसे विरोधाभासों को टाला जा सकता है। आठवां, संयुक्त विपक्ष हंगामा करने के बजाय उन लोगों की एक अलग जातीय कोटि व धार्मिक कोटि बनाने की मांग करे, जिनके माता-पिता भिन्न-भिन्न जातियों या सम्प्रदायों से है, क्योंकि उनकी संतान वर्णसंकर हुई। चूंकि भारतीय समाज पितृसत्तात्मक समाज है, इसलिए यहां पिता की जाति या धर्म को स्वीकार करने की परम्परा प्रचलित है, जो तर्क और तथ्य की कसौटी पर पूरी तरह से गलत है। क्योंकि इससे सम्बन्धित जाति/धर्म का मूलगुण दूषित/भ्रमित होता है।

अकेले कोचिंग सेंटर ही ज़िम्मेदार नहीं!

रजनीश कपूर

देश की शिक्षा व्यवस्था में ऐसी क्या कमी है कि विद्यार्थियों को एक्स्ट्रा कोचिंग लेनी पड़ती है? स्कूल और कॉलेज के पाठ्यक्रम को ऐसा क्यों नहीं बनाया जाता कि जिस भी विद्यार्थी को सिविल सेवाओं या अन्य किसी विशेष सेवा में जाना हो तो उसे उसी के कॉलेज में वह शिक्षा मिले? यदि एक्स्ट्रा कोचिंग जरूरी हो तो भी तमाम कोचिंग सेंटर को मौजूदा स्कूल और कॉलेजों में ही क्यों न चलाया जाए?

देश की राजधानी दिल्ली में कोचिंग सेंटर में हुए हादसे ने सभी को हिला दिया है। जिसे देखो वो कोचिंग सेंटर के संचालकों पर उँगली उठा रहा है। जबकि ऐसे हादसों में केवल उनकी गलती नहीं होती। यह बात जग-जाहिर है कि हर एक कोचिंग सेंटर के साथ एक संगठित क्षेत्र जुड़ा होता है। फिर वो चाहे वहाँ पढ़ने वाले विद्यार्थियों के रहने के लिए हॉस्टल व्यवस्था हो, भोजन व्यवस्था वाले हों, किताब की दुकानें हों या अन्य संबंधित व्यवस्था प्रदान करने वाले हों। परंतु जब भी कभी कोई हादसा होता है तो केवल कोचिंग सेंटर को ही कटघरे में क्यों लाया जाता है? क्या कोचिंग सेंटर चलाने की अनुमति प्रदान करने वाली एजेंसियाँ इसकी ज़िम्मेदार नहीं हैं? दिल्ली के राजेंद्र नगर में हुए राउस आईएएस स्टडी सेंटर के हादसे के बाद से ही देश भर में कोचिंग सेंटर चलाने वाली कई नामी संस्थाएँ सवालों के घेरे में आ गई हैं। इन पर आरोप है कि ये नियम और कानून के अनुसार अपने कोचिंग सेंटर नहीं चलाते। एक-एक कक्षा में क्षमता से ज्यादा विद्यार्थी भर्ती कर लेते हैं। दिल्ली जैसे महानगर में देश के कोने-कोने से आए हुए विद्यार्थियों को छोटे-छोटे पिंजरों में रहने को मजबूर होना पड़ता है। दिल्ली के रिहायशी इलाकों की तंग गलियों में भी क्षमता से अधिक लोग दिखाई देते हैं।

ऐसे में कोचिंग सेंटर और उनसे जुड़े अन्य उद्योग, जैसे कि ह्यपेइंग गेस्टह्ल, हॉस्टल, किताब घर, छोटे-छोटे ढाबे आदि नियम और कानून की परवाह किए बिना अधिक से अधिक विद्यार्थियों की सेवा में लग जाते हैं। यहाँ सवाल उठता है कि क्या ये सब रातों-रात हो जाता है? क्या स्थानीय पुलिस, नगर निगम आदि सोते रहते हैं? क्या इन सभी को कोई टोकता नहीं है? सबसे पहले बात करें पुलिस की। एक पुलिस अधिकारी से बात करने पर पता चला कि जैसे ही कोई अपने रिहायशी मकान में या नगर निगम द्वारा मान्यता प्राप्त दुकान में कुछ भी छेड़-छाड़ करता है, तो पुलिस की ज़िम्मेदारी केवल नगर निगम को इत्तला देने की होती है। इस इत्तला की जानकारी पुलिस को अपने रोजनामचे में भी करनी चाहिए। पुलिस के अनुसार यदि इत्तला देने के बावजूद नगर निगम अधिकारी कोई कार्यवाही नहीं करते तो पुलिस उसी हिसाब से रोजनामचे में एंट्री कर देती है। जब तक कि किसी भी तरह की कानून व्यवस्था की समस्या न हो पुलिस अपनी सीमित ज़िम्मेदारी निभाती है। परंतु क्या ऐसा वास्तव में जमीनी स्तर पर होता है? अब बात करें नगर निगम की। क्या पुलिस द्वारा इत्तला किए जाने पर निगम के अधिकारी उचित कानूनी कार्यवाही करते हैं या देश भर के नगर निगमों में व्याप्त भ्रष्टाचार के मकड़ जाल का हिस्सा बन वे भी अनदेखी कर देते हैं। यदि कभी कार्यवाही करनी भी पड़े तो केवल औपचारिकता निभा कर छोटा-मोटा हथौड़ा चला देते हैं। परंतु वास्तविकता कुछ और ही है। करीब तीस वर्षों से एक निजी कोचिंग सेंटर चालाने वाले मेरे एक मित्र ने मुझे जो बताया वो हतप्रभ करने वाली जानकारी है। उनके अनुसार जब भी और जहां भी एक कोचिंग सेंटर खुलता है वहाँ एक पूरा तंत्र सक्रिय हो जाता है। इस तंत्र का हिस्सा हर वो व्यक्ति होता है जो कोचिंग सेंटर के चलने के हर पहलू का ध्यान रखता है।

भारत जैसे देश में जहां किसी भी क्षेत्र में अगर कोई कामयाब हो जाता है तो उस दिशा में भेड़-चाल शुरू हो जाती है। हमारे देश में विभिन्न एजेंसियों के अधिकारियों पर लापरवाही करने पर कड़ी सजा का प्रावधान क्यों नहीं है, जिससे सबक लेकर अन्य अधिकारी ऐसी गलती न करें? इस हादसे की यदि एक निष्पक्ष जाँच हो तो सभी तथ्य सामने आ जाएँगे। यदि ऐसा होता है तो बरसों से चले आ रहे इस भ्रष्ट तंत्र का हिस्सा बने अधिकारी और नेताओं का भी भंडाफोड़ हो सकता है।

गौरतलब है कि देश की शिक्षा व्यवस्था में ऐसी क्या कमी है कि विद्यार्थियों को एक्स्ट्रा कोचिंग लेनी पड़ती है? स्कूल और कॉलेज के पाठ्यक्रम को ऐसा क्यों नहीं बनाया जाता कि जिस भी विद्यार्थी को सिविल सेवाओं या अन्य किसी विशेष सेवा में जाना हो तो उसे उसी के कॉलेज में वह शिक्षा मिले? यदि एक्स्ट्रा कोचिंग जरूरी हो तो भी तमाम कोचिंग सेंटर को मौजूदा स्कूल और कॉलेजों में ही क्यों न चलाया जाए? यदि ऐसा किया जाए तो कोचिंग सेंटर चलाने वालों को भी एक व्यवस्थित जगह मिल जाएगी और विद्यार्थियों को भी एक खुले वातावरण में पढ़ने का मौका मिलेगा। मौजूदा कोचिंग सेंटर में जहां प्रति कक्षा लगभग 500 विद्यार्थी बैठते हैं उस पर भी रोक लगेगी। अच्छे व काबिल शिक्षकों को भी रोजगार मिलेगा। यदि अतिरिक्त शिक्षक भर्ती न किए जा सकें तो आजकल के सूचना प्रौद्योगिकी के युग में एक नियंत्रित ढंग से उसी बिल्डिंग में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से विभिन्न कक्षाओं को एक साथ चलाया जा सकता है।

तो अब अदालत को भी पलटने का हक

कुछ लोग और राजनीतिक दल इस फैसले से खुश हैं तो कुछ नाखुश, क्योंकि अदालत ने अपने डेढ़ दशक पुराने फैसले को पलटते हुए कोटे के भीतर आरक्षण कोटा तय करने का अधिकार राज्यों को दे दिया है, शीर्ष अदालत का फैसला जहां आरक्षण विरोधी संघ, भाजपा और कुछ अन्य दलों के एजेंडों पर कुठाराघात है वहीं कुछ दलों के लिए राजनीति चमकने का अवसर भी। हमारे देश में जैसे जाति एक हकीकत है वैसे ही आरक्षण भी एक हकीकत है। आजादी के बाद से ही ये देश आरक्षण और जातियों के बीच झूल रहा है या कहिये पिस रहा है। कुछ लोग और दल चाहते हैं कि अब देश में जाति और और जातिगत आरक्षण हमेशा के लिए समाप्त कर दिया जाये क्योंकि ये दोनों ही बराबरी और विकास के सबसे बड़े दुश्मन है। जबकि कुछ लोग चाहते हैं कि जब तक समाज में आर्थिक बराबरी न आ जाये तब तक जाती का तो पता नहीं किन्तु आरक्षण को बनाये रखना चाहिए। जाती को लेकर हमारे समाज की मान्यताएं भी भिन्न है। कोई कहता है कि जाति न पूछो साधू की, पूछ लीजिये ज्ञान, तो कोई कहता है जाति-पांत पूछे नहीं कोय, हरि को भजे सो हरि को होय। इसके बाद भी हमारी संसद में आज भी जाति पूछी जातीं है और निर्ममता से पूछी जाती है। बात एकदम ताजा है। शीर्ष अदालत (सुप्रीम कोर्ट) ने 2004 के ईवी चिन्नैया केस में दिए गए अपने ही फैसले को पलटते हुए कहा कि राज्यों को अजा-अजजा कैटिगरी में सब-क्लासिफिकेशन का अधिकार है। साथ ही कोर्ट ने कहा कि इसके लिए राज्य को डेटा से यह दिखाना होगा कि उस वर्ग का अपर्याप्त प्रतिनिधित्व है। जस्टिस बी. आर. गवई समेत चार जजों ने यह भी कहा कि अजा-अजजा कैटिगरी में भी क्रीमीलेयर का सिद्धांत लागू होना चाहिए। मौजूदा समय में क्रीमीलेयर का सिद्धांत सिर्फ ओबीसी में लागू है। सात जजों की बेंच ने 6-1 के बहुमत से फैसला सुनाया। जस्टिस बेला एम. त्रिवेदी का फैसला अलग था।

अब सवाल ये है कि क्या नेताओं की तरह अदालतें भी अपने फैसले समयानुसार बदल सकतीं हैं? मेरे हिसाब से बिलकुल बदल सकतीं हैं, क्योंकि फैसले व्यक्ति करते हैं, मशीनें नहीं। यदि शीर्ष अदालतों में फैसले मशीनें करतीं तो मुमकिन है कि वे अपने ही फैसले न बदलतीं लेकिन जब व्यक्ति फैसले करते हैं तो उन्हें फैसले बदलने का हक है। क्योंकि कोई भी फैसला समीक्षा के योग्य होता है और सौ फीसदी सही नहीं होता। उसमें संशोधन की गुंजाइश हमेशा बनी रहती है। अर्थात फैसले बदलने का हक केवल इस देश के नेताओं को ही नहीं अपितु अदालतों को भी है। वे जनमानस के मनोभावों के अनुरूप चलतीं है। कानून और साक्ष्य तथा तर्क-वितर्क अदालतों को फैसला करने में सहायक होते हैं।

याद कीजिये कि यही मामला जब पहले शीर्ष अदालत में आया था तब सुप्रीम कोर्ट सुप्रीम कोर्ट ने कहा था कि राज्यों को सब-क्लासिफिकेशन करने की इजाजत नहीं है। लेकिन अब उसी सुप्रीम कोर्ट के छह जजों ने इस फैसले को पलट दिया। हालांकि, जस्टिस बेला त्रिवेदी ने छह जजों से असहमति जताई। चीफ जस्टिस की अगुआई वाली सात जजों की बेंच ने कहा है कि अनुसूचित जाती के सब-क्लासिफिकेशन से संविधान के अनुच्छेद-14 के तहत समानता के अधिकार का उल्लंघन नहीं होता है। साथ ही कहा कि इससे अनुच्छेद-341 (2) का भी उल्लंघन नहीं होता है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा है कि अनुच्छेद-15 और 16 में ऐसा कोई प्रावधान नहीं है जो राज्यों को रिजर्वेशन के लिए जाति में सब-क्लासिफिकेशन से रोकता है।

सुप्रीम कोर्ट यानि शीर्ष अदालत शीर्ष ही होती है। वो बहुत सोच-विचार के बाद बहुमत से फैसले करती है। सुप्रीम कोर्ट में बहुमत चलता है, ध्वनिमत नहीं। सबको अपने फैसले करने का अधिकार है। सहमति के साथ ही असहमति का भी सम्मान किया जाता है। भले ही असहमति को सहमति के आगे नतमस्तक होना पड़ता है। फैसले करने का ये लोकतंत्र यदि हमारी संसद में भी हो तो न कोई किसी की जाति पूछे और न कोई किसी पर आखें तरेरे। लोकतंत्र बहुमत से चलता है तानाशाही से नहीं।

शीर्ष अदालत ने अपना ही फैसला बदलने में पूरे बीस साल का समय लिया। इसलिए आप ये नहीं कह सकते कि ये फैसला जल्दबाजी का फैसला है। फैसला आखिर फैसला है। इसे अब केवल देश की संसद नया कानून बनाकर बदल सकती है। और अतीत में सरकारें अदालतों के फैसलों के खिलाफ नए कानून बनाती रहीं हैं। इसीलिए अदालतों के फैसलों का कभी स्वागत किया जाता है तो कभी विरोध। इस फैसले का भी कुछ लोग विरोध कर रहे हैं और उनके अपने तर्क भी है। संविधान निमार्ता डॉ भीमराव अम्बेडकर के पौत्र प्रकाश अम्बेडकर को शीर्ष अदालत का ये फैसला अच्छा नहीं लगा। वे कहते हैं कि अदालतों को अजा-अजजा के वर्गीकरण का अधिकार नहीं है। ये काम संसद ही कर सकती है।

डॉ भीमराव अम्बेडकर के पौत्र प्रकाश वंचित अघाड़ी पार्टी चलाते हैं। लेकिन वे आरक्षण विषेशज्ञ भी हैं, ऐसा मै नहीं मानता। बाबा साहब के पौत्र होने का अर्थ प्रकाश का भी संविधान विशेषज्ञ होना नहीं है। वे राजनीतिक दृष्टि से सोचते है। जिस दिन उनका बहुमत संसद में हो जाएगा, वे शीर्ष अदालत का फैसला बदलने या बदलवाने के लिए स्वतंत्र होंगे। फिलहाल तो शीर्ष अदालत के इस फैसले से कहीं खुशी, कहीं गम का माहौल है। ऐसा होता है। जैसे श्रीकृष्ण जन्मभूमि के विवाद में आये इलाहबाद हाईकोर्ट के फैसले के बाद भी हुआ है।

आरक्षण के मुद्दे पर राजनीतिक दल हों या दलों को राजनीति सीखने वाले संघ, अपनी सुविधानुसार रंग बदलते आये हैं। जो आरएसएस कभी आरक्षण का प्रबल विरोध करता है वो ही संघ आरक्षण का समर्थन करने लगता है। यही हाल सत्तारूढ़ भाजपा और अन्य दलों का है। इसलिए कम से कम मै तो शीर्ष अदालत के फैसले से मुतमईन हूँ। मै जानता हूँ की शीर्ष अदालत के इस ताजा फैसले के बाद भी राजनितिक दल और नौकरशाही बीच का कोई रास्ता निकल कर अपना उल्लू सीधा करने की कोशिश जरूर करेंगे। ये उनका काम है। अदालत ने अपना काम किया है। आरक्षण की मलाई और छाछ को लेकर ये द्वन्द भी उतना ही सनातन हो चुका है जितनी सनातन हमारी आरक्षण विरोधी और

राकेश अचल
लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं

पक्ष-विपक्ष को टकराव की राजनीति से दूर रहना चाहिए

डा. भरत मिश्र प्राची

वर्तमान में संसद में सत्ता पक्ष एवं विपक्ष के बीच अनर्गल, बेलगाम बोल के कारण दिन पर दिन अपसी टकराव की स्थिति बढ़ती जा रही है जो लोकतंत्र के हित में कदापि नहीं। सत्ता पक्ष एवं विपक्ष दोनों को जनता ने जनमत आपस में टकराकर संसद काल का स्वर्णिम अवसर गवाने के लिये नहीं दिया बल्कि सकरात्मक बहस कर देशहित में सही कदम उठाने के लिये दिया है। सत्तापक्ष यदि मनमानी करता है, जनहित में उचित कदम नहीं उठाता है तो विपक्ष को विरोध करने का पूरा पावर जनता ने दे रखा है। विपक्ष की मांग पर पहल करना सत्तापक्ष का नैतिक दायित्व है। पर आजकल दोनों का नजरिया ही बदल गया है। जिसके वजह से आपसी टकराव की स्थिति दिन पर दिन बढ़ती जा रही है जिसें जनता के द्वारा चुने गये जनप्रतिधि सांसद के बेलगाम बोल आग में घी का काम कर रहे है।

अभी हाल हीं में संसद में चल रही चर्चा के दौरान विपक्ष नेता राहुल गांधी द्वारा जातीय जनगणना कराये जाने के मुद्दे पर सत्ता पक्ष के केन्द्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर का किसी की भावना को ठेस पहुंचाने वाला बयान कि जातीय जनगणना की बात करने वाले को अपनी जाति का ही पता नहीं, आपसी टकराव का कारण बन गया है। इस मुद्दे पर देश भर में विरोध की लहर उठ खड़ी हुई है जो देशहित में कदापि नहीं। इस तरह के अनर्गल बयान से जो किसी की भावना को ठेस पहुंचाये, सम्मानीय जनप्रतिनिधि सांसद को बचना चाहिए।

जनता ने इस बार सत्ता पक्ष का जनमत का आकड़ा पहले से कम कर दिया है तथा विपक्ष को पहले से ज्यादा जनमत देकर मजबूत विपक्ष बनने का सुअवसर दिया है, इस बात को विपक्ष को नजरअदांज नहीं करना चाहिए। सत्ता पक्ष को मालूम है कि आज सत्ता वैसाखी पर टिकी है जो कभ भी धराशायी हो सकती है, उसके सामने एक तगड़ा विपक्ष सीना ताने खड़ा है। इस तरह के हालात में लोकतंत्र तभी सही रह सकता जब सांसद अपनी मयार्दा में रहें, अनर्गल बोल से बचे,

पक्ष-विपक्ष टकराव की राजनीति से दूर रहें, सत्ता पक्ष के सही कदम पर विपक्ष समर्थन देकर सकरात्मक विपक्ष की भूमिका निभाए, सत्ता पक्ष भी विपक्ष की बातें सुने, विचार करें एवं उसपर अमल करे तभी जनादेश का सही आदर हो सकेगा, लोकतंत्र सही चल सकेगा। सत्ता तो आज इधर है तो कल उधर, इस यर्थात को सभी को समझना होगा। देश एवं जनहित में जरूरी है कि पक्ष विपक्ष आपसी टकराव की राजनीति से दूर रहें।

संक्षिप्त खबरें

पेंड़ गिरने से सड़क जाम, हुई परेशानी

लहलादपुरः प्रखंड क्षेत्र के ताजपुर में सहाजितपुर-ताजपुर मुख्य सड़क पर पकड़ी का विशाल पेंड़ गिर जाने से बृहस्पतिवार की संध्या से ही सड़क जाम हो गयी है. ग्रामीणों के अनुसार बृहस्पतिवार की संध्या तेज हवा के झोंका से पकड़ी का विशाल पेंड़ सड़क के बीचो-बीच गिर गया. गनीमत यह था कि हवा के साथ वर्षा भी था, इसलिए लोगों का आवागमन नहीं था, अन्यथा एक गंभीर घटना घट सकती थी. फिर भी सावन का तेरस (त्रयोदशी) होने के कारण श्रीढोंधनाथ मदिर जाने वाले शिवभक्तों) को रास्ता बदल कर जाने में भारी परेशानी उठानी पड़ी. हालांकी पप्पु खां, शाहिद राजा खां जैसे अन्य कई समाजासेवियों के सहयोग से सड़क से पेंड़ हटाने का प्रयास किया जा रहा है. बताते चलें कि गंडकी नदी पर बने दो-दो पुल धारासायी हो जाने से इसबार सावन महीने में श्रोढोंढ़नाथ मंदिर में उत्तर दिशा से आने वाले शिव भक्तों को भारी कठिनाइयों का सामना करना पड़ा. समाचार प्रेषण तक सड़क चालु नहीं हुआ था

सावन के तेरस को हजारों ने किया शिव का जलाभिषेक

लहलादपुरः प्रखंड क्षेत्र अंतर्गत स्थित श्रीढोंढ़नाथ मंदिर में सावन के तेरस के सुअवसर पर शुक्रवार को हजारों शिवभक्तों ने भगवान शिव का जलाभिषेक किया. भारी भीड़ को देखते हुए प्रशासन की ओर से पूरकस व्यवस्था की गयी थी.सभी शिवभक्तों ने सेमरिया के नाथ जी घाट से सरयू नदी का पवित्र गंगाजल कांवर में भर कर श्रीढोंढ़नाथ मंदिर आये और ढोंढ़नाथ बाबा का जलाभिषेक किये. काँवरियों को आराम करते हुए ढोंढ़स्थान पहुँचने के लिये रास्ते में कोपा, पियानो, बनवार, कोहड़ा बाजार, नसीरा, कटेंया, फुचुटी, सेंदुआर, दयालपुर सहित दर्जनों जगहों पर कांवर स्टैंड ग्रामीण श्रद्धालुओं ने बनवाया है. सभी कैंवरिया रुकते-ठहरते मंदिर पहुंच रहे हैं. इसलिये समाचार प्रेषण तक शिवभक्तों के आने का तांता बना हुआ था

एसएसबी ने तस्करी के 6 बैल किया पुलिस के हवाले

बगहा। इंडो नेपाल सीमा रहुआ टोला कैम्प के एसएसबी जवानों ने नेपाल से तस्करी कर लाए जा रहे 6 बैलों को पकड़ वाल्मीकिनगर पुलिस के हवाले कर दिया है। एसएसबी के सहायक उप निरीक्षक जसवंत सिंह ने थाना में प्रेसित सुपुर्द आवेदन के माध्यम से बताया कि रहुआ टोला जंगल की तरफ से जहाँ रात्रि गश्ती कर रहा था। करीब 4 बजे विवादित सुस्ता के तरफ से कुछ तस्करों के द्वारा लाए जा रहे बैलों को देखा।लेकिन नाका गश्ती टीम को देखते ही तस्कर घने जंगल और अंधेरे का फायदा उठाते हुए भाग निकलने में कामयाब रहे। जब आसपास देखा तो कोई भी नजर नहीं आया। बैलों की संख्या 6 थी जिसमे काले रंग का 2,सफेद रंग का 3 और भूरे रंग का एक कुल 6 बैलों को बरामद किया,जिसे वाल्मीकिनगर पुलिस के हवाले कर दिया।

नदी घाटी योजना हाई स्कूल के लाइब्रेरी से तक्षक नाग सांप का रेस्क्यू

बगहा। वाल्मीकिनगर स्थित एक मात्र हाई स्कूल नदी घाटी योजना उच्च विद्यालय के लाइब्रेरी से एक तक्षक नाग सांप का वन कर्मियों की रेस्क्यू टीम ने रेस्क्यू कर पकड़ लिया जिसे वीटीआर जंगल मे सुरक्षित छोड़ दिया। बतादें की तक्षक नाग सांप को लाइब्रेरी की दीवार पर रेंगते देख किसीने शोसल मीडिया साइट पर वीडियो वायरल कर रेस्क्यू टीम भेजने की गुहार लगाई।तत्काल रेस्क्यू टीम हाई स्कूल पहुंचकर तक्षक सांप का रेस्क्यू कर लिया। न्यूज़ संस्था के प्रोजेक्ट मैनेजर अभिषेक की माने तो यह सांप एक स्थान से दूसरे जगह तक हवा में तैरते हुए पहुंचे की कला में माहिर होते है। ये ज्यादा जहरीला नहीं होता है इसके काटने से आदमी के पेट मे दर्द,उल्टी व चक्कर आने लगता है कुछ देर के लिए पीड़ित व्यक्ति बेहोश हो जाता है मगर उसकी मृत्यु नहीं होती है।

जलालपुर में लागातार 15 घंटे से बिजली बाधित, उपभोक्ता परेशान

कोपा। जलालपुर प्रखण्ड के दो दर्जनों से अधिक गाँव मे लागातार 15 घंटा से बिजली बाधित रहने के कारण आम जन जीवन अस्त ब्यस्त हो गया।तो दूसरी तरफ शुद्ध पेय जल की समस्या उत्पन्न होने लगी चतरा पावरसब स्टेशन अंतर्गत अनवल,बेलकुंडा,चतरा, जलालपुर, आईटीबीपी, फिडर बंद होने के कारण ब्रहस्पति को दोपहर से ही दो दर्जनों से अधिक गाँव मे लागातार 15 घंटा बिजली गुल रहा वही पदाधिकारी के नाकारात्मक रवैया को लेकर लोगों में काफी आक्रोश देखने को मिला जहां हल्की बारिश के कारण 15 घंटा 20 घंटा बिजली बाधित हो रहा है। लाइन ब्रेक डाउन हो जाता है।चतरा पावरसब स्टेशन अंतर्गत दर्जनों लाइन मैन की मौजुदगी रहने के बाद भी 20,घंटा 24,घटा लागातार बिजली बाधित रहना विभाग पर सवलिया निशान खड़ा हो रहा है।लागातार बिजली बाधित रहने से बच्चों के पढ़ाई लिखाई ग्रमीणों उमेश प्रसाद,कमखया नरायन यादव,मनोज यादव, बागेस्त्री तिवारी,निरशुनरायन प्रसाद,कुन्दन कुमार सराफ ने बताया कि बिजली बाधित के सम्बंध में जलालपुर जेई चन्दन कुमार के दर्जनों बार फोन किया गया लेकिन जेई फोन नही उठाते है।

भारतीय रसायन विज्ञान के जनक आचार्य प्रफुल्ल चंद्र रे की 163वीं जयन्ती मनी

महाविद्यालय परिवार से जुड़े सदस्यों ने उनके योगदान की चर्चा की

प्रात: किरण, संवाददाता

छपरा कार्यालय। भारतीय रसायन विज्ञान के जनक आचार्य प्रफुल्ल चंद्र रे की 163 वीं जयंती नंदलाल सिंह महाविद्यालय जैतपुर- दाउदपुर सारण के रसायन विज्ञान विभाग के सभागार में प्राचार्य प्रोफेसर के पी श्रीवास्तव की अध्यक्षता में मनाई गई । जयंती पर याद करने वाले विद्वान प्राध्यापकों में प्रोफेसर डॉ के पी श्रीवास्तव (प्राचार्य) ,प्रोफेसर डॉ आफताब आलम डॉ उपेंद्र कुमार डॉ स्वर्गदीप शर्मा, डॉ आशीष कुमार ,डॉ शेखर कुमार, डॉ अमृत प्रजापति, डॉ चंद्रभान राम, डॉ प्रवीण पंकज ,डॉ संजय कुमार, डॉ आशीष प्रताप सिंह, डॉ मनोज कुमार ,डॉ राकेश रंजन ,डॉ रमेश कुमार, डॉ इंदु कुमारी ,डॉ रूबी चन्द्रा आदि कर्मचारी गण उपस्थित थे । उनके जीवन पर प्रकाश डालते हुए प्रोफेसर डॉ के पी श्रीवास्तव ने कहा कि आचार्य प्रफूल्ल चन्द्र रे ने 22 वर्ष की अवस्था में विदेश से डिग्री प्राप्त कर 28 वर्ष की आयु में उन्होंने कलकत्ता के प्रेन्सीडेन्सी कालेज में रसायन विज्ञान के (सहायक प्राध्यापक)नियुक्त किये गए।उन्होंने 10 पुस्तकों का संपादन किया एवं 150 रिसर्च पेपर भी लिखा था। उन्होंने मरक्यूरस नाइट्राइट और कई अकार्बनिक यौगिकों पर शोध कार्य किया था।1920 में वे भारतीय राष्ट्रीय विज्ञान कांग्रेस के अध्यक्ष रूप में मनोनीत किए गए । इंडियन केमिकल सोसायटी की स्थापना उन्होंने की । डॉ संजय कुमार, रसायन विज्ञान विभागाध्यक्ष ने कहा कि अभाव में रहकर भी उन्होंने जो कीर्तिमान रसायन विज्ञान में स्थापित किया उसका हम सभी ऋणी रहेंगे। उन्होंने बंगाल फार्मास्यूटिकल कंपनी की स्थापना की जो कि भारत की भी पहले फार्मास्यूटिकल कंपनी थी । डॉ प्रवीण पंकज ने कहा कि इतिहास गवाह है कि हमारी परंपरा गौरवशाली रही है इसके प्रत्यक्ष प्रमाण आचार्य प्रफुल्ल चंद्र रे हैं । जिन्हें भारतीय रसायन का पिता कहा जाता है। डॉ आशीष प्रताप सिंह ने कहा कि हमें आचार्य प्रफुल्ल चंद्र रे के जीवन से सीख लेनी चाहिए जो आने वाली पीढ़ी के लिए मार्गदर्शक साबित होगी। डॉ चन्द्रभान राम ने कहा कि भारतीय रसायन विज्ञान के जनक के रूप में हम आचार्य प्रफुल्ल चंद्र रे को जानते हैं। जिन्होंने विज्ञान के क्षेत्र में अपना बहुत बड़ा योगदान दिया। डॉ रुबी चंद्रा ने कहा कि प्रफुल्ल चंद्र रे साधारण परिवार में जन्म लेकर विज्ञान के क्षेत्र में जो उपलब्धि हासिल की उसे हम सभी जीवन में उतारे। हमें लोटस लाइफ को अपने जीवन में संधारण करना चाहिए। डॉ स्वर्ग दीप शर्मा ने धन्यवाद ज्ञापन दिया।

इसुआपुर में इलाज कराने आई महिला की हुई मौत, परिजनों ने काटा बवाल

प्रात: किरण, संवाददाता

इसुआपुर । इसुआपुर बाजार स्थित एक निजी अस्पताल में गुरुवार की देर संध्या प्रसव के दौरान एक महिला की मौत हो गई। इसके बाद परिजनों ने डॉक्टर श्रीमती मंजू वर्मा का नेम प्लेट लगे अस्पताल के सामने जमकर बवाल काटा। बताया जा रहा है कि मशरक थाना क्षेत्र के पचखंडा गांव के राजन शर्मा की 20 वर्षीया पत्नी रूपा देवी रुटीन चेकअप कराने के लिए इसुआपुर के एक निजी अस्पताल में आई थी। वह 8 महीने की प्रेग्नेंट थी। जहां नीम हकीम डॉक्टरों के द्वारा उसका प्रसव कराया जाने लगा। इसी बीच उस महिला की मौत हो गई। जिसके बाद आनन-फानन में मृतका के शव को उसके घर पहुंचा दिया गया। वहीं ऑपरेशन से जीवित निकली बच्ची को मशरक के किसी अस्पताल में रखे जाने की बात बताई जा रही है। लोगों का कहना था कि इसुआपुर में दर्जनों नर्सिंग होम नीम हकीम डॉक्टरों के द्वारा संचालित किया जाता है। जहां सर्जरी की अच्छी व्यवस्था नहीं होने के चलते आए दिन मरीजों की जान से खिलवाड़ किया जाता है। जिसके जिम्मेवार निजी नर्सिंग होम के संचालक हैं। जो बड़े-बड़े डॉक्टरों का नेम प्लेट लगाकर सुदुर देहात से आए गरीबों को निशाना बनाकर दलालों के माध्यम से मोटी रकम की कमाई करते हैं। इस तरह के नर्सिंग होम का रजिस्ट्रेशन भी नहीं है। लोगों का यह भी आरोप था कि जानकारी देने के बावजूद भी इसुआपुर पुलिस घटनास्थल पर नहीं पहुंची। परिजन देर रात तक हंगामा करते रहे। सीएचसी प्रभारी डॉक्टर तूलिका कुमारी ने बताया कि इस घटना की जानकारी मुझे हो गई है। जल्द ही कमिटी के द्वारा इसकी जांच कराई जाएगी।

पिकअप और ट्रक में हुई टक्कर पिकअप चालक का हाथ कटा, रेफर

प्रात: किरण, संवाददाता

इसुआपुर । सीमावर्ती बनियापुर थाना क्षेत्र के भकुरा कोल्ड स्टोरेज के पास गुरुवार की देर संध्या एक मालवाहक पिकअप भान तथा ट्रक की आमने-सामने टक्कर हो गई। जिसमें पिकअप भान के चालक इसुआपुर थाना क्षेत्र के इसुआपुर गांव के देव कुमार सिंह कुशवाहा के पुत्र ऋषि कुमार सिंह कुशवाहा बुरी तरह जख्मी हो गए। उनका एक हाथ कट कर अलग हो गया है। घटना की सूचना मिलते ही सीएचसी इसुआपुर के कर्मी देव कुमार पंडित तथा स्थानीय गुड्डू कुशवाहा घटनास्थल पहुंचकर अचेतावस्था में पड़े घायल को इलाज के लिए सीएचसी इसुआपुर ले गए। जहां से प्राथमिक उपचार के बाद गंभीर स्थिति में उसे छपरा सदर अस्पताल छपरा रेफर कर दिया गया । बताया जा रहा है कि ऋषि कुशवाहा गुरुवार की देर संध्या पिकअप टेंपू लेकर छपरा जा रहे थे। इसी बीच एस एच 90 स्थित भकुरा कोल्ड स्टोर के पास छपरा की तरफ से आ रहे अनियंत्रित ट्रक की चपेट में आ गए।

दस्त की होगी रोकथाम अभियान चलाकर लोगों को किया जा रहा है जागरूक

सदर अस्पताल से सिविल सर्जन ने प्रचार रथ किया रवाना

प्रात: किरण, संवाददाता

मोतिहारी। दस्त से होने वाले शिशु मृत्यु दर में कमी लाने के उद्देश्य सघन दस्त नियंत्रण पखवाड़ा का आयोजन चल रहा है। इसी क्रम में सदर अस्पताल मोतिहारी से सिविल सर्जन डॉ विनोद कुमार सिंह ने हरी झंडी दिखाकर प्रचार रथ रवाना किया। सघन दस्त नियंत्रण पखवाड़ा कार्यक्रम जिले में 22 सितंबर तक चलाया जाएगा। सिविल सर्जन डॉ विनोद कुमार सिंह ने रूट चार्ट के अनुसार सभी प्रखंडों में रथ द्वारा जागरूकता फैलाने का निर्देश दिया है। इस दौरान आशा व अन्य स्वास्थ्य कर्मियों द्वारा 02 से 06 वर्ष तक के उम्र के बच्चों के बीच निःशुल्क ओआरएस का वितरण किया जाएगा। दस्त से ग्रसित बच्चों के उपचार के लिए जिंक टेबलेट दिया जाएगा। इस दौरान माताओं को डायरिया नियंत्रण संबंधी जानकारी दी जाएगी। डायरिया बाल मृत्यु के प्रमुख कारणों में से एक है। राज्य में प्रति वर्ष लगभग 27 लाख बच्चे डायरिया से पीड़ित होते हैं जिनमें से कईयों की जान चली जाती है। एसीएमओ डॉ श्रवण कुमार पासवान ने बताया कि डायरिया का ससमय पहचान एवं उपचार आवश्यक है। डायरिया सामान्यतः जीवाणु या विषाणु के कारण होता है। यह बीमारी गंदे हाथों से भोजन, दूषित पानी या खाद्य पदार्थों के सेवन से फैलता है। डायरिया के प्रसार को रोकने के लिए हमें खुले में शौच से परहेज एवं शौच के बाद व खाने से पहले अपने हाथों को साबुन से अच्छी तरह धोना आवश्यक है। डीसीएम नंदन झा ने कहा कि डायरिया पर नियंत्रण के लिए 6 माह तक शिशु को केवल स्तनपान, पर्याप्त पूरक आहार और विटामिन-ए देने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि यदि बच्चे को डायरिया हो जाए तो 14 दिनों तक जिंक-ओआरएस का प्रयोग असरकारी होता है। सदर अस्पताल में डायरिया के उपचार की विशेष व्यवस्था है। इस मौके पर सिविल सर्जन डॉ विनोद कुमार सिंह, एसीएमओ डॉ श्रवण कुमार पासवान, डीपीएम ठाकुर विश्वमोहन, डीसीएम नंदन झा, पीएसआई और यूनिसेफ के जिला प्रतिनिधि व अन्य स्वास्थ्य कर्मी उपस्थित थे।

वार्ड पार्षद सुधांशु कुमार ने सड़क का किया शिलान्यास

प्रात: किरण, संवाददाता

परसाः-नगर पंचायत क्षेत्र के वार्ड 6 स्थित परसा थाना के समीप मुस्लिम वस्ति में पंद्रहवीं वित्त आयोग योजना अंतर्गत मजार से जुड़ने वाली मुख्य सड़क का लगभग 2 लाख 53 हजार की लागत से निर्माण कार्य का शिलान्यास वार्ड पार्षद सुधांशु कुमार उर्फ खद्दू,मुखिया प्रतिनिधि शशि राय व समाजसेविका कुसुम देवी ने पूजा अर्चना के उपरांत नारियल फोड़ कर किया।मौके पर वार्ड पार्षद सुधांशु कुमार ने कहा कि यह सड़क बन जाने से हजारों लोगों को आवागमन में सुविधा होगी जो जनहित में काफी बेहतर साबित होगी।उन्होंने कहा कि नगर पंचायत परसा के वार्ड 6 के सभी सड़कों की समस्या जल्द ही खत्म कर दी जाएगी।इस मौके पर ग्रामीणों ने वार्ड पार्षद सुधांशु कुमार व समाजसेविका कुसुम देवी को फूलमाला से स्वागत किया।तथा सड़क निर्माण कार्य की शुभारम्भ से ग्रामीणों में खुशी जाहिर किया।इस दौरान समाजसेविका कुशुम देवी,धुरी सिंह,प्रमोद मिश्रा,मिथुन कुमार, गणेश गुप्ता,संतोष साह, बद्री साह, मोतीलाल साह,जटा साह,उमेश कुमार सिंह,बबलू जायसवाल,उपेंद्र साह, कयामुद्दीन सहित कई लोग उपस्थित थे।

भाजपा नेताओं ने विद्युत अभियंता से समस्या को दूर करने का किया आग्रह

प्रात: किरण, संवाददाता

छपरा कार्यालय। सारण के सांसद राजीव प्रताप रूडी के निर्देश पर भाजपा जिला के मुख्य प्रवक्ता एवं छपरा विधानसभा के संयोजक धर्मेंद्र सिंह चौहान एवं छपरा विधायक प्रतिनिधि अनुरंजन प्रसाद ने विधुत अभियंता रितेश कुमार के कार्यालय में मिलकर रिविलगंज सहित छपरा शहर में बिजली की समस्या एवं कृषि के लिये सभी आन - लाइन कनेक्शन वालो को खेत तक जल्द पोल -तार पहुचाने को लेकर बिजली विभाग के अधिकारी इसके प्रति जागरूक नही होने को लेकर, जहा -जहा बिजली लोड अधिक है यहां के कनीय अभियंता से रिपोर्ट लेकर नया डीपी ट्रांसफार्मर लगाने के लिये , एनएच 19 ब्रह्मपुर से लेकर सेमरिया तक सड़क के सटे पेड़ बाँस के डहनिया का कटिंग कराया जाय। यह सब लिखित में दिया गया। विधुत अधीक्षक अभियंता रितेश कुमार ने सभी बातों को गम्भीरता से लेते हुए कहा कि जो भी काम है उसे जल्द पूरा करने का आश्वासन दिए उन्होंने रिविलगंज में बिजली कटौती एवं गरबरी को जल्द ठीक करने का हर संभव प्रयास जल्द किया जाएगा। बता दे कि सारण के सांसद राजीव प्रताप रूडी जी का अथक प्रयास से सारण में बिजली का आवाम परिवर्तन हुआ , आज सारण को बिहार में सबसे ज्यादा बिजली मिलता है यह अपने आप मे एक मिसाल है। सांसद रुडी जी के है कि हम सब आज बिजली का भरपूर ले रहे है। आज सारण में सबसे ज्यादा पीएसी 49 है। जो थोड़ा बहुत तकनीकी खराबी आया है वह सांसद रुडी जी सयंम लगे हुए है बहुत जल्द इस समस्या का समाधान कर लिया जाएगा। सांसद रुडी जी स्वास्थ्य, बिजली एवं सड़क उनके एजेंडा में पहली प्राथमिकता है। लगातार तीसरी बार सांसद बनने के बाद जिले के आला अधिकारियों के साथ बैठक किया है ।

गंडामन गांव के पीड़ित परिजनों को उचित पैसा दिलाने का किया आग्रह

प्रात: किरण, संवाददाता

छपरा कार्यालय। महाराजगंज,के सांसद जनार्दन सिंह सीग्रीवाल ने लोकसभा में महाराजगंज संसदीय क्षेत्र अंर्तगत सारण (छपरा) जिला के मशरक प्रखंड के धर्मासती गंडामन गाँव के प्राथमिक विद्यालय में दिनांक-16 जुलाई 2013 को विषाक्त भोजन खाने से 23 बच्चों की हुई मौत के बाद उन्हें आवास देने में हुई भेदभाव एवं राहत के रूप में मिले राशि जो सहारा कम्पनी में जमा है उसे जल्द से जल्द दिलाने के सम्बन्ध में मामले को नियम-377 के अधीन उठाते हुए,अपनी बातों को लोकसभा के पटल पर रखी :- सांसद सीग्रीवाल ने कहा कि मेरे संसदीय क्षेत्र महाराजगंज लोकसभा,बिहार अंतर्गत सारण(छपरा) जिला के मशरक प्रखंड के धर्मासती गंडामन गाँव के सामुदायिक भवन में चल रहे प्राथमिक विद्यालय में दिनांक-16 जुलाई 2013 को विषाक्त भोजन खाने से 23 बच्चों की एक-एक करके मौत हो गयी थी तथा अनेकों बच्चों की तबियत बिगड़ गयी थी ' इस हृदय विदारक घटना ने अनेकों परिवार के भविष्य,उन बच्चों को उनसे छीन लिया ' उन्होंने बताया कि इतनी बड़ी दुखद घटना के बाद मुख्य मंत्री के द्वारा धर्मासती गंडामन गाँव को गोद लिया गया ' गाँव को गोद लेने के बाद प्रत्येक प्रभावित परिवार को आवास देने में बहुत भेदभाव किया गया,जिस कारण बहुत से प्रभावित परिवारों को आवास नहीं मिल सका । इस परिस्थिति में उपर्युक्त घटना के प्रभावित परिवार आज बहुत ही कष्ट में हैं,आर्थिक बदहाली में हैं एवं मानसिक रूप से पीड़ित हैं ' इस स्थिति से निजात दिलाने के लिए ह्लसीग्रीवालह्व ने भारत सरकार के गृह मंत्री एवं शिक्षा मंत्री से आग्रह करते हुए कहा कि उपर्युक्त घटना के सभी प्रभावित परिवारों को न्याय दिलाने के लिए अपने स्तर से कार्रवाई किया जाय ।

नगर पालिकाओं के अधिकारों को खत्म कर अफसरों की तानाशाही थोपना चाहतीं है मोदी सरकार : विधायक

प्रात: किरण, संवाददाता

● नगर पंचायत,नगर परिषद,नगर पालिका, नगर निगम को योजनाओं की चयन प्रक्रिया से बाहर कर लोकतंत्र का गला घोंटा है, : वीरेंद्र प्रसाद गुप्ता

बेतिया मोहन सिंह। बिहार सरकार द्वारा मानसून सत्र के दौरान विधानमंडल के दोनों सदनों से बिना बहस के नगर पालिका संशोधन विधेयक 2024 पारित कर दिया गया. इस संशोधन विधेयक में नगर पालिका की शक्ति को सरकार ने समाप्त कर दी है. नये कानून के मुताबिक योजनाओं के चयन प्रक्रिया से तमाम नगर निकायों को अलग कर दिया गया है, अब अफसरों का मनमानी और तानाशाही चलेगी उक्त बातें भाकपा माले केन्द्रीय कमिटी सदस्य सह सिकटा विधायक वीरेंद्र प्रसाद गुप्ता ने प्रेस विज्ञप्ति जारी कर कहीं। आगे कहा कि सभी पार्षद जनता के वोट से चुनकर आते हैं उनके लिए काम करते है,लेकिन सरकार नगर पालिकाओं पर अंकुश लगाने के लिए इस नए संशोधन विधेयक को पास कर उसकी शक्ति समाप्त की है. आगे माले विधायक वीरेंद्र प्रसाद गुप्ता ने कहा है कि नीतीश सरकार की मनमानी और तानाशाही देखें की नयें विधेयक के मुताबिक पूरे बिहार में पैलर नगर निगम मनाया गया है, जिसमें प्रभारी मंत्री अध्यक्ष होंगे. नगर आयुक्त मेंबर होंगे. वहीं जिला पदाधिकारी सदस्य रहेंगे इसके अलावा अन्य सदस्य सचिव के रूप में तो एमपी, एमएलए, और एमएलसी मेंबर होंगे. वहीं मेयर को बाहर रखा गया है यानी नगर पालिका संशोधन विधेयक में मेयर को अधिकारियों के अधीन कर दिया गया है, जो भी नगर निकाय में काम होंगे उसका निर्णय अधिकारी लेंगे, फिर चुनाव जीत कर आये नगर पार्षद और मेयर किस लिए हैं। सरकार की तानाशाही देखें की इस विधेयक पर गजट निकाल दिया है, जिसका हमारी पार्टी सक्रिय रूप से विरोध कर रहीं हैं. यह नगर निगम को पावरलेस करने की साजिश है। इसे बिहार की जनता कतई बर्दाश्त नहीं करेगी।

9 अगस्त को होगा नियोजन कैम्प का आयोजन

प्रात: किरण, संवाददाता

छपरा कार्यालय। नियोजन पदाधिकारी, अवर प्रादेशिक नियोजनालय, छपरा से प्राप्त जानकारी अनुसार श्रम संसाधन विभाग के तत्वाधान में अवर प्रादेशिक नियोजनालय, छपरा (पता-बाजार समिति, साढ़ा, प्रेमनगर, काजरिया टाईल्स के सामने) द्वारा कार्यालय परिसर में दिनांक 09.08.2024 को 11:00 बजे पूर्वाहन से 04:00 बजे अपराह्न तक नियोजन कैम्प का आयोजन किया जाएगा। जिसमें नियोजक द्वारा सारण, छपरा हेतु रिक्तियों के विरूद्ध चयन किया जायेगा। बताया गया कि इस कैंप में के पद पर चयन किया जाएगा । इस इसके लिए शैक्षणिक योग्यता होनी चाहिये। उम्र सीमा 18 से 32 वर्ष एवं वेतन 14500 से 23000 रुपये निर्धारित है। जॉब लोकेशन अहमदाबाद, पुणे,औरंगाबाद, अनंतपुर होगा। बताया गया कि नियोजन कैम्प में शामिल होने वाले अभ्यर्थियों के लिए आवश्यक है कि उनका निबंधन नियोजनालय में हो। नियोजनालय में निबंधन की प्रक्रिया ऑनलाईन कर दी गयी है। जो कि भारत सरकार के पोर्टल के माध्यम से होता है। कोई भी अभ्यर्थी घर बैठे अपना निबंधन इस पोर्टल के माध्यम से कर सकता है। साथ ही अवर प्रादेशिक नियोजनालय, छपरा कार्यालय में भी ऑनलाईन निबंधन हेतु संपर्क किया जा सकता है। अतः अभ्यर्थी अपना नियोजनालय निबंधन इस पोर्टल पर आवश्यक रूप से करा लेंगे। नियोजन कैम्प में भी ऑनलाईन नियोजनालय निबंधन की व्यवस्था रहेगी।

शराब पीने से मना करने से नाराज एक वहशी युवक द्वारा अपनी ही बृद्ध दादी पर टांगी से ताबड़तोड़ प्रहार कर बुरी तरह किया जख्मी

प्रात: किरण, संवाददाता

माँझी। माँझी थाना क्षेत्र के डुमरी गाँव में शराब पीने से मना करने से नाराज एक वहशी युवक द्वारा अपनी ही बृद्ध दादी पर टांगी से ताबड़तोड़ प्रहार कर बुरी तरह जख्मी करने के बाद खून से सनी टांगी हाथ में लेकर थाना में पहुँच आत्मसमर्पण कर दिए जाने का लोमहर्षक मामला प्रकाश में आया है। घटना गुरुवार के देर शाम की बताई जा रही है। घटना के बाद ग्रामीणों ने जख्मी बृद्धा सोना कुँअर उम्र 75 वर्ष को तत्काल माँझी सीएचसी पहुँचाया जहाँ प्राथमिक उपचार के बाद चिकिसकों ने उसे चिंताजनक हालत में छपरा सदर अस्पताल रेफर कर दिया। परिजनों ने बताया कि जख्मी बृद्धा की हालत नाजुक बनी हुई है। ग्रामीणों ने बताया कि गुरुवार की शाम शराब के नशे में धुत युवक ने घर पहुँचकर पहले पत्नी रागिनी देवी के साथ मारपीट शुरू कर दी। पति द्वारा मारपीट से बचने के लिए पत्नी किसी तरह जान बचाकर कर पड़ोसी के घर जाकर छुप गई। इधर दरिंदा बना पति धारदार टांगी लेकर पड़ोसी के घर में छिपी बदहवाश पत्नी को कमरे से बाहर निकालने के लिए टांगी से वार कर दरवाजा तोड़ने लगा। शोरगुल सुनकर मौके पर पहुँची 75 वर्षीय बृद्धा दादी ने अपने पोते को उपद्रव करने से मना किया। नशे में धुत तथा वहशी बने पोते ने अचानक अपनी बृद्ध दादी के ऊपर टांगी से प्रहार करना शुरू कर दिया। इतना ही नही उसने निर्ममतापूर्वक दादी की गर्दन के अलावा छाती पीठ पर ताबड़तोड़ वार करके उन्हें बुरी तरह लहूलुहान कर दिया। बाद में टांगी के हमले से लहूलुहान दादी का उसने हाथ भी तोड़ दिया। घर में उपद्रव कर रहे वहशी युवक को काबू में करने के उद्देश्य से मौके पर पहुँचे ग्रामीणों को उसने खून से सनी टांगी लेकर खदेड़ना शुरू कर दिया। इसी दौरान भीड़ में शामिल एक युवक पास के कुएं में गिर पड़ा,जिसे बड़ी मुश्किल से ग्रामीणों ने कुंए से बाहर निकाला। दादी को लहूलुहान करने के बाद वहशी युवक के ताण्डव से परेशान गाँव के लोगों ने लाठी डंडा लेकर उसे खदेड़ना शुरू किया। बाद में ग्रामीणों का उग्र रूप देखकर वहशी युवक ने लगभग तीन किमी की दूरी तक भागकर माँझी थाने में जाकर शरण ली। और ड्यूटी पर मौजूद पुलिसकर्मियों ने खून से सनी टांगी सहित उसे गिरफ्तार कर लिया। वहशी युवक डुमरी गाँव निवासी कामेश्वर सिंह उर्फ उदय सिंह का पुत्र दीपक कुमार उर्फ भोला सिंह बताया जाता है। पुलिस वहशी युवक से गहनता पूर्वक पूछताछ कर रही है। थानाध्यक्ष अमित कुमार ने बताया कि जरूरी अनुसंधान के बाद युवक को जेल भेजा जाएगा।

कोपा में नगर पंचायत प्रतिनिधियों ने सरकार के खिलाफ किया प्रदर्शन

प्रात: किरण, संवाददाता

छपरा । शुक्रवार को बिहार सरकार द्वारा बनाया गया नया कानून के खिलाफ नगर पंचायत कोपा में चेयरमैन, उप-चेयरमैन, वार्ड पार्षद और सभी प्रतिनिधियों द्वारा जमकर विरोध प्रदर्शन किया गया। यह विरोध प्रदर्शन बिहार सरकार के द्वारा जो नया कानून नगर पंचायत के विरुद्ध बना है, उसी के खिलाफ यह विरोध प्रदर्शन है, सभी नगर पंचायत, नगर परिषद एवं नगर पालिकाओं में निकाला गया।

नगर पंचायत कोपा चेयरमैन रोखसाना खातुन की अध्यक्षता में यह विरोध प्रदर्शन किया गया ' इस अवसर पर नगर पंचायत कोपा के अध्यक्ष द्वारा कहा गया कि अगर यह काला कानून वापस नहीं लिया जाता है, तो आगामी 8 अगस्त को सरकार के खिलाफ नगर पंचायत कोपा से जनप्रतिनिधि और जनता पैदल मार्च निकालकर पटना तक जाएंगे, और विधानसभा का घेराव भी करने के बाध्य होंगे ' उन्होंने कहा कि अपनी मांगों को सरकार के समक्ष रखा जाएगा,फिर भी मांग को अगर पूरी नहीं की जाती है, तो आने वाले चुनाव में बिहार के जीते हुए सभी अध्यक्ष, उपाध्यक्ष और पार्षद सरकार के विरोध में कार्य करेंगे। विरोध प्रदर्शन में चेयरमैन प्रतिनिधि बुस्तामी खान,वार्ड पार्षद एवं वार्ड पार्षद प्रतिनिधि वीरेंद्र चौधरी, कृष्ण कुशवाहा, बुलबुल गुप्ता, राजन खान, सलीम अंसारी, संजय साह, अमित यादव, रितेश यादव, प्रदीप यादव, मैनेजर यादव, रंजीत यादव तथा मुमताज खान शामिल थे।

जयप्रकाश विश्वविद्यालय में समारोहपूर्वक मनाया गया नेशनल केमिस्ट्री डे

प्रात: किरण, संवाददाता

छपरा। जयप्रकाश विश्वविद्यालय के स्नातकोत्तर रसायन शास्त्र विभाग में नेशनल केमिस्ट्री डे पर आज एक समारोह का आयोजन किया गया। भारतीय रसायन शास्त्र के जनक आचार्य प्रफुल्ल चन्द्र रे के जन्मदिन पर मनाए जानेवाले नेशनल केमिस्ट्री डे की अध्यक्षता विभागाध्यक्ष प्रो. रवीन्द्र सिंह ने की। अपने अध्यक्षीय संबोधन में प्रो. सिंह ने आचार्य रे को भारतीय रसायन उद्योग का संस्थापक बताते हुए विद्यार्थियों से उद्यमिता और नवाचार को अपनाने का आह्वान किया। इस अवसर पर वक्ताओं ने कहा कि आचार्य पीसी रे ने बंगाल केमिकल एवं फार्मास्युटिकल्स वर्क्स लिमिटेड की स्थापना की थी। उन्होंने हिन्दू रसायन शास्त्र का इतिहास एवं बंगाली रसायनज्ञ की जीवनी एवं अनुभव नामक सुप्रसिद्ध पुस्तकों की रचना की थी। कार्यक्रम में विज्ञान संकायाध्यक्ष प्रो. अशोक कुमार, विज्ञान संकाय के पूर्व अध्यक्ष एवं विभागाध्यक्ष प्रो. उदय अरविंद, भौतिक विज्ञान विभाग के अध्यक्ष प्रो. महेंद्र सिंह, भौतिक विज्ञान विभाग के पूर्व अध्यक्ष प्रो. ए.एन. सिंह, प्रो. गुणसागर यादव के साथ कई छात्र-छात्राओं ने भी अपने विचार व्यक्त किए। कार्यक्रम का संचालन डॉ शची मिश्रा एवं धन्यवाद ज्ञापन डॉ नीतू सिंह ने किया।

संक्षिप्त खबरें

सड़क की घेराबंदी करने पर रोक सीओ ने लगाई

नोखा (रोहतास) नोखा थाना क्षेत्र के ठेकही टोला गुड़िया गांव के पास मुख्य सड़क पर ईट गिरकर के निर्माण कार्य करने पर सीओ ने रोक लगा दी। जिसको लेकर के सीओ मधुसूदन चौरसिया ने बताया कि नोखा नोनसारी पथ से ठेकही रामपुर होते हुए पहाड़पुर जाबरा तक जाने वाली सड़क पर गुड़िया गांव के पास एक व्यक्ति द्वारा मुख्य सड़क पर ईट लगा कर पक्का निर्माण करते हुए मुख्य सड़क घेराबंदी शुरू कर दी। रस्सी बांधकर के यातायात बाधित कर दिया। आनेजाने लोगों से कहा की यह मेरी निजी जमीन है।जिसको लेकर के सीओ मधुसूदन चौरसिया को सूचना मिली तो घटनास्थल पहुंचे और जाकर निर्माण कार्य को रुकवाया।

कुर्की वारंटी गिरफ्तार

बिक्रमगंज(रोहतास) : पुलिस ने कुर्की वारंटी को गिरफ्तार कर जांच के उपरांत न्यायिक हिरासत में भेज दिया । बिक्रमगंज थानाध्यक्ष ललन कुमार ने बताया कि नगर परिषद वार्ड संख्या 25 बिक्रमगंज निवासी सुल्तान साह को पुलिस ने गिरफ्तार कर जांच के उपरांत न्यायिक हिरासत में भेज दिया । उन्होंने कहा कि गिरफ्तार अभियुक्त के विरुद्ध बिक्रमगंज व्यवहार न्यायालय से कुर्की वारंट निर्गत था ।

नामांकन शुल्क वापसी को लेकर विद्यार्थियों में आक्रोश

तिलौथू (रोहतास) राधा शांता महाविद्यालय तिलौथू में इंटर की मान्यता रद्द कर दिया गया है। लेकिन ऑनलाइन फॉर्म भरते समय उनका नाम कॉलेज की प्राथमिकता के अनुसार दे दिया गया था। जहां बच्चों ने 11 और 12 में एडमिशन ले लिया। बाद में इन बच्चों को तिलौथू हाई स्कूल ट्रांसफर कर दिया गया जहां उन्हें दोबारा 12वीं का नामांकन शुल्क पुनः 3300 देना पड़ा, तो पहले शुल्क वापस के लिए अपना मांग कर रहे हैं। जबकि 12वीं में नामांकन के लिए पुनः तिलौथू उच्च विद्यालय में पैसा लिया गया। सारे बच्चे 11वीं में राधा शांता महाविद्यालय से किये और 12वीं में नामांकन के लिए पुनः रुपए 3300 जमा कर दिए। उसके बाद 12वीं का मानता रद्द होने के कारण उन्हें हाई स्कूल में ट्रांसफर किया गया। जहां पुनः उनको नामांकन शुल्क देना पड़ा । बच्चों की संख्या लगभग 30 है। महाविद्यालय शुल्क वाले रुपए वापस के लिए बैठे हुए हैं।

सर्प के काटने से एक युवक की हुई मौत

काराकाट(रोहतास) : काराकाट थाना क्षेत्र के किसुनदासडीह गांव में एक सर्प के काटने से एक युवक की मौत हो गई।किशुनाथडीह निवासी जितेंद्र सिंह यादव के 18 वर्षीय पुत्र अंकित कुमार उर्फ गायबा को कल शाम में सर्प ने काट लिया। जिस कारण से उसकी मृत्यु हो गई। घटना के संबंध में बताया जाता है कि सर्प के काटने के बाद ये लोग झाड़ फूंक के लिए मोथा ले गए। वहां से फिर गोडारी में स्थित बकस बाबा के पास ले गए। उसके बाद भोजपुर जिला के नवानगर के पास रूपसागर ले गए। स्थिति गंभीर होने के बाद रूपसागर में अस्पताल में भर्ती कराया। जहां चिकित्सक ने मृत घोषित कर दिया। लोगों का कहना है कि झाड़-फुक के चक्कर में पड़कर के समय बर्बाद कर दिए। जिससे उसकी मृत्यु हो गई। उसके बाद अपने गांव लाकर के उसका दास संस्कार कर दिया गया।

ठनका गिरने से एक वयक्ति की मौत परिजनों में पसरा मातम

लोहा। पंचायत के कुरकुट्टा गांव में ठनका गिरने से एक वयक्ति की मौत हो गई है । मृतक की पहचान कुरकूट्टा गांव निवासी स्वर्गीय कृष्ण देव प्रसाद साव का 35 वर्षीय पुत्र पवन कुमार साव के रूप में की गई है । मृतक का भाई ने जानकारी देते हुए बताया की मेरा भाई गांव स्थित बहियार में शौच करने के लिए जा रहा था तभी अचानक जोरदार गरज के साथ ठनका गिरने से उनकी मौत हो गई हे । बज्रपात की आवाज सुनकर जब हम लोग दोडे तो मेरा भाई जमीन पर गिरा पड़ा मिला ।ग्रामीणों ओर परिजनों की मदद से इलाज के लिए उसे रेफरल अस्पताल झाझा में भर्ती कराया । जहाँ चिकित्सक ने उसे मृत घोषित कर दिया । इधर अस्पताल में मौत की खबर सुनकर परिजनों का रो रोकर बुरा हाल हो गया है ।

हरिहरगंज पालीगंज फोर लेन बनाने की मांग अभय कुमार सिन्हा ने उठाई

गया। औरंगाबाद सांसद अभय कुमार सिन्हा ने भारत सरकार के सडक परिवहन मंत्री से फोर लेन में देरी की बात सदन में उठाया कि जो पटना से पालीगंज होते दाउदनगर औरंगाबाद होते हरिहरगंज रोड को आज तक फोर लेन नही बनाया गया है ।लेकिन झारखंड के हरीरगंज तक रोड बन चुकी है ।इधर हरिगंज से बिहार में पढने वाले फोर लेन को जल्द से जल्द बनाने की मांग सरकार से की है ।वही गया डोभी का निर्माण 2018 मे पुर्ण होता जो तिन संवेदेको के कारण आज तक नहीं पुरा हुआ है इसका देरी का भार किसपर जाएगा।

अमनौर में चला प्रशासन का बुलडोजर, दिए गए समय सीमा से पहले ही प्रशासन ने हटवाया अतिक्रमण

प्रात : किरण संवाददाता

अमनौर। अमनौर बाजार में अतिक्रमण के कारण हमेशा महा जाम की स्थित बनी रहती है ।जिससे आम आवाम को बड़ी कठिनाइयों का सामना करनी पड़ती थी। शुक्रवार को मढ़ौरा एसडीएम डॉ प्रेरणा सिंह व डीएसपी नरेश पासवान समेत कई पुलिस बल के साथ अधिकारी अमनौर बाजार में अभियान के तहत सड़को को अतिक्रमण मुक्त कराया गया ।अमनौर चौक से लेकर अमनौर बाई पास वही अमनौर चौक से गुफा मंदिर तक सड़क के किनारे किये गए अतिक्रमण को जेसीबी से हटवाया गया ।प्रशासन के चली बुलडोजर से अतिक्रमण किये हुए व्यवसाइयो में हड़कम्प मची रही । इस दौरान लोगो की भारी भीड़ उमड़ी हुई थी।

जिला पदाधिकारी सारण द्वारा 15 जुलाई 24 की बैठक में दिए निर्देश के आलोक में अमनौर बाजार को अतिक्रमण मुक्त कराने के लिए अमनौर बाजार के सड़क की कॉपी करने हेतु अमीन व राजस्व कर्मचारियों की प्रतिनियुक्ति की गई थी ।प्रतिनियुक्त राजस्व कर्मचारियों अमीनो द्वारा 18 व 19 नवम्बर 24 को अमनौर मुख्य बाजार के भाग की मापी कर लाल रंग के ऐसे मार्क करते हुए अतिक्रमण किये गए भूमि का रकबा फिट अंकित करेंगे ।अतिक्रमण वाद प्रारभ करते हुए सभी सम्बन्धित व्यवसाइयो को नोटिस तामिला कराया गया था ।नोटिस मिलने के बाद भी व्यवसाइयो द्वारा अतिक्रमण नही हटाया गया ।जिससे प्रशासन को खुद बुलडोजर चलवाना पड़ा ।इससे कुछ व्यवसाइयो ने नाराजगी भी जाहिर किया। अमनौर बाजार के व्यवसाइयो का कहना है की छः अगस्त तक अतिक्रमण हटाने का नोटिस प्रशासन के द्वारा दिया गया था ।इस बीच बैठक कर इस सम्बंध में चर्चा होनी थी ।परन्तु

अधिकारी दो अगस्त को ही जबरन जे सी बी के माध्यम से अतिक्रमण हटवाया जा रहा है। जिससे अमनौर बाजार वासियों में काफी आक्रोश दिखा। इस मामले में मढ़ौरा एसडीएम डॉ प्रेरणा सिंह से पूछने पर उन्होंने कहा कि ये अस्थाई रूप से किये गए अतिक्रमण को आज हटवाया जा रहा है ।कुछ व्यवसाइयो का तर्क है कि अतिक्रमण मुक्त होने से अमनौर बाजार महा जाम से मुक्ति मिलेगा ।जाम से व्यवसाय पर इसका असर पड़ रहा था ।लोग अमनौर बाजार से होकर जाना पसंद नही करते थे नही रुकना पसन्द करते थे ।इस मौके पर अमनौर अंचलधिकारी अजय कुमार, अमनौर थाना अध्यक्ष जफरुद्दीन समेत सैकड़ो पुलिस कर्मियों की मौजूदगी में के माध्यम से अतिक्रमण हटाया गया।

हिंदू जागरण मंच आरा द्वारा निकाली गई गंगा घाट से भव्य कावड़ यात्रा

प्रात : किरण संवाददाता

आरा। श्रवण मास शिवरात्रि के उपलक्ष में हिंदू जागरण मंच द्वारा हर वर्ष के भांति इस वर्ष भी केशवपुर गंगा घाट से जलभरी कावड़ यात्रा सिद्धनाथ मंदिर में भोले बाबा के जलाभिषेक के लिए निकाला गया। हिंदू जागरण मंच द्वारा प्रबंधित विभिन्न वाहनों से भारी मात्रा में लोग इस यात्रा में शामिल हो कर सुबह 7 बजे केशवपुर घाट के लिए प्रस्थान किए। केशवपुर घाट पहुंच कर सभी कावड़ियों ने जल भरा और भोले बाबा की आरती कर के साज बाज के साथ बिंदटोली सिद्धनाथ मंदिर के लिए झूमते गाते रवाना हुए। इस कावड़ यात्रा में भगतो द्वारा 21 लीटर जल से भरा कावड़ ले के बाबा का जलाभिषेक किए। पूरे रास्ते में कावडियो बारिश भरे मौसम का आनंद लेते झूमते हुए नजर आए। इस यात्रा के दौरान गंगी सूर्य मंदिर परिसर में नींबू पानी की व्यस्था की गई। हिंदू जागरण मंच के द्वारा सुरक्षा का पूरा ध्यान रखा गया , एवं कावड़ियों के सभी सुविधा का ध्यान रखते हुए हिंदू जागरण मंच के नेतृत्व में धूम धाम से ये कार्यक्रम अनुसासन पूर्ण सफल हुआ। हिंदू जागरण मंच के प्रदेश सहसंयोजक सोनालाल जी कार्यक्रम सफल होने का सारा श्रेय हिंदू जागरण मंच के कार्यकताओं को दिया और बोला की ये कार्यक्रम सफल होने के लिए हिंदू जागरण मंच के सभी कार्यकर्ता तन मन से बहुत परिश्रम किए है।

जुम्मे की नमाजियों ने वायनाड के पीड़ितों और मृतकों के लिए दुआ मांगी

प्रात : किरण संवाददाता

औरंगाबाद। जिले से मदद की अपीलः वायनाड बाढ़ पीड़ितों को हर संभव सहायता देने के लिए औरंगाबाद जिले से सहयोग की अपील की गई। मजहब से ऊपर उठकर मदद की अपीलः वायनाड के पीड़ितों की मदद के लिए मजहब से ऊपर उठकर सहयोग करने की अपील की गई। कुदरत का कहर कभी भी कहीं भी किसी पर हो सकता है। अफसोस इस बात का होता है कि कुछ लोग इस कहर को नहीं समझ पाते हैं। उक्त बातें पठान टोली मस्जिद में शुक्रवार को तकरीरे जुमा में पैगाम ए इंसानियत के अध्यक्ष मो शहनवाज रहमान उर्फ सल्लू खान ने कहीं। इस अवसर पर पठान टोली मस्जिद के ईमाम हाजी गुलाम रसूल कादरी, उप ईमाम मौलाना सलीम अख्तर, सदर सैयद सोनू, नमाज अदा कर रहे मो शमशेर आलम, मो शहनवाज आलम, अजीम खान, अन्ना खान, मो जैनुल अंसारी, मो कमाल, मो सद्दाम, और मो अफताब मौजूद थे। सल्लू खान ने बाढ़ पीड़ितों की दिल खोलकर सहायता करने का आह्वान किया और कहा कि मदद करने में मजहब को नहीं देखना चाहिए। केरल के वायनाड आपदा का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि यह बहुत ही दर्दनाक हादसा है जिसमें 500 से ज्यादा लोग काल के गाल में समा गए। उन्होंने बताया कि वायनाड में बाढ़ से काफी लोग घिरे हुए हैं और इन मुसीबतजदा लोगों की मदद करने के लिए आगे आने की जरुरत है। यह देश के लिए राष्ट्रीय आपदा है और हम सभी को वायनाड के लोगों को हर संभव मदद करने की अपील की गई। शुक्रवार को जुम्मे की नमाज के दौरान पठान टोली मस्जिद में वायनाड में भूस्खलन से 500 से ज्यादा मौतों और हजारों लोगों के लापता होने पर मुस्लिम समुदाय ने अपनी गहरी संवेदना व्यक्त की। मुस्लिम समुदाय ने श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए अल्लाह से दुआ की कि वे दुखद घटना के पीड़ितों के साथ हैं और उन परिवारों के प्रति संवेदना व्यक्त करते हैं जिन्होंने अपने प्रियजनों को खो दिया है। मुस्लिम समुदाय के लोगों ने कहा कि बचाव अभियान में सहायता करने वाले भारतीय सेवा सदस्यों और प्रथम प्रतिक्रियाकताओं की बहादुरी की सराहना करते हैं। हम सभी को इस कठिन समय में केरल के वायनाड के लोगों के साथ होना चाहिए। इस मौके पर दानिश खान, मो शमशाद आलम, मो यासिर खान, भोलू खान, मो नईम नेयाजी, मो निसार अहमद, और मो जरनल खान आदि उपस्थित थे।

नैसर्गिक शिक्षा की अवधारणा को पूरा किया जा सके : आलोक

प्रात : किरण संवाददाता

औरंगाबाद। राज्य सरकार की दोहरी शिक्षा नीति का दंश वित्त रहित शिक्षा नीति के तहत संचालित इंटर स्तरीय शिक्षण संस्थानों को भुगतना पड़ रहा। राज्य में वित्त रहित शिक्षा नीति के तहत 517 इंटर कॉलेज संचालित है, जिन्हे निरसित बिहार इंटरमीडिएट शिक्षा परिषद पटना से प्रस्वीकृति प्राप्त हुआ था, बिहार इंटरमीडिएट शिक्षा परिषद का बिहार विद्यालय परीक्षा समिति में विलय के समय यह तय किया गया था कि प्रस्वीकृत इंटर शिक्षण संस्थानों के मूल स्वभाव या प्रस्वीकृत नियमो के साथ किसी भी प्रकार का छेड़ - छाड़ नही किया जायेगा। राज्य सरकार की दोहरी नीति के कारण विहार विद्यालय परीक्षा समिति लगातार नियमो की अनदेखी कर शर्तो का उल्लंघन कर इंटर महाविद्यालयों के स्थापना प्रकृत स्वभाव से छेड़- छाड़ कर वित्त रहित इंटर संस्थानों के अस्तित्व को समाप्त करने की साजिश रच रही। प्रस्वीकृति प्राप्त इंटर महाविद्यालयों में प्रत्येक संकायों में 384 - 384 सीट संख्या आवंटित किया गया था । औरंगाबाद जिले में लगभग 17 ऐसे इंटर स्तरीय महाविद्यालय को प्रस्वीकृति प्राप्त है , पूर्व में ऐसे सभी शिक्षण संस्थानों को 384 - 384 सीट आवंटित किया गया था, दशकों से ऐसे सभी महाविद्यालयों में आवंटित छात्र संख्या के आधार पर नामांकन होते रहा है पी, अब सरकार की गलत नीतियों के चलते ऐसे संस्थानों को नयी नियमावली बना कर पुनः जांच के लिये बाध्य करना और जांच के बाद ऐसे संस्थानों को पूर्व से निर्धारित सीट संख्या को घटा कर 120 कर दिया गया । सरकार द्वारा जब वित्त रहित शिक्षा नीति के तहत प्रस्वीकृति प्रदान की थी तब उस समय के नीतियों के आलोक में सभी शिक्षण संस्थानों में आवश्यकता अनुसार शिक्षकों कर्मचारियों की नियुक्ति किया गया, जो दशकों से राज्य के शिक्षा की जरूरतों को पूरा करने में लगे रहे।

गोपाल नारायण सिंह विश्वविद्यालय के कृषि स्नातक के चार विद्यार्थी प्रतिष्ठित कंपनी में चयनित

प्रात : किरण संवाददाता

आरा। गोपाल नारायण सिंह विश्वविद्यालय,जमुहार के अंतर्गत संचालित नारायण कृषि विज्ञान संस्थान में कैंपस प्लेसमेंट के चौथे चरण में बीएससी कृषि अंतिम वर्ष के चार विद्यार्थियों का चयन विश्वविद्यालय प्लेसमेंट सेल के तत्वावधान में बिहार की प्रतिष्ठित कंपनी कौशिकी महिला मिल्क प्रोड्यूसर कंपनी लिमिटेड में केमिस्ट के पद हुआ है।

संस्थान के निदेशक डॉ. एच. के. सिंह ने बताया कि कौशिकी बिहार की अग्रणी दुग्ध उत्पादन कंपनी है जिसमें संस्थान के छात्रों का चयन होना बड़े गर्व की बात है। प्रो. सिंह के अनुसार अभी तक 58 छात्रों का चयन कृषि क्षेत्र की विभिन्न प्रसिद्ध कंपनीज में हो चुका है। इस अवसर पर गोपाल नारायण सिंह विश्वविद्याल के कुलपति डॉ.एम.के. सिंह, प्रति कुलपति डॉ. जगदीश सिंह, सचिव गोविन्द नारायण सिंह,प्रबंध निदेशक त्रिविक्रम नारायण सिंह तथा विश्वविद्यालय की बोर्ड ऑफ मेंबर मोनिका सिंह ने खुशी व्यक्त की तथा संस्थान के शिक्षकों को बधाई दी। संस्थान के प्लेसमेंट सेल के इंचार्ज डॉ. ए. के. सिंह ने चयनित छात्रों के साथ साथ प्लेसमेंट सेल के सदस्यों डॉ. आशुतोष कुमार, डॉ. नितेश कुमार सिंह , डॉ. विकाश सिंह, डॉ. प्रशांत कुमार सिंह डॉ. सभाजीत पाल और डॉ. वरुण मिश्रा के कार्यो की भी सराहना की तथा आने वाले दिनों में अधिक से अधिक छात्रों को कृषि क्षेत्र की नामी कंपनियों में चयन दिलाने का भरोसा भी दिलाया।

युवा शक्ति संघर्ष मोर्चा का जगदम महाविद्यालय इकाई गठित

प्रात : किरण संवाददाता

छपरा कार्यालय ।शुक्रवार को सामाजिक संगठन युवा शक्ति संघर्ष मोर्चा की जगदम कॉलेज छपरा में महाविद्यालय की इकाई का गठन किया गया ।जिसकी अध्यक्षता अमृत कुमार मौर्य ने किया। संगठन के संरक्षक शेख नौशाद और अध्यक्ष अमित नयन के नेतृत्व में जगदम कॉलेज इकाई का गठन किया गया। कार्यक्रम में संयुक्त रूप से संबोधन में संरक्षक शेख नौशाद और अध्यक्ष अमित नयन ने कहा कि जयप्रकाश विश्वविद्यालय के शैक्षणिक अराजकता को खत्म करने के लिए विभिन्न कॉलेजों के छात्रों को एकजुट कर विश्वविद्यालय प्रशासन पर दबाव बनाने का काम युवा शक्ति संघर्ष मोर्चा करते आ रहा है ।जगदम कॉलेज इकाई के गठन में अध्यक्ष के रूप में अमृत कुमारी मौर्या को चुना गया। भीष्म कुमार को महासचिव, अंजली कुमारी, अरविंद माझी, जितेश कुशवाहा को उपाध्यक्ष, अमन कुमार यादव को सचिव चुना गया। कार्यक्रम में मुख्य रूप से प्रमुख संरक्षक शेख नौशाद अध्यक्ष अमित नयन, सरताज खान, जितेश कुमार कुशवाहा, गुड्डू कुमार, स्नेहा सिंह, शोभिता कुमारी, शालू कुमारी, अंकिता कुमारी मुस्कान कुमारी नेहा कुमारी निशा कुमारी सपना कुमारी रुखसार खातून रुखसार खातून, अंजलि ओझा काजल कुमारी काजल कुमारी दीपिका कुमारी गुड्डू कुमार खुशी कुमारी, आसमा खातून, स्वाति कुमारी सिंह आदि छात्र संगठन में जुड़े।

प्रेमचंद जयंती पर विचार गोष्ठी एवं काव्य संध्या का आयोजन

प्रात : किरण संवाददाता

औरंगाबाद। जिला मुख्यालय औरंगाबाद स्थित ब्लॉक मोड़ के समीप पृथ्वीराज चौहान स्मृति स्थल के सभागार में साहित्यसेवियों द्वारा भारत के महान साहित्यकार उपन्यास सम्राट प्रेमचंद जी की 144वीं जयंती समारोह के मौके पर विचार गोष्ठी एवं काव्य संध्या का आयोजन किया गया। पृथ्वीराज चौहान चैरिटेबल ट्रस्ट के उपाध्यक्ष डॉ ज्ञानेश्वर प्रसाद सिंह के अध्यक्षता में आयोजित कार्यक्रम का संचालन शब्दाक्षर के जिलाध्यक्ष नागेंद्र प्रसाद केसरी ने किया। ट्रस्ट के वरीय सदस्य रामप्रवेश सिंह, चंद्र प्रकाश विकास,खैरा पंचायत के पूर्व मुखिया सत्येंद्र नारायण सिंह, समाजसेवी कमलेश सिंह,संजय कुमार सिंह की गरिमामई उपस्थिति में लोगों ने संबोधन के क्रम में कहा कि प्रेमचंद का साहित्य पूरे हिंदुस्तान के समग्र दर्शन का साहित्य है ।राजनीतिक, धार्मिक-,आर्थिक,सामाजिक क्षेत्र में जितने भी घटनाएं घटित हो रही हैं उन सभी घटनाओं का चित्रण प्रेमचंद के साहित्य में बरबस दिखाई पड़ता है ।विनय मामूली बुद्धि द्वारा हास्य व्यंग्य काव्य ने सबको हंसाया तो अनुज बेचैन की कविता हृदय के गहराइयों तक पहुंची ।जिला हिंदी साहित्य सम्मेलन के महामंत्री धनंजय जयपुरी की छंदबद्ध कविताएं आत्मिक दिशा का बोध कराने में कोई कोर कसर नहीं छोड़ी ।हिमांशु चक्रपाणि के गजल ने लोगों को भाव विभोर कर दिया ।अध्यक्षीय उद्बोधन में कहा गया कि प्रेमचंद का साहित्य जन जन से जुड़ी है एवं उनकी रचनाएं आमजन को प्रेरित करने वाली होती हैं ।जिला परिषद के पूर्व अध्यक्ष पंकज पासवान ने कहा कि प्रेमचंद का साहित्य सामाजिक कुरीतियों को दूर करने वाली होती है ।राष्ट्रीय स्तर पर चर्चित साहित्यकार आफताब राणा ने शायराना अंदाज में प्रेमचंद को श्रद्धांजलि दी। धन्यवाद ज्ञापन सुरेश विद्यार्थी द्वारा किया गया।

सांसद प्रतिनिधि राकेश सिंह व आईजी विकास वैभव को किया सम्मानित

छपरा कार्यालय। परसा मस्तिचक अखंड ज्योति आँय हॉस्पिटल प्रांगण मे हो रहे शिष्य शिरोमणि संत महोत्सव यज्ञ मे आईजी विकास भैभव और साथ मे प्रदेश कार्य समिति सदस्य सह सांसद प्रतिनिधि राकेश सिंह भी यज्ञ शामिल हुए और पूजा अर्चना किया और यज्ञ मे अयोध्या से आये हुए बाबा से आशीर्वाद लिया और खुशहाली की कामना की इस अवसर पर दोनों लोगो को मंच पर यज्ञ समिति द्वारा अंग वस्त्र और माला से जोरदार स्वागत किया गया और आईजी विकास भैभव ने कहा की यज्ञ मे आने से आत्मा को शांति मिलती है और मन प्रशन हो जाता है और उन्होंने हॉस्पिटल परिसर मे घूम कर हॉस्पिटल के बेवस्था का जायजा लिया और बेवस्था देखकर काफी खुश हुए इस अवसर पर मंडल अध्यक्ष भूलन जी हॉस्पिटल बेवस्थापक अमित सिंह छाया कुमारी मोनू सिंह सुमंत तिवारी जीतेन्द्र गिरी टोनू सिंह अभिषेक जी महेश राय रामबाबू राय नितेश कुमार सहित सैकड़ो लोग उपस्थित थे ज्ञात हो परसा जाने के क्रम मे रास्ते मे बेला मे मुखिया प्रतिनिधि छोटू ओझा के आवास पर सामजिक कार्यकर्त्ता विजय ओझा द्वारा आईजी विकास भैभव और सांसद प्रतिनिधि राकेश सिंह का अंग वस्त्र से स्वागत किया गया इस अवसर पर सरपंच प्रतिनिधि विशाल श्रीवास्तव मुखिया प्रतिनिधि अजय राम मुकेश सिंह धनजय बाबा गौरव सिंह सहित अनेक लोग उपस्थित थे।

07 अगस्त को राजधानी पटना में सफाई अभियान और कार्यशाला आयोजित करेगा सेवामो

प्रात : किरण संवाददाता

पटना। सेवामो इंटरप्राइजेज एलएलपी , नीति आयोग द्वारा वित्त पोषित भारत का अग्रणी सफाई स्टार्टअप, स्टार्टअप इंडिया 7 अगस्त, 2024 को शाम 4 बजे से 7 बजे तक एनआईटी घाट, पटना में एक नदी सफाई अभियान और कार्यशाला आयोजित कर रहा है। सेवामो पटना वसियों को इसमें शामिल होने और इस सफाई अभियान को सफल बनाने के लिए आमंत्रित कर रहा है। इसने सफाई के इस बड़े आंदोलन में शामिल होने और बिहार को भारत का सबसे स्वच्छ राज्य बनाने के लिए हाउसकीपिंग और कीट नियंत्रण कंपनियों जैसी सुविधा प्रबंधन कंपनियों को भी आमंत्रित किया है। सेवामो की संस्थापक और सीईओ निश्का रंजन एक उत्साही सामाजिक उद्यमी हैं और उनका ध्यान भारत को दुनिया का सबसे स्वच्छ देश बनाने पर है, उन्होंने कहा, 1.4 अरब लोगों के देश में हमें निश्चित रूप से संसाधनों के संकट का सामना करना पड़ेगा, लेकिन अगर सभी 1.4 अरब लोग न केवल हमारे घरों बल्कि हमारे देश की सफाई की दिशा में एक छोटा सा कदम उठायें, वह दिन दूर नहीं होगा जब हम जापान जैसे देशों के बराबर होंगे जहां एक पूरा समुदाय अपने देश की परवाह करता है जो जापान को सबसे स्वच्छ देशों की सूची में शीर्ष पर रखता है। 2047 में एक विकसित और सुपर स्वच्छ अर्थव्यवस्था बनने के हमारे लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए, अभी कदम उठाने की जरूरत है।

पारस एचएमआरआई ने कैंसर सरवाइवर्स को किया सम्मानित

प्रात : किरण संवाददाता

डॉक्टर बोले, समय पर इलाज शुरू हो तो ठीक हो सकता है कैंसर

पटना। पारस एचएमआरआई, पटना ने शुक्रवार को कैंसर से जंग जीत चुके मरीजों के जज्बे को सलाम करते हुए एक विशेष कार्यक्रम उम्मीद का आयोजन किया। इस मौके पर पारस एचएमआरआई के फेसिलिटी डायरेक्टर अनिल कुमार, श्री नीतीश मिश्रा उद्योग व पर्यटन मंत्री बिहार सरकार ने दीप प्रज्वलन कर कार्यक्रम का आरंभ किया। इस कार्यक्रम में कैंसर के कठिन दौर में भी हौसला नहीं खोने वाले मरीजों को सम्मानित किया गया। इसमें वैसे मरीज शामिल थे जो चार-पांच साल पहले ही कैंसर से उबर चुके हैं और फिलहाल कैंसर से जुड़ा कोई इलाज नहीं करा रहे हैं। इन सभी मरीजों का इलाज पारस एचएमआरआई में ही हुआ है।

कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य कैंसर मरीजों और उनके परिजनों को यह संदेश देना था कि कैंसर एक लाइलाज बीमारी नहीं है। समय रहते पता चलने और उचित इलाज से कैंसर को पूरी तरह से मात दी जा सकती है। कार्यक्रम में मौजूद कैंसर सरवाइवर्स ही इस बात की जीती जागती मिसाल हैं। कार्यक्रम में कैंसर से जूझने और उस पर विजय पाने वाले मरीजों ने भी अपने अनुभव साझा किए। पारस एचएमआरआई के एचओडी मेडिकल ऑन्कोलॉजी डॉ. अभिषेक आनंद ने बताया कि पारस एचएमआरआई लगातार ऐसे कार्यक्रमों का आयोजन करता रहता है ताकि लोगों में कैंसर के प्रति जागरूकता बढ़ाई जा सके। उन्होंने कहा कि कैंसर के बारे में लोगों में कई तरह की भ्रांतियां होती हैं। इस कार्यक्रम के माध्यम से लोगों को सही जानकारी देने की कोशिश की गई है। मौके पर एचओडी रेडिएशन ओन्कोलॉजी डॉ. शेखर केसरी ने इस बात पर जोर दिया कि कैंसर एक गंभीर बीमारी है, लेकिन इसका इलाज संभव है। बशर्ते कि सही समय पर इसका सही जगह और समुचित इलाज हो। उन्होंने कहा कि कैंसर जितनी जल्दी पकड़ में आ जाए, उसका इलाज उतना ही कारगर होता है। उन्होंने लोगों से अपील की कि वे नियमित स्वास्थ्य जांच करवाते रहें ताकि किसी भी बीमारी को शुरूआती चरण में ही पकड़ा जा सके। कार्यक्रम में फैसिलिटी डायरेक्टर अनिल कुमार ने कहा कि पारस एचएमआरआई परिवार के लिए यह गर्व का समय है कि हमने इन मरीजों को स्वस्थ जीवन देने में अपना योगदान दिया है। उन्होंने सम्मानित होने वाले लोगों को कहा कि आप सभी कैंसर से जूझ रहे मरीजों के लिए एक प्रेरणा हैं। इस मौके पर डॉ. अविनाश सिंह (हेमेटोलॉजी विभागाध्यक्ष एवं सीनियर कंसल्टेंट), डॉ. आर.एन. टैगोर (मुख्य कंसल्टेंट, मेडिकल ऑन्कोलॉजी), डॉ. राहुल चौधरी (मुख्य कंसल्टेंट, सर्जिकल ऑन्कोलॉजी), डॉ. स्नेहा झा (मुख्य कंसल्टेंट रेडिएशन ऑन्कोलॉजी), डॉ. शिव शंकर मिश्रा (कंसल्टेंट रेडिएशन ऑन्कोलॉजी) डॉ. मोसर्रत शाहीन (कंसल्टेंट मेडिकल ऑन्कोलॉजी) ने भी अपनी बातें रखीं। पारस एचएमआरआई के बारे में पारस एचएमआरआई, पटना बिहार में 2013 से कार्यरत है। पारस इंस्टीट्यूट ऑफ कैंसर केयर बिहार में अपनी विशेषज्ञता, बुनियादी ढांचे और कैंसर देखभाल प्रदान करने के लिए जाना जाता है।

42 लीटर देसी शराब के साथ दो गिरफ्तार, प्राथमिकी दर्ज

प्रात : किरण संवाददाता

तरैया। थाना क्षेत्र के सरेया बसंत गंडक नहर के समीप पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर छापेमारी कर 42 लीटर देसी शराब बरामद कर लिया है ।जबकि दो शराब विक्रेता पुलिस को चकमा देकर फरार हो गये ।इस संबंध में एएसआई अप्पू कुमार ने एक प्राथमिकी दर्ज कराई है ।दर्ज प्राथमिकी में कहा गया है कि भटौरा सरेया बसंत गंडक नहर के रास्ते एक व्यक्ति बोरा में 20-20 लीटर के बाल्टी में देसी शराब लेकर जा रहा था।

जिसे पुलिस बल के सहयोग से पीछा किया गया लेकिन शराब विक्रेता शराब फेंककर फरार हो गया ।वहीं बेलहरी से पचौड़र जानेवाली मुख्य सड़क से एक व्यक्ति बाइक से झोला में पॉलीथिन में बंधा हुआ दो लीटर 800 एमएल देशी शराब लेकर जा रहा था जिसे पुलिस ने बरामद कर लिया है ।बाइक व शराब छोड़कर शराब विक्रेता झाड़ी का लाभ उठाते हुए भाग गया ।पुलिस दोनों शराब विक्रेता पर प्राथमिकी दर्ज कर आगे की कार्रवाई में जुट गयी है।

आगजनी के आरोपी को पांच साल की सजा और दस हजार जुर्माना

प्रात : किरण संवाददाता

औरंगाबाद। व्यवहार न्यायालय औरंगाबाद में एडिजे दो धनंजय कुमार मिश्रा ने बारूण थाना कांड संख्या -109/13 में सजा के बिन्दु पर सुनवाई करते हुए एक मात्र अभियुक्त रंजन पासवान मस्तूल बारूण को सजा सुनाई है। एपीपी राजाराम चौधरी ने बताया कि वाद सूचक प्रयाग राम मस्तूल बारूण के घर नष्ट करने के आशय से आगजनी का आरोपी रंजन पासवान मस्तूल बारूण को 24/07/24 को दोषी ठहराया गया था और बंधपत्र विखंडित कर जेल भेज दिया गया था आज आरोपी को भादंवि धारा -436 में पांच साल की सजा और दस हजार जुमार्ना लगाया गया है अधिवक्ता सतीश कुमार स्नेही ने बताया कि एगआरह साल पहले 16/05/13 को सूचक ने प्राथमिकी दर्ज कराई थी।

तीस लीटर देशी शराब बरामद, प्राथमिकी दर्ज

मकेर(सारण) थाना क्षेत्र के एकडेरवा मसूरिया गांव से देशी शराब बरामद किया है ,इस संबंध में थाना अध्यक्ष रवि रंजन कुमार ने बताया कि सूचना मिली थी कि एकडेरवा मसूरिया डीह पर दो लोग दारू पी रहे हैं । पुलिस गस्ती दल ने त्वरित कार्यवाही करते हुए मौके से दो लोगो को जरकिन में शराब रखे हुए थे ,पुलिस वाहन देख गैलन छोर फरार हो गए ।उपस्थित लोगों से जानकारी प्राप्त करने के पश्चात संजीव कुमार पिता रामनाथ प्रसाद ,ग्राम बनौता थाना परसा निवासी बताए जाते हैं जबकि दूसरा व्यक्ति नीतीश कुमार पिता दिनेशर महतो ग्राम कोहरा मठिया निवासी हैं के विरुद्ध प्राथमिकी दर्ज कर अग्रेतर करवाई की जा रही हैं।

वेदा के ट्रेलर लॉन्च पर जॉन अब्राहम ने खोया अपना आपा

जॉन अब्राहम अभिनीत फिल्म वेदा स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर यानी 15 अगस्त को सिनेमाघरों में दस्तक देगी। आज एक ग्रैंड इवेंट में फिल्म का ट्रेलर रिलीज किया गया। ट्रेलर एक्शन से भरपूर है। फिल्म में जॉन के साथ-साथ शरवरी वाघ भी दमदार अंदाज में नजर आने वाली हैं। हालांकि, इसी बीच जॉन अब्राहम एक बार फिर सुर्खियों में आ गए हैं। अभिनेता हाल ही में वेदा के ट्रेलर लॉन्च पर अपना आपा खो बैठे। जॉन उस समय नाराज हो गए जब उन्हें बताया गया कि उनकी फिल्में दोहराव वाली हैं। उन्होंने लोगों से कहा कि वे सिर्फ ट्रेलर से फिल्म का आंकलन न करें। वेदा के लिए प्रेस कॉन्फ्रेंस में, जॉन को कुछ नया करने के लिए कहा गया, जिससे वह अपना आपा खो बैठे। उन्होंने जवाब दिया, क्या आपने फिल्म देखी है? क्या मैं बुरे प्रश्नों के लिए आपको बेवकूफ बुला सकता हूं। यह बताए जाने के बाद कि ट्रेलर से संकेत मिलता है कि यह उस तरह की एक्शन फिल्में हैं जो वह आमतौर पर करते हैं।

इस पर अभिनेता ने कहा, नहीं मैं तो आपको सिर्फ सीधे कहना चाहता हूं कि ये फिल्म अलग है। मेरे हिसाब से तो यह एक बहुत ही गहन प्रदर्शन है जो मैंने किया है। बेशक आपने अभी तक फिल्म देखी नहीं है। इसके बाद जॉन थोड़ा शांत दिखे और उन्होंने मजाक में कहा, फिल्म देखिये आप, उसके बाद मैं आपका हूं, चाहे आप कुछ भी कहें। लेकिन अगर तुम गलत हो, तो मैं पलट कर तुम्हें टुकड़े-टुकड़े कर दूंगा। वेदा एक युवा लड़की की कहानी है जिसका किरदार शरवरी वाघ ने निभाया है। उनका किरदार उन अत्याचारियों के खिलाफ सामाजिक न्याय चाहता है जिन्होंने जाति और अस्पृश्यता के आधार पर दलित समुदायों पर अत्याचार किया। निखिल आडवाणी द्वारा निर्देशित एक्शन-थ्रिलर में अभिषेक बनर्जी खलनायक की भूमिका में हैं। फिल्म में तमन्ना भाटिया और मौनी रॉय भी कैमियो भूमिका में हैं।

ट्रायथलॉन आयरनमैन रेस में हिस्सा लेंगी सैयामी, ट्रेनिंग के साथ जारी रखेंगी आगामी फिल्म की शूटिंग

बॉलीवुड अभिनेत्री सैयामी खेर जल्द ही सनी देओल की अगली फिल्म जट्ट में नजर आएंगी। इसके साथ ही वह जर्मनी में अपनी आयरनमैन ट्रायथलॉन रेस में हिस्सा लेंगी। अपनी आगामी आयरनमैन ट्रायथलॉन रेस की तैयारी को जारी रखते हुए वह सनी देओल की फिल्म जट्ट की शूटिंग करेंगी। वह इस कठोर ट्रेनिंग के लिए फिल्म की शूटिंग से छुट्टी नहीं ले रही हैं। सैयामी खेर जर्मनी में ट्रायथलॉन आयरनमैन दौड़ की तैयारी के अंतिम चरण की तैयारी करेंगी। इस दौड़ में प्रतिभागियों को 3.86 किमी तैराकी, 180.25 किमी बाइकिंग और 42.20 किमी मैराथन दौड़ पूरी करनी होती है। सैयामी हैदराबाद में अपनी आगामी फिल्म जट्ट के बिजी शूटिंग शेड्यूल के साथ अपने गहन प्रशिक्षण को संतुलित कर रही हैं। वह धीरे-धीरे अपनी तैयारी का समय बढ़ा रही हैं।

अभिनेत्री ने हाल ही में एक बातचीत में कहा, एक अभिनेत्री और एक एथलीट दोनों के रूप में मुझे हमेशा अपनी सीमाओं से आगे बढ़ने का शौक रहा है। ट्रायथलॉन आयरनमैन दौड़ में भाग लेना मेरे लिए एक सपने के सच होने जैसा है। यह दौड़ दुनिया में सबसे अधिक मांग वाली शारीरिक चुनौतियों में से एक है। मैं इसमें अपना सब कुछ देने के लिए दृढ़ संकल्पित हूं। उन्होंने आगे कहा, अपनी ट्रेनिंग के साथ अपने अभिनय करियर को संतुलित करना अविश्वसनीय रूप से फायदेमंद रहा है। मगर जैसे-जैसे दौड़ नजदीक आ रही है, मुझे यह सुनिश्चित करने के लिए और अधिक समय की आवश्यकता है कि मैं पूरी तरह से तैयार हूं। मेरी टीम और फैंस का जबर्दस्त समर्थन रहा है और मैं इसके लिए आभारी हूं। मैं अपनी ट्रेनिंग पर ध्यान केंद्रित कर रहा हूं।

बॉलीवुड में काम पाने के लिए संघर्ष का मृणाल को मिला फल

मृणाल ने बॉलीवुड के अलावा साउथ की फिल्मों में भी काम किया है। फिल्मों में काम करने से पहले मृणाल कई हिट टीवी शो में भी अपने अभिनय का जलवा बिखेर चुकी हैं। उन्होंने अपने करियर की शुरुआत साल 2012 में सीरियल मुझसे कुछ कहती....ये खामोशियां से की। इसके बाद वे कई टीवी सीरियल में नजर आईं लेकिन उन्हें कुछ खास पहचान नहीं मिली। इसके बाद जी टीवी के हिट शो कुमकुम भाग्य में नजर आईं और फिर उन्होंने कभी भी पीछे मुड़कर नहीं देखा। टीवी की दुनिया में मशहूर होने के बाद मृणाल ने फिल्मों की तरफ अपना रुख किया। उन्होंने बॉलीवुड में काम पाने के लिए काफी संघर्ष किया और आज उस संघर्ष का फल उन्हें मिल रहा है। मृणाल ने खुद एक इंटरव्यू में बताया था कि शुरुआत में वे कई बार निराश होकर रोने लग जाती थीं। तब उनके माता-पिता उन्हें हौसला देते थे और कहते थे एक दिन तुम दुनिया के लिए मिसाल बनोगी मृणाल।

मृणाल ठाकुर की फिल्मों की बात करें तो जिस 'सुपर 30' में मृणाल के किरदार को दर्शकों ने काफी पसंद किया था। इसके बाद वे जॉन अब्राहम के साथ 'बाटला हाउस' और फिल्म 'तूफान' में वे फरहान अख्तर की पत्नी के रोल में नजर आईं। वे साउथ की फिल्मों का भी हिस्सा रह चुकी हैं। वहीं मृणाल ठाकुर के नेट वर्थ की बात करें तो अभिनेत्री एक लग्जरी लाइफ जीती हैं। सूत्रों की मानें तो मृणाल ठाकुर प्रति फिल्म 2 करोड़ रुपये कमाती हैं और उनकी मासिक आय 60 लाख है। उनकी सालाना आय 7 करोड़ रुपये है। मीडिया रिपोर्ट्स की मानें तो उनकी कुल संपत्ति लगभग 33 करोड़ है और पिछले कुछ वर्षों में इसमें लगातार वृद्धि हुई है।

कृति खरबंदा ने सिनेमा में अपने 15 साल पूरे किए

अपकमिंग फिल्म रिस्की रोमियो में नजर आने वाली एक्ट्रेस कृति खरबंदा ने सोशल मीडिया पर एक कविता के जरिए अपने पति अभिनेता पुलकित सम्राट से प्यार का इजहार किया है। हाल ही में उन्होंने इंस्टाग्राम स्टोरीज पर पति के साथ अपनी एक तस्वीर शेयर की। उन्होंने तस्वीर पर लिखा, नींद आ रही है नींद जा रही है पति कमाल है। कृति और पुलकित ने इस साल मार्च में दिल्ली एनसीआर के आईटीसी ग्रैंड भारत में शादी की थी। रिपोर्ट्स के मुताबिक उन्होंने अपने मेहमानों के लिए देश के अलग-अलग हिस्सों के व्यंजनों से भरा खास फूड मेन्यू तैयार किया था।

बाद में उन्होंने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर एक पोस्ट शेयर की, जिसमें एक प्यारा सा नोट भी था। शादी से पहले दोनों ने कुछ सालों तक एक-दूसरे को डेट किया। बता दें कि पुलकित की शादी पहले श्वेता रोहिरा से हुई थी। वर्क फ्रंट के बारे में बात करें तो पुलकित को पिछली बार कॉमेडी फिल्म 'फुकरे 3' में देखा गया था। कृति 'रिस्की रोमियो' में नजर आएंगी जिसमें वह सनी सिंह के साथ स्क्रीन शेयर करेंगी।

एक्ट्रेस ने हाल ही में सिनेमा में अपने 15 साल पूरे किए हैं। उन्होंने इसके लिए दर्शकों और अपने साथियों के प्रति आभार व्यक्त किया था। उन्होंने लिखा था, मैंने पिछले 15 साल एक कलाकार के रूप में बिताए हैं। पहचान पाने के लिए एक शौक के रूप में जो शुरू हुआ था वह धीरे-धीरे एक जुनून में बदल गया। यह एक ऐसा जुनून था, जिसके बारे में मुझे पता भी नहीं था कि वह मेरे अंदर मौजूद है।

देवरा से लेकर वार 2 तक, इन फिल्मों में साथ आएंगे नॉर्थ और साउथ के सितारे

भारतीय सिनेमा में एकजुटता देखने को मिल रही है। साउथ और नॉर्थ की दूरियां अब खत्म हो रही हैं। बीते कुछ समय से साउथ फिल्मों में बॉलीवुड स्टार्स का दबदबा देखने को मिल रहा है। वहीं, अब हिंदी फिल्मों में भी साउथ स्टार्स की धाक देखने को मिल रही है। इतना ही नहीं हिंदी बेल्ट की फिल्में अब साउथ में धमाल मचा रही हैं और साउथ की फिल्मों को भी हिंदी दर्शकों का बेशुमार प्यार मिल रहा है। आने वाले दिनों में भी यह सिलसिला जारी रहने वाला है।

जूनियर एनटीआर की 30वीं फिल्म देवरा को लेकर प्रशंसकों का उत्साह सातवें आसमान पर है। फिल्म के निर्देशन की कमान कोरताला शिवा ने संभाली है। इस मूवी से बोनी कपूर और दिवंगत अभिनेत्री श्रीदेवी की बेटी जान्हवी कपूर अपना साउथ डेब्यू करने जा रही हैं। इस फ्रेश जोड़ी को सिल्वर स्क्रीन पर देखने के लिए साउथ और नॉर्थ दोनों फिल्मों के दर्शक बेताब हैं। साउथ सुपरस्टार यश अपनी ब्लॉकबस्टर फिल्म केजीएफ और केजीएफ 2 की अपार सफलता के बाद इसकी अगली कड़ी केजीएफ 3 को लेकर हेडलाइंस में हैं। खबरों की मानें तो पैन इंडिया स्टार साल 2025 में केजीएफ 3 की शूटिंग शुरू करेंगे और यह मूवी साल 2026 में सिनेमाघरों में दस्तक देगी। रिपोर्ट्स की मानें तो केजीएफ 3 में 70 के दशक का अंत और 80 के दशक की शुरुआत दिखाई जाएगी। इसमें बॉलीवुड स्टार्स रवीना टंडन और संजय दत्त भी नजर आएंगे। बॉलीवुड अभिनेता संजय कपूर की बेटी शनाया कपूर भी साउथ इंडस्ट्री में कदम रखने के लिए तैयार हैं। शनाया साउथ अभिनेता मोहनलाल की फिल्म वृषभ के साथ साउथ फिल्मों में अपना डेब्यू करने जा रही हैं। शनाया कपूर सबसे पॉपुलर स्टारकिड्स में से एक हैं। वह सोशल मीडिया पर काफी सक्रीय रहती हैं। शनाया के डेब्यू के लिए उनके प्रशंसक काफी ज्यादा उत्साहित हैं। ऋतिक रोशन की स्पाई यूनिवर्स की फिल्म वॉर 2 अपने एलान के बाद से ही सुर्खियों में है। फिल्म का एलान करते हुए यह बताया गया कि इसमें ऋतिक रोशन के साथ साउथ सुपरस्टार जूनियर एनटीआर भी नजर आएंगे। वॉर 2 जूनियर एनटीआर की डेब्यू फिल्म होगी। साउथ समेत नॉर्थ पट्टी के लोग भी जूनियर एनटीआर को बॉलीवुड फिल्म में देखने के लिए काफी ज्यादा उत्साहित हैं।

सोच-समझकर करती हूं एंडोर्समेंट

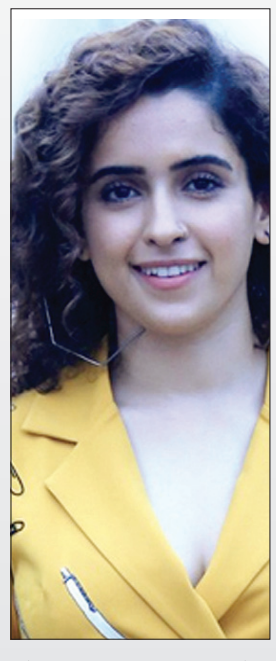

सान्या मल्होत्रा काफी समय से फिल्म इंडस्ट्री का हिस्सा हैं। अमूमन सिलेब्रिटीज पर इस तरह के इल्जाम लगते हैं कि वे ऐसे प्रॉडक्ट्स का ऐड करते हैं, जिनको वे खुद इस्तेमाल नहीं करते। लेकिन उनसे प्रभावित होकर फैंस प्रॉडक्ट को खरीद लेते हैं। प्रोबायोटिक मिल्क याकुल्ट के नए फ्लेवर को लॉन्च करने राजधानी पहुंची सान्या से जब हमने इस बारे में पूछा, तो उन्होंने बताया, मैं इस प्रॉडक्ट को काफी अरसे से इस्तेमाल कर रही हूं। मैं सोशल मीडिया पर पहले से ही इसके बारे में पोस्ट करती रहती हूं। मैं दूसरे किसी प्रॉडक्ट को एंडोर्स करते वक्त भी इस बात का ध्यान रखती हूं कि मैं अपने फैंस को किसी ऐसे प्रॉडक्ट को खरीदने के लिए ना कहूं, जिससे मैं पूरी तरह वाकिफ नहीं हूं। मेरे लिए यह बेहद महत्वपूर्ण है कि अगर मेरे वैल्यूज किसी ब्रैंड के साथ नहीं मैच करते हैं, तो मैं उसके साथ जुड़ने को सही नहीं मानती। उन्होंने आगे बताया, इसके चलते मैंने कई प्रोडक्ट्स के साथ जुड़ने से इनकार कर दिया। मेरी इस सोच के चलते मेरी टीम भी मुझसे खुश नहीं रहती। दरअसल, बतौर सिलेब्रिटी आपके पास अलग अलग तरह के प्रॉडक्ट्स के ऐड के ऑफर आते हैं, लेकिन मैं इन चीजों को लेकर काफी सोच विचार करती हूं। शुरुआत में कुछ एंडोर्समेंट करने के बाद मुझे लगता था कि ये मुझे नहीं करना चाहिए था। अब मुझे लगता है कि आप उम्र के साथ इन चीजों को और ज्यादा सीखते हो।

बॉलीवुड को हो क्या गया है? आप लोग हीरो बनना भूल गए

हैं बॉलीवुड बनाम साउथ सिनेमा की बहस आए दिन चलती है। एक बार फिर इस मसले ने ध्यान खींचा है। एक वजह तो ये है कि इस साल बॉलीवुड फिल्मों का खास हल्ला नहीं हुआ है। इनके मुकाबले साउथ सिनेमा की फिल्मों का प्रदर्शन ज्यादा बेहतर रहा है। बीते वर्ष जवान, गदर और एनिमल जैसी हिट फिल्मों के साथ बॉलीवुड का बोलबाला रहा, लेकिन इस बार फिर गेंद साउथ इंडस्ट्री के पाले में है। मुख्य रूप से तेलुगु भाषी फिल्म कल्कि 2898 एडी अभी तक इस साल की सबसे ज्यादा कमाई करने वाली हिंदी फिल्म बन गई है। साउथ और हिंदी सिनेमा की बहस के बीच अक्सर दोनों इंडस्ट्री के सितारों की टिप्पणियां भी सामने आती रहती हैं। बॉलीवुड को लेकर साउथ सुपरस्टार अल्लू अर्जुन का कहना है कि आखिर बॉलीवुड को हो क्या गया है? फिल्म निर्माता निखिल आडवाणी ने हाल ही में इस बात का खुलासा किया है। निखिल आडवाणी ने गलाटा इंडिया से बातचीत में खुलासा किया कि अल्लू अर्जुन ने एक बार एक महत्वपूर्ण मुद्दे की ओर इशारा किया था, जिसे वे आज बॉलीवुड में देखते हैं। फिल्म निर्माता ने बताया कि अल्लू से जब वे मिले थे तो एक्टर ने कहा था, जानते हो बॉलीवुड के साथ दिक्कत क्या है? आप सभी भूल गए हैं कि हीरो कैसे बनना है?। निखिल आडवाणी ने अल्लू अर्जुन की बातों को और विस्तार से बताते हुए कहा कि दक्षिण भारतीय फिल्मों ने वीरता की मूल भावनाओं को सफलतापूर्वक उभारा है, यहां तक कि पानी की सिंचाई जैसे प्रतीत होने वाले सांसारिक विषयों पर भी ध्यान केंद्रित किया है। दक्षिण भारतीय इंडस्ट्री इन विषयों को शानदार एक्शन और वीरता के पलों के साथ पेश करती है, जिससे वे दर्शकों के साथ गहराई से जुड़ जाते हैं। दिलचस्प बात यह है कि अल्लू अर्जुन ने अपने पिछले इंटरव्यू में बॉलीवुड की खूब तारीफ की है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि विभिन्न भारतीय फिल्म उद्योगों के अभिनेता एक-दूसरे के काम के प्रति सम्मान रखते हैं और वे भाई-भाई हैं। उन्होंने दक्षिण सिनेमा पर बॉलीवुड के प्रभाव को स्वीकार किया और कहा कि बॉलीवुड की हालिया चुनौतियों के बावजूद, इसने छह दशकों से भी अधिक समय तक बेहतरीन सिनेमा का निर्माण किया है।

तेलुगु एक्ट्रेस श्रीलीला ने छोड़ दी वरुण धवन की फिल्म, प्रोड्यूसर ने कहा- अभी फिल्म की कास्टिंग चल रही है

तेलुगु एक्ट्रेस श्रीलीला के बारे में खबरें हैं कि उन्होंने वरुण धवन स्टारर एक अपकमिंग कॉमेडी फिल्म छोड़ दी है। कहा जा रहा है कि श्रीलीला के बिना फिल्म का पहला शेड्यूल पूरा कर लिया गया है। अब इन खबरों पर फिल्म के प्रोड्यूसर रमेश तौरानी ने सफाई दी है। उन्होंने टिप्स फिल्म्स की तरफ से स्टेटमेंट जारी करके कहा, हमने अभी किसी को अप्रोच ही नहीं किया है। हम अब भी फिल्म की कास्टिंग पूरी करने की प्रोसेस में हैं। हम जैसे ही किसी का नाम तय कर लेंगे वैसे ही ऑफिशियल अनाउंसमेंट कर देंगे। तब तक हम ऑडियंस से गुजारिश करते हैं कि वो किसी भी तरह की अफवाहों पर भरोसा न करें। श्रीलीला की बात करें तो वो कम समय में ही तेलुगु फिल्म इंडस्ट्री में पहचान बना चुकी हैं। 2019 से 2023 तक उन्होंने दस हिट फिल्में दी हैं जिनमें धमाका, स्कंद, आदिकेशव और गुंटूर कारम शामिल हैं। श्रीलीला 22 साल की हैं।

डेविड धवन हैं डायरेक्टर

इस फिल्म को वरुण के पिता डेविड धवन डायरेक्ट कर रहे हैं। वरुण के साथ 2 अन्य हीरो भी अहम किरदारों में नजर आने वाले हैं। इनके साथ दो एक्ट्रेसेस भी फिल्म में नजर आएंगी। रिपोर्ट के अनुसार इस फिल्म को अगले साल के आखिर में या 2025 के शुरुआती महीनों में रिलीज किया जा सकता है।

संक्षिप्त समाचार

अवांस फाइनेंशियल सर्विसेज लिमिटेड ने आईपीओ के लिए सेबी के पास दाखिल किया फ्रेश डीआरएचपी

मुंबई, एजेंसी। देश में संचालित शिक्षा केंद्रित गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनी (एनबीएफसी) अवांस फाइनेंशियल सर्विसेज लिमिटेड ने आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) के लिए सेबी के पास ड्राफ्ट रेड हेरिंग प्रॉस्पेक्टस (डीआरएचपी) दाखिल किया है। अवांस फाइनेंशियल सर्विसेज 31 मार्च, 2024 तक प्रबंधन के तहत परिसंपत्तियों (एयूएम) के हिसाब से भारत में दूसरी सबसे बड़ी शिक्षा केंद्रित एनबीएफसी है । वित्तीय वर्ष 2023 के दौरान इसका दूसरा सबसे अधिक डिसबर्समेंट हुआ और भारत में शिक्षा केंद्रित एनबीएफसी के बीच अवांस फाइनेंशियल ने वित्तीय वर्ष 2024 में कर के बाद दूसरा सबसे अधिक लाभ दर्ज किया। कंपनी फुल स्टैक एजुकेशन ऑफरिंग प्रदान करती है। इसमें छात्रों के लिए शिक्षा ऋण से लेकर शिक्षा संस्थानों के लिए ग्रोथ केपिटल जुटाने के लिए एजुकेशन इन्फ्रास्ट्रक्चर लोन भी शामिल है ।

रुबिकॉन रिसर्च लिमिटेड ने सेबी के पास फाइल किया डीआरएचपी

मुंबई, एजेंसी। रूबिकॉन रिसर्च लिमिटेड ने बाजार नियामक भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड के पास अपना ड्राफ्ट रेड हेरिंग प्रॉस्पेक्टस फाइल किया है। रूबिकॉन रिसर्च एक फार्मास्युटिकल फॉर्मूलेशन कंपनी है, जो केंद्रित रिसर्च और डेवलपमेंट के माध्यम से इनोवेशन द्वारा संचालित है। इसमें विशेष उत्पादों और दवा-डिवाइस संयोजन उत्पादों के बढ़ते पोर्टफोलियो के साथ रेगुलेटेड बाजारों और विशेष रूप से संयुक्त राज्य अमेरिका को लक्षित किया गया है। समकक्ष समूह (एफ एंड एस और कंपनी द्वारा मूल्यांकन की गई छह सूचीबद्ध भारतीय कंपनियों में से) के आधार पर रूबिकॉन रिसर्च एकमात्र भारतीय फार्मास्युटिकल कंपनी है जिसका पूरा ध्यान रेगुलेटेड बाजारों पर है। कंपनी की इनीशियल पब्लिक ऑफरिंग में 5,000 मिलियन तक का ताज़ा इश्यू और प्रमोटर सेलिंग शेयरधारक, जनरल अटलांटिक सिंगापुर आरआर पीटीई लिमिटेड द्वारा 5,850 मिलियन तक की बिक्री का प्रस्ताव शामिल है।

महिन्द्रा युनिवर्सिटी ने तीसरा दीक्षांत समारोह किया, 751 विद्यार्थियों को डिग्रियां प्रदान की

हैदराबाद। महिन्द्रा युनिवर्सिटी ने आज अपने परिसर में अपने तीसरे दीक्षांत समारोह का आयोजन किया जिसमें 751 विद्यार्थियों को डिग्रियां प्रदान की गईं। समारोह के दौरान, असाधारण अकादमिक उत्कृष्टता और अनुसंधान उपलब्धियां प्रदर्शित करने एवं समुदाय में योगदान करने वाले विद्यार्थियों को मेडल से सम्मानित किया गया। इस वर्ष का दीक्षांत समारोह, एक्जीक्यूटिव एमबीए प्रोग्राम के विद्यार्थियों के लिए पहला दीक्षांत समारोह है। आयोजन की अध्यक्षता महिन्द्रा युनिवर्सिटी के कुलाधिपति आनंद महिन्द्रा ने की और तेलंगाना सरकार के स्वास्थ्य, चिकित्सा एवं परिवार कल्याण, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्री दामोदर राजानरसिम्हा मुख्य अतिथि थे, जबकि अपोलो हॉस्पिटल्स एंटरप्राइस की प्रवर्तक निदेशक और अपोलो हेल्थ एंड अपोलो फार्मासीज़ की कार्यकारी चेयरपर्सन शोभना कामिनेनि विशिष्ट अतिथि थीं। महिन्द्रा युनिवर्सिटी के प्रबंधन बोर्ड के सदस्य सीपी गुरनानी, महिन्द्रा युनिवर्सिटी के प्रबंधन बोर्ड के सदस्य मोहित जोशी और प्रबंधन बोर्ड की सदस्य सुश्री अनुजा महिन्द्रा भी उपस्थित थीं।

आईआरडीएआई ने एचडीएफसी लाइफ पर 2 करोड़ का जुर्माना लगाया, कंपनी ने नियामकीय फाइलिंग में दी जानकारी

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय बीमा नियामक एवं विकास प्राधिकरण (इरडा) ने एचडीएफसी लाइफ पर विभिन्न आईआरडीएआई नियमों का उल्लंघन करने के लिए कुल 2 करोड़ रुपये का जुर्माना लगाया है। कंपनी ने एक्सचेंज फाइलिंग में इसकी जानकारी दी है। कंपनी के अनुसार, सितंबर 2020 में आईआरडीएआई की ओर से किए गए ऑनसाइट निरीक्षण के बाद जुर्माना लगाया गया था। उस दौरान वित्तीय वर्ष 2017-18, 2018-19 और 2019-20 से जुड़े मामलों की जांच की गई थी।

बीमा कंपनी एचडीएफसी लाइफ पर पॉलिसीधारकों के हितों की सुरक्षा से संबंधित मुद्दों के लिए 1 करोड़ रुपये का जुर्माना लगाया गया था। इसके अतिरिक्त, कंपनी की ओर से

सेवाओं की आउटसोर्सिंग से जुड़ी अनियमितताओं के लिए एक करोड़ रुपये का जुर्माना लगाया गया था।

कंपनी ने गुरुवार को नियामकीय फाइलिंग में बताया, ÷आईआरडीएआई ने 01 अगस्त, 2024 को एक आदेश जारी किया, जिसमें लागू नियमों के उल्लंघन के लिए कुल 2 करोड़ रुपये का जुर्माना लगाया गया। पॉलिसीधारकों के हितों की सुरक्षा से संबंधित कुछ पहलुओं के संबंध में एक करोड़ रुपये का जुर्माना लगाया गया। वहीं, कंपनी की ओर से की गई सेवाओं की आउटसोर्सिंग से जुड़े मामलों में 1 करोड़ रुपये (एक करोड़ रुपये) का जुर्माना लगाया गया। यह कार्रवाई कमीशन, पारिश्रमिक या इनाम का भुगतान से जुडी थी। बीमा क्षेत्र की नियामक आईआरडीएआई ने वित्तीय दंड के अलावा, बीमा प्रदाता कंपनी एचडीएफसी लाइफ को निर्देश और सलाह भी जारी की है। कंपनी को निर्धारित समय सीमा के भीतर इन दिशा-निर्देशों का अनुपालन करने को कहा गया है ताकि पहचान की गई कमियों को दूर किया जा सके और विनियामक मानकों का अनुपालन सुनिश्चित किया जा सके भारतीय बीमा नियामक और विकास प्राधिकरण भारत के बीमा क्षेत्र की निगरानी और विकास के लिए बीमा नियामक और विकास प्राधिकरण अधिनियम, 1999 (आईआरडीए अधिनियम, 1999) के तहत स्थापित एक वैधानिक निकाय है। आईआरडीएआई का लक्ष्य पॉलिसीधारकों के हितों की रक्षा करना और उद्योग के व्यवस्थित विकास को बढ़ावा देना है।

महंगाई की चुनौती, अब 38 चीजों के दामों पर नजर रखेगी सरकार

नई दिल्ली, एजेंसी। महंगाई पर काबू पाने की कोशिशों के तहत सरकार अब 38 जरूरी चीजों की कीमतों की रोजाना मॉनिटरिंग करेगी। अब तक 22 चीजों पर नजर रखी जाती थी। नई चीजों में बैंगन, बाजरा, रागी, अंडा, सूजी, बेसन, मैदा, घी जैसे 16 आइटम हैं। गुरुवार को प्राइस मॉनिटरिंग सिस्टम मोबाइल ऐप वर्जन 4.0 लॉन्च करते हुए खाद्य एवं उपभोक्ता मामलों के मंत्री प्रह्लाद जोशी ने यह जानकारी दी। मई में 4.8 प्रतिशत रहने के बाद जून में रिटेल इंफ्लेशन 5.08 प्रतिशत पर चली गई थी। खाने-पीने की चीजों की महंगाई दर लगातार आठवें महीने 8 प्रतिशत से ऊपर रहते हुए जून में 9.36 प्रतिशत पर पहुंच गई थी। होलसेल इंफ्लेशन जून में 3.36 प्रतिशत के साथ 16 महीनों के ऊंचे स्तर पर थी और होलसेल फूड इंफ्लेशन 10.85 प्रतिशत रही। जोशी ने बताया कि पहली अगस्त से डेली प्राइस मॉनिटरिंग की व्यवस्था में अब 16 और खाद्य वस्तुओं को शामिल कर लिया गया है। उन्होंने बताया कि अब बाजरा, ज्वार, रागी, सूजी, मैदा, बेसन, घी, मक्खन, बैंगन, अंडा, काली मिर्च, धनिया, जीरा, लाल मिर्च, हल्दी और केले की कीमतों पर भी रोजाना नजर रखी जाएगी। कंज्यूमर अफेयर्स डिपार्टमेंट 34 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में 550 सेंटरों के जरिए जरूरी चीजों की कीमतों पर रोज नजर रखता है। कंज्यूमर अफेयर्स सेक्रेटरी निधि खरे ने कहा कि कंज्यूमर प्राइस इंडेक्स में 38 चीजों का वेटेज करीब 31 प्रतिशत है। वहीं, चावल, गेहूं, आटा और चना दाल सहित 22 चीजों का वेटेज 26.5 प्रतिशत था। उन्होंने कहा कि आरबीआई ने विभाग से कहा था कि ज्यादा चीजों की डेली प्राइस मॉनिटरिंग की जाए। जोशी ने

कहा कि ज्यादा फूड आइटम्स पर नजर रखने से कीमतों में उतार-चढ़ाव और इंफ्लेशन पर काबू पाने में बेहतर मदद मिलेगी। खरे ने बताया कि दिल्ली-एनसीआर और मुंबई में 2 अगस्त से ह्ष्टष्टस्न की वैन के जरिए 50 रुपये किलो के भाव पर टमाटर बेचे जाएंगे। मंत्रालय ने 29 जुलाई को दिल्ली-एनसीआर में 60 रुपये किलो पर टमाटर बिक्री शुरू की थी। जोशी ने कहा कि इस कदम के बाद दाम घटे हैं।

राज्यों 2800 रुपये क्विंटल में चावल

कंज्यूमर अफेयर्स मिनिस्ट्री ने राज्यों को यह छूट दी है कि वे अपनी जरूरत के लिए स्नष्टढ्ढ से 2800 रुपये प्रति क्विंटल के भाव पर चावल खरीद सकते हैं और इसके लिए उन्हें नीलामी प्रक्रिया में हिस्सा नहीं लेना होगा। स्नष्टढ्ढ के पास देश की वेलफेयर स्कीम्स के लिए जरूरी मात्रा से अधिक चावल का भंडार है और नए सीजन में खरीदारी शुरू होने से पहले राज्यों को यह ऑफर दिया गया है। जोशी ने बताया कि राज्य कल्याणकारी योजनाओं से जुड़ी अपनी जरूरत के लिए सीधे फूड कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया से इस भाव पर चावल खरीद सकते हैं। राज्यों को पहले 2900 रुपये क्विंटल का भाव देना होता था।

लिस्ट नहीं होगी टाटा ग्रुप की होल्डिंग कंपनी

नई दिल्ली, एजेंसी। देश के सबसे बड़े औद्योगिक घराने टाटा ग्रुप की होल्डिंग कंपनी टाटा संस ने अनिवार्य लिस्टिंग से छूट मांगी है। इसके लिए उसने आरबीआई को एक रिस्ट्रक्चरिंग योजना सौंपी है। सूत्रों का कहना है कि केंद्रीय बैंक कंपनी की इस योजना से सहमत है। टाटा संस ने पहले ही इस योजना के कुछ हिस्सों को लागू कर दिया है। इसमें कंपनी का कर्ज खत्म करना भी शामिल है। इस योजना के बाद टाटा संस को अपर लेयर गैर-बैंकिंग वित्त कंपनी के रूप में वर्गीकृत नहीं किया जाएगा। हालांकि इसके लिए कंपनी को कुछ रेगुलेटरी शर्तों को पूरा करना होगा। इसके बाद टाटा संस को स्टॉक एक्सचेंजों में खुद को लिस्ट करने की आवश्यकता नहीं होगी। सूत्रों ने बताया कि योजना के अनुरूप टाटा संस ने आरबीआई के नियमों के मुताबिक अपनी बैलेंस शीट को जीरो-डेट वाली कंपनी के रूप में पुनर्गठित किया है।

क्रिसिल रेटिंग्स की नवीनतम रिपोर्ट के अनुसार 30 सितंबर, 2023 को कंपनी पर 15,200 करोड़ रुपये का कर्ज था। साथ ही उसके पास 2,500 करोड़ रुपये से अधिक की स्टैंडअलोन कैश और कैश इक्विवेलेंट था। अक्टूबर 2021 में आरबीआई के एक सर्कुलर में कहा था कि एनबीएफसी-अपर लेयर के रूप में क्लासीफाई कंपनियों को तीन साल के भीतर अनिवार्य रूप से लिस्ट किया जाना चाहिए। केंद्रीय बैंक ने 2022 में टाटा संस को अपर एनबीएफसी के रूप में वर्गीकृत किया था। इसका मतलब था कि उसे सितंबर

2025 तक लिस्ट होना था। सूत्रों का कहना है कि ग्रुप की सभी कंपनियों में टाटा संस की भविष्य में फंडिंग कैश रिजर्व से की जाएगी। इस बारे में आरबीआई और टाटा संस ने सवालों का जवाब नहीं दिया।

कितनी है मार्केट वैल्यू

टाटा ग्रुप की 26 लिस्टेड कंपनियों की कुल वैल्यू .400 अरब है। एक कार्यकारी ने कहा कि टाटा संस देश की इकॉनमी और मार्केट पर अपने वित्तीय प्रभाव से अच्छी तरह वाकिफ है और पिछले कुछ महीनों से आरबीआई द्वारा सुझाए गए स्ट्रक्चर का पालन करने के लिए काम कर रहा है। टाटा संस ने साल 2017 में खुद को पब्लिक लिमिटेड कंपनी से प्राइवेट लिमिटेड में बदल लिया था। एक अधिकारी ने कहा कि इस बारे में टाटा ग्रुप के भीतर काफी बहस हुई थी। यह सहमति बनी की लिस्टिंग कोई विकल्प नहीं है। इसलिए रिस्ट्रक्चरिंग के माध्यम से नियमों का पालन किया गया। टाटा संस को सिस्टमैटिकली इम्पोर्टेंट एनबीएफसी के रूप में क्लासीफाई किया गया है। इसकी वजह यह है कि कंपनी बोरोइंग के मामले में देश की टॉप 10 वित्तीय कंपनियों में शामिल है। स्पार्क प्राइवेट वेल्थ मैनेजमेंट के अनुसार टाटा संस के लिस्टेड इनवेस्टमेंट का बाजार मूल्य 16 लाख करोड़ रुपये है। साथ ही उसका नॉन-लिस्टेड इनवेस्टमेंट भी 1-2 लाख करोड़ रुपये है। इसमें सेमीकंडक्टर और बैटरी में निवेश शामिल है। टाटा संस ने छूट के लिए आरबीआई से संपर्क करने से पहले टाटा ट्रस्ट के चेयरमैन रतन टाटा से भी सलाह ली थी। रतन टाटा टाटा संस के भी मानद चेयरमैन भी हैं। टाटा ट्रस्ट्स की टाटा संस में लगभग 66 प्रतिशत हिस्सेदारी है। इनमें दो सबसे बड़े ट्रस्ट सर दोराबजी टाटा ट्रस्ट और सर रतन टाटा ट्रस्ट हैं।

पारस हेल्थकेयर लिमिटेड ने आईपीओ के लिए सेबी के पास दाखिल किया डीआरएचपी

मुंबई , एजेंसी। उत्तर भारत, बिहार और झारखंड में बिस्तर क्षमता के मामले में पांचवीं सबसे बड़ी स्वास्थ्य सेवा प्रदाता कंपनी (स्रोत~ क्रिसिल रिपोर्ट) पारस हेल्थकेयर लिमिटेड (कंपनी) ने अपने आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) के लिए सेबी के पास ड्राफ्ट रेड हेरिंग प्रॉस्पेक्टस (डीआरएचपी) दाखिल किया है। 31 मार्च, 2024 तक कुल 2,135 बिस्तरों के साथ, पारस हेल्थकेयर लिमिटेड उत्तर भारत, बिहार और झारखंड में बिस्तर क्षमता के मामले में पांचवीं सबसे बड़ी स्वास्थ्य सेवा प्रदाता कंपनी है (स्रोत~ क्रिसिल रिपोर्ट)। यह पारस हेल्थ ब्रांड के तहत आठ अस्पताल संचालित करती है, जो उत्तर भारत के पांच राज्यों और एक केंद्र शासित प्रदेश में फैले हुए हैं - हरियाणा में गुरुग्राम और पंचकुला; बिहार में पटना और दरभंगा; उत्तर प्रदेश में कानपुर; राजस्थान में उदयपुर; झारखंड में रांची, और केंद्र शासित प्रदेश जम्मू और कश्मीर में श्रीनगर। पारस हेल्थकेयर टियर 2 और 3 शहरों में विशेष टर्शीएरी चिकित्सा देखभाल प्रदान करने पर ध्यान केंद्रित करता है।

हीरो फिनकॉर्प लिमिटेड ने 3668.13 करोड़ रुपये तक के आईपीओ के लिए सेबी के पास डीआरएचपी फाइल की

मुंबई, एजेंसी। हीरो फिनकॉर्प लिमिटेड (हीरो फिनकॉर्प या कंपनी) ने बाजार नियामक भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सेबी) के पास ड्राफ्ट रेड हेरिंग प्रॉस्पेक्टस (डीआरएचपी) फाइल किया है।

कंपनी प्रारंभिक सार्वजनिक पेशकश के माध्यम से इक्विटी शेयरों (प्रत्येक अंकित मूल्य ? 10) की पेशकश के माध्यम से ? 36,681.34 मिलियन [? 3668.13 करोड़] तक जुटाने की योजना बना रही है। (कुल इश्यू का आकार)। इस ऑफर में कुल मिलाकर ? 21,000 मिलियन [? 2100 करोड़] (''फ्रेश इश्यू'') तक के इक्विटी शेयरों का ताजा इश्यू और ? 15,681.34 मिलियन [? 1568.13 करोड़] तक के शेयरधारकों द्वारा ऑफर फॉर सेल शामिल है (''ऑफर फॉर सेल करना)। हीरो फिनकॉर्प एक एनबीएफसी है जो मुख्य रूप से बढ़ते रिटेल ग्राहक सेगमेंट और भारत में तेजी से औपचारिक होते एमएसएमई ग्राहक सेगमेंट को पूरा करने वाले वित्तीय उत्पादों के विविध सेट की पेशकश करता है। कंपनी खुदरा, एमएसएमई और सीआईएफ लोन प्रदान करती है। इसके खुदरा लोन में वाहन, पर्सनल और मॉर्गेज लोन शामिल हैं। कंपनी मान्यता प्राप्त और लंबे समय से चले आ रहे हीरो ब्रांड के तहत काम करती है, और हमारे मूल और प्रमोटर, हीरो मोटोकॉर्प लिमिटेड की लंबे समय से चली आ रही कॉर्पोरेट विरासत, मजबूत ट्रैक-रिकॉर्ड और प्रतिष्ठा से लाभान्वित होती है। हीरो फिनकॉर्प ने नए इश्यू से प्राप्त शुद्ध आय का उपयोग कंपनी के टियर- ढ्ढ पूंजी आधार को बढ़ाने के लिए करने का प्रस्ताव किया है ताकि कंपनी की भविष्य की पूंजी जरूरतों को पूरा करने के लिए आगे की उधारी दी जा सके, जो कंपनी के व्यवसाय और परिसंपत्तियों में वृद्धि से उत्पन्न होने की उम्मीद है और समय-समय पर आरबीआई द्वारा निर्धारित पूंजी पर्याप्तता पर नियामक आवश्यकताओं का अनुपालन सुनिश्चित करना है। (इश्यू का उद्देश्य) रेड हेरिंग प्रॉस्पेक्टस के माध्यम से पेश किए जाने वाले इक्विटी शेयरों को बीएसई लिमिटेड (बीएसई) और नेशनल स्टॉक एक्सचेंज ऑफ इंडिया लिमिटेड (एनएसई) पर सूचीबद्ध करने का प्रस्ताव है।

आयुष मंत्रालय नेचुरोपैथी का करेगा समग्र विकास : प्रतापराव जाधव

नेचुरोपैथी से देश का स्वास्थ्य बजट होगा कम : डॉ अनंत बिरादार

दिल्ली, एजेंसी। देश की राजधानी दिल्ली के कंस्टीट्यूशन क्लब ऑफ इंडिया में सूर्या फाउण्डेशन व इंटरनेशनल नेचुरोपैथी आर्गेनाइजेशन द्वारा केन्द्रीय आयुष राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्री प्रतापराव जाधव का अभिनंदन समारोह आयोजित किया गया था। समारोह का उद्घाटन आयुष राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) ने दीप प्रज्जवलन के साथ किया। समारोह में 200 से अधिक योग प्राकृतिक चिकित्सा जगत के प्रतिनिधियों के अतिरिक्त माननीय श्री राजू बिष्ट एवं श्री भोलासिंह जी दोनों सांसद, श्री कोस्तुभ कर्माकर (वेद जी) वॉइस चेयरमैन सूर्या फाउण्डेशन, डॉ. डी. एन. शर्मा व डॉ आर एस डबास दोनों राष्ट्रीय उपाध्यक्ष श्री बिजय राज शिन्दे पूर्व विद्यायक बुलढाना महाराष्ट्रा, श्री नन्द किशोर अग्रवाल अध्यक्ष व श्री मामराज अग्रवाल, बालाजी निरोगधाम वैलनेस नेचर क्योर दिल्ली तथा

योग प्राकृतिक चिकित्सा योग की अन्य संस्थओं के प्रतिनिधि भी उपस्थित हुये।

समारोह में विशिष्ठ अतिथि के रूप में दार्जिलिंग के सांसद श्री राजूबिष्ट एवं बुलन्दशहर के सांसद डॉ भोलासिंह ने उपस्थित प्रतिनिधियों को सम्बोधित करते हुए बताया कि आदरणीय पद्मश्री जयप्रकाश जी पिछले तीन दशकों से प्राकृतिक चिकित्सा योग के समग्र विकास हेतु श्रेष्ठ व सराहनीय योगदान दे रहे है। हम भी संसद में प्राकृतिक चिकित्सा के विकास हेतु आवाज बुलन्द करेगें। आयुष मंत्री श्री प्रतापराव जाधव ने अपने अभिनंदन के लिए सूर्या फाउण्डेशन व एवंम् योग नेचुरोपैथी संस्थाओं का आभार प्रकट करते हुए बताया कि माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में हम योग नेचुरोपैथी का समग्र विकास व प्रचार.प्रसार हेतु आयुष मंत्रालय की सभी योजनाए व प्रॉजेक्ट को प्रभावी रूप से लागू करेगें। मुझे आज इंटरनेशनल नेचुरोपैथी आर्गेनाइजेशन द्वारा दिये गये नेचुरोपैथी डॉक्टर्स का रजिस्टेशन एवं अन्य महत्वपूर्ण सुझावों को शीघ्र ही लागू करने का प्रयास करूगा। अभिनंदन समारोह के अध्यक्ष व इंटरनेशनल नेचुरोपैथी आर्गेनाइजेशन के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉण् अनंत बिरादार ने आयुष मंत्रालय व नेशनल आयुष मिशन द्वारा पिछले 8 वर्षो में नेचुरोपैथी के लिए किये गये रचनात्मक कार्यो हेतु आयुष मंत्री व आयुष सचिव का आभार प्रकट किया। साथ ही नेचुरोपैथी में अनेक वर्षो से प्रैक्टिस कर रहे नेचुरोपैथी चिकित्सकों का रजिस्ट्रेशन नेचुरोपैथी रजिस्ट्रेशन बोर्ड के माध्यम से शिघ्र करने का निवेदन किया। साथ ही डॉ बिरादार ने बताया कि इंटरनेशनल नेचुरोपैथी आर्गेनाइजेशन मंत्रालय के सहयोग से प्राकृतिक चिकित्सा के प्रचार. प्रसार हेतु अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस, प्राकृतिक चिकित्सा दिवस, सामूहिक सूर्या नमस्कार, योग उत्सव, कौन बनेगा स्वास्थ्य रक्षक आदि अभियान पद्मश्री जयप्रकाश जी के मार्गदर्शन 32 में राज्यों में कर रहा है। प्राकृतिक चिकित्सा में अग्रसर अपने श्रेष्ठ कार्यो के कारण इंटरनेशनल नेचुरोपैथी आर्गेनाइजेशन विश्व का सबसे बड़ा प्राकृतिक चिकित्सा संगठन बना है।

एचडीएफसी बैंक ने निवेश धोखाधड़ी के खिलाफ सावधानी बरतने का एक महत्वपूर्ण संदेश साझा किया

मुंबई, एजेंसी। भारत के सबसे बड़े निजी क्षेत्र के बैंक एचडीएफसी बैंक ने अपने ग्राहकों को धोखाधड़ी वाले ट्रेडिंग प्लेटफॉर्म से सावधान रहने की सलाह दी है, जो ज्यादातर सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म के माध्यम से निवेश के अवसर प्रदान करते हैं। इसका उद्देश्य ग्राहकों की सुरक्षा के लिए संभावित निवेश धोखाधड़ी के बारे में जागरूकता बढ़ाना है।

निवेश धोखाधड़ी के मामलों में धोखेबाज आमतौर पर स्टॉक, आईपीओ, क्रिप्टोकरेंसी, बिटकॉइन आदि में निवेश पर असामान्य रूप से उच्च रिटर्न का वादा करते देखे जाते हैं। इसमें नकली स्वचालित निवेश प्लेटफॉर्म या ऐप बनाना शामिल है, जहां पीड़ितों को निवेश में उच्च रिटर्न का संकेत देने वाले नकली डैशबोर्ड दिखाई देते हैं। ऐसे प्लेटफॉर्म को सोशल मीडिया पर भी प्रचारित किया जाता है, जिसमें लोगों को इन उच्च रिटर्न वाली निवेश योजनाओं में शामिल होने के लिए आमंत्रित किया जाता है, जो वास्तव में फर्जी हैं। धोखेबाज आमतौर पर सोशल इंजीनियरिंग रणनीति के माध्यम से लोगों का शोषण करते हैं, हालांकि सतर्क रहना और उचित परिश्रम के बाद ही लेन-देन करना धोखेबाजों से बचने में मदद करेगा।

एचडीएफसी बैंक के कार्यकारी उपाध्यक्ष - क्रेडिट इंटेलिजेंस और कंट्रोल, श्री मनीष अग्रवाल ने इस धोखाधड़ी के बारे में चेतावनी देते हुए कहा, हम निवेश धोखाधड़ी के मामलों की संख्या में वृद्धि देख रहे हैं और इस मुद्दे के बारे में व्यापक जागरूकता और ज्ञान पैदा करने में मदद करना चाहते हैं, ताकि उपभोक्ता इन भ्रामक योजनाओं के शिकार होने से बच सकें। जबकि सरकार, बैंक और नियामक निकाय इन धोखाधड़ी को रोकने के लिए कदम उठा रहे हैं, व्यक्तिगत सतर्कता और जागरूकता नाजायज योजनाओं के शिकार होने से बचने में बहुत महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है।

निवेश घोटालों से खुद को बचाने के लिए सुझाव

निवेश करने से पहले उचित परिश्रम~ निवेश की पेशकश करने वाली कंपनी या व्यक्ति, उनके ट्रैक रिकॉर्ड और वैधता के बारे में उचित शोध करें। केवल पंजीकृत ब्रोकर के माध्यम से निवेश करें। कम से कम जोखिम के साथ असामान्य रूप से उच्च रिटर्न का वादा करने वाले अनचाहे निवेश अवसरों के साथ सावधानी बरतें ऑनलाइन और भौतिक उपस्थिति~ सुनिश्चित करें कि जिस इकाई के माध्यम से निवेश आमंत्रित किया जाता है

कोच अंशुमन गायकवाड़ के सम्मान में

श्रीलंका के खिलाफ पहले वनडे में भारतीय क्रिकेट टीम काली पट्टी बांध कर उतरी

कोलंबो (एजेंसी)। कोलंबो के प्रेमदासा स्टेडियम में श्रीलंका के खिलाफ पहले वनडे में भारतीय क्रिकेट टीम के खिलाड़ी काली पट्टी बांधकर मैदान पर उतरे। मेजबान टीम ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला लिया था। इसके बाद फील्डिंग के लिए जैसे ही रोहित शर्मा की अगुवाई में टीम इंडिया मैदान पर आई तो सभी क्रिकेटरों के कंधे पर काली पट्टी बंधी हुई दिखी। टीम इंडिया ने यह पट्टी भारत के पूर्व क्रिकेटर, कोच अंशुमन गायकवाड़ के सम्मान में बांधी है। अंशुमन का 71 वर्ष की आयु में बुधवार रात वडोदरा के एक निजी अस्पताल में निधन हो गया था। गायकवाड़ लंबे समय से कैंसर से जूझ रहे थे और इलाज में आर्थिक तंगी का सामना करने के बाद वह खबरों में भी आए थे। गायकवाड़ ने दिसंबर 1974 से दिसंबर 1984 तक भारत के लिए 40 टेस्ट मैच खेले और 15 वनडे मैचों में भी हिस्सा लिया। अपने खेल करियर के अलावा, गायकवाड़ ने दो अलग-अलग कार्यकालों में भारतीय क्रिकेट टीम के कोच के रूप में कार्य किया। उनके मार्गदर्शन में भारत 2000 चैंपियंस ट्रॉफी के फाइनल में पहुंचा। गौरतलब है कि 1983 विश्व कप विजेता टीम, बीसीसीआई सचिव जय शाह द्वारा भारत के पूर्व क्रिकेटर के लिए 1 करोड़ की वित्तीय सहायता की घोषणा करने से पहले, अंशुमान गायकवाड़ के लिए धन जुटाने के लिए आगे आई थी। अगले दोपहर, गायकवाड़ का उनके गृहनगर गुजरात के वडोदरा में अंतिम संस्कार किया गया। टीम इंडिया आज पूर्व भारतीय क्रिकेटर और कोच औंशुमन गायकवाड़ के लिए काली पट्टी बांध रही है, जिनका बुधवार को निधन हो गया।

दोनों टीमों की प्लेइंग 11

श्रीलंका – पथुम निसांका, अविष्का फर्नांडो, कुसल मेंडिस (विकेटकीपर), सदीरा समरविक्रमा, चैरिथ असलांका (कप्तान), जेनिथ लियानगे, वानिंदु हसरंगा, डुनिथ वेलालेज, अकिला धनंजय, असिथा फर्नांडो, मोहम्मद शिराज।

भारत – रोहित शर्मा (कप्तान), शुबमन गिल, विराट कोहली, श्रेयस अय्यर, केएल राहुल (विकेटकीपर), शिवम दुबे, वाशिंगटन सुंदर, अक्षर पटेल, कुलदीप यादव, अर्शदीप सिंह, मोहम्मद सिराज।

भारतीय तीरंदाजी मिश्रित टीम क्वार्टर फाइनल में पहुंची

पेरिस (एजेंसी)। भकत और धीरज बोम्मदेवरा की भारतीय तीरंदाजी मिश्रित टीम ने शुक्रवार को पेरिस ओलंपिक के राउंड ऑफ 16 मुकाबले में इंडोनेशिया के डायनांदा चोइरुनिसा और आरिफ पंगेस्टु की जोड़ी को 5-1 से हराकर अगले दौर में जगह बना ली है। आज हुई प्रतियोगिता में भकत-बोम्मदेवरा की जोड़ी ने क्रमशः 37-36 और 38-37 के स्कोर के साथ पहला और तीसरा सेट जीता। दूसरा सेट 38-38 से बराबरी पर रहा। भारतीय जोड़ी ने प्री-क्वार्टर फाइनल जीत के दौरान पांच बार 10 के निशाने लगाए। क्वार्टरफाइनल में भारतीय जोड़ी का मुकाबला स्पेन से होगा।

आईपीएल टीमों की बीसीसीआई से मांग

अनुपलब्ध रहने पर विदेशी खिलाड़ियों पर लगे दो वर्ष का प्रतिबंध

मुम्बई (एजेंसी)। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के टीम मालिकों ने कहा है कि नीलामी में खरीदे जाने के बाद बिना किसी ठोस वजह अनुपलब्ध रहने वाले विदेशी खिलाड़ियों को पर दो साल का प्रतिबंध लगना चाहिए। टीम मालिकों और भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) के बीच बुधवार को हुई बैठक में फ्रैंचाइजियों ने यह मांग की।

इसके साथ ही उन्होंने आईपीएल के सामने विदेशी खिलाड़ियों को बड़ी नीलामी के लिए पंजीकरण कराने को अनिवार्य करने की मांग की है। उन्होंने कहा कि खिलाड़ियों के अनुपलब्ध रहने का असर उनके प्रदर्शन पर भी पड़ता है क्योंकि टीम की रणनीति उन विदेशी खिलाड़ियों को ध्यान में रखकर बनाई जाती है।

उन्होंने कहा कि अगर खिलाड़ियों को बोर्ड ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट खेलने के लिए कहा जाता है, या उन्हें चोट लग जाती है या फिर परिवार में किसी काम से वह टीम से अगर नहीं जुड़ पाते हैं, तो वो ऐसी स्थिति में खिलाड़ियों को अनुमति दे सकती हैं लेकिन खिलाड़ियों की अनुपलब्धता का पता उन्हें नीलामी समय पता चल जाए तो बेहतर होगा। उन्होंने कहा कि कई बार बेस प्राइस पर खरीदे जाने वाले खिलाड़ी नीलामी के बाद अपना नाम वापस ले लेते हैं।

उन्होंने एक खिलाड़ी का उदाहरण भी दिया जिसमें खिलाड़ी के मैनेजर ने यह शर्त रखी थी अधिक पैसे देने की स्थिति में वह खिलाड़ी खेलने के लिए तैयार हो सकता है। उन्होंने यह भी कहा कि नीलामी के पिछले दो चक्र (2018-24) के दौरान कई ऐसे घटनाक्रम हुए हैं जब विदेशी खिलाड़ी छोटी नीलामी में मोटी रकम हासिल करने के लिए बड़ी नीलामी में उपलब्ध नहीं रहे। उन्होंने कहा कि कुछ खिलाड़ी और उनके मैनेजर इस प्रणाली का लाभ उठाने का प्रयास करते हैं और ऐसे में इस पर लगाम लगाने के लिए कुछ प्रावधान करने की दरकार है।

ओलंपिक 2024

बलराज पंवार रोइंग के अंतिम डी में पांचवें स्थान पर रहे

पेरिस (एजेंसी)। भारत के बलराज पंवार पेरिस ओलंपिक में पुरुष एकल स्कल्स स्पर्धा के फाइनल डी में 7ः02.37 का समय के साथ पांचवें स्थान पर रहे। इसी के साथ भारत का रोइंग अभियान समाप्त हो गया।

25 वर्षीय सेना के जवान ने केवल चार साल पहले इस खेल में हिस्सा लेना शुरू किया था, वह अपने ओलंपिक पदार्पण में कुल मिलाकर 23वें स्थान पर हैं। हालांकि, वह ओलंपिक में रोइंग में भारत का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन नहीं कर सके। यह रिकॉर्ड अभी भी अर्जुन लाल जाट और अरविंद सिंह की पुरुषों की लाइटवेट डबल स्कल्स जोड़ी के नाम दर्ज है, जो टोक्यो 2020 में 11वें स्थान पर रहे थे। उल्लेखनीय है कि पंवार ने इस वर्ष अप्रैल में दक्षिण कोरिया के चुंगजू में एशियन और ओसिनियन रोइंग ओलंपिक क्वालिफिकेशन रेगाटा में कांस्य पदक जीतकर पेरिस ओलंपिक 2024 का कोटा हासिल किया था।

जूडो खिलाड़ी तूलिका मान पहले दौर में हार के साथ बाहर

पेरिस (एजेंसी)। भारतीय जूडो खिलाड़ी तूलिका मान पेरिस ओलंपिक की महिलाओं की 78 किग्रा से अधिक स्पर्धा के पहले दौर में शुक्रवार को यहां लंदन ओलंपिक की चैंपियन क्यूबा की इडेलिस ओर्टिज के खिलाफ शिकस्त के साथ बाहर हो गईं। राष्ट्रमंडल खेल 2022 की रजत पदक विजेता दिल्ली की 22 साल की तूलिका को क्यूबा की खिलाड़ी के खिलाफ इप्पोन से 0-10 से शिकस्त का सामना करना पड़ा। क्यूबा की खिलाड़ी के नाम चार ओलंपिक पदक हैं जिसमें एक स्वर्ण, दो रजत और एक कांस्य पदक शामिल हैं। ओर्टिज के खिलाफ तूलिका सिर्फ 28 सेकेंड की मुकाबले में टिक सकीं। तूलिका की हार के साथ जूडो में भारत का अभियान खत्म हो गया क्योंकि वह पेरिस खेलों में इस प्रतियोगिता में भारत का प्रतिनिधित्व करने वाली एकमात्र खिलाड़ी थीं। इप्पोन दांव में जुडो खिलाड़ी अपने विरोधी को मैट पर काफी ताकत और गति से उसकी पीठ के बल गिराता है। इप्पोन तब दिया गया है जब कोई खिलाड़ी विरोधी को 20 सेकेंड तक अपनी गिरफ्त में रखता है या फिर विरोधी खिलाड़ी हार मान लेता है।

ओलंपिक 2024

भारत के तीन पदक, चीन सबसे ज्यादा गोल्ड के साथ पहले स्थान पर

पेरिस (एजेंसी)। अपना पहला ओलंपिक खेल रहे भारत के स्वप्निल कुसाले ने एक अगस्त को पेरिस ओलंपिक में पुरूषों की 50 मीटर राइफल थ्री पोजिशंस में भारत के लिए पहली बार कांस्य पदक जीता। इसी के साथ ही भारत के अब तीन पदक हो चुके हैं और तीनों शूटिंग में आए हैं।

इससे पहले मनु भाकर ने पेरिस ओलंपिक में भारत को दूसरा पदक दिलाते हुए 10 मीटर एयर पिस्टल मिश्रित स्पर्दा इवेंट में कांस्य पदक जीतकर इतिहास रचा। इसी के साथ ही भाकर एक ओलंपिक में दो पदक जीतने वाली पहली भारतीय महिला खिलाड़ी बन गई है। मनु भाकर ने पेरिस ओलंपिक में भारत को पहला पदक दिलाते हुए महिला 10 मीटर एयर पिस्टल इवेंट में 28 जुलाई को कांस्य पदक अपने नाम किया था। वह 10 मीटर एयर पिस्टल में कांस्य पदक के साथ ओलंपिक पदक जीतने वाली पहली भारतीय महिला निशानेबाज बनी।

पदकों के मामले में भारत 44वें स्थान पर है। चीन 21 पदकों के साथ पहले स्थान पर है। अमेरिका (27 पदक) दूसरे स्थान पर है। फ्रांस कुल 27 पदकों के साथ तालिका में तीसरे स्थान पर है। ऑस्ट्रेलिया और जापान चौथे और पांचवें स्थान पर हैं जिनके नाम अब तक क्रमशः 18-16 पदक हैं।

दिल्ली कैपिटल्स के मालिक हैम्पशर काउंटी में बड़ी हिस्सेदारी खरीदने के लिए सहमत

लंदन (एजेंसी)। इंडियन प्रीमियर लीग फ्रेंचाइजी दिल्ली कैपिटल्स के सह-मालिक जीएमआर ग्रुप ने इंग्लिश काउंटी टीम हैम्पशायर के साथ 120 मिलियन पाउंड (लगभग 1278 करोड़ रुपये) में बहुलांश हिस्सेदारी खरीदने के समझौते पर सहमति व्यक्त की है।

हैम्पशायर ऐसे में किसी विदेशी इकाई के स्वामित्व वाली पहली काउंटी टीम बन जाएगी। इससे जीएमआर समूह के पास इस टीम के 51 प्रतिशत शेयरों पर नियंत्रण होगा। एक रिपोर्ट में बताया, 'समझा जाता है कि दिल्ली कैपिटल्स के मालिकों ने आईपीएल के अपने प्रतिद्वंद्वी लखनऊ सुपरजायंट्स की बोली को पछाड़ दिया।

जीएमआर समूह के पास इसके साथ ही यूटिलिटा बाउल (हैम्पशायर में क्रिकेट स्टेडियम), हिल्टन होटल और उसी स्थान पर एक गोल्फ कोर्स का भी नियंत्रण होगा। दिल्ली कैपिटल्स के सह-मालिक होने के अलावा जीएमआर समूह के पास दुबई कैपिटल्स (आईएलटी20, यूएई) का स्वामित्व और मेजर लीग क्रिकेट (अमेरिका) की फ्रेंचाइजी सिएटल ऑर्कास में भी हिस्सेदारी है।

इंग्लैंड और वेल्स क्रिकेट बोर्ड (ईसीबी), हैम्पशायर क्लब के अधिकारी और नये मालिक जल्द ही इस सौदे के बारे में आधिकारिक घोषणा करेंगे। इस अधिग्रहण के बाद उम्मीद है कि हैम्पशायर को 'द हंड्रेड'जैसे घरेलू टूर्नामेंट के लिए दिल्ली कैपिटल्स के कुछ युवा खिलाड़ियों तक पहुंच मिलने की संभावना भी खुल जाएगी।

भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) हालांकि सक्रिय भारतीय क्रिकेटरों को विदेशी टूर्नामेंटों में खेलने की अनुमति नहीं देता है। एक अन्य महत्वपूर्ण घटनाक्रम में, एक अन्य इंग्लिश काउंटी टीम यॉर्कशर ने हेडिंग्ले स्थित क्लब के संभावित अधिग्रहण के लिए राजस्थान रॉयल्स के साथ अपनी बातचीत फिर से शुरू कर दी है। इसके लिए मतदान के माध्यम से यॉर्कशर के 6000 सदस्यों की सहमति की आवश्यकता होगी।

40 साल बाद मार्टिनेज की ओलंपिक में वापसी

अब लॉस एंजिल्स खेलों पर नजर

शेटराउ (फ्रांस) (एजेंसी)। ओलंपिक खेलों में 40 साल बाद वापसी करने वाले 60 बरस के ट्रैप निशानेबाज लियोनेल मार्टिनेज के लिए उम्र सिर्फ एक संख्या है और वह अपने करियर को अगले ओलंपिक तक आगे बढ़ाने के लिए तैयार है। मार्टिनेज पेरिस खेलों की पुरुषों की ट्रैप प्रतियोगिता में 125 में से नौ निशाने चूक कर 28वें स्थान पर रहे।

1984 के लॉस एंजिल्स ओलंपिक के बाद यह इन खेलों में यह उनकी दूसरी उपस्थिति है। अगले ओलंपिक का आयोजन 2028 में लॉस एंजिल्स में किया जाएगा और मार्टिनेज का कहा कि वह अपने ओलंपिक करियर पर वहीं विराम लगाना चाहेंगे जहां उन्होंने इसकी शुरुआत की थी। उन्होंने कहा, 'मेरे अंदर एक रोशनी है जो मुझे लॉस एंजिल्स 2028 के लिए मार्गदर्शन कर रही है। यह मेरे लिए भविष्य है। इसके लिए काम अभी शुरू होगा। मैं अपने शरीर और दिमाग से काम करूंगा। यह खेल 90 प्रतिशत मानसिक मजबूती पर आधारित है।

खेल में विज्ञान को ज्यादा तवज्जो नहीं देते मार्टिनेज – खेल में विज्ञान को ज्यादा तवज्जो नहीं देने वाले मार्टिनेज ने कहा, 'मैं हर दिन जिम जाता हूं, मैं अपने शरीर को गतिशील रखता हूं। मैं उस चिकित्सा विज्ञान में विश्वास नहीं करता जो कहता है कि 40 या 50 साल की उम्र में आपको कुछ चीजें नहीं करनी चाहिए। यह उन लोगों के लिए सच हो सकता है जो इस पर विश्वास करते हैं, लेकिन मेरे लिए उम्र सिर्फ एक संख्या है।

हिरोशी सबसे लंबे अंतराल पर ओलंपिक में हिस्सा लेने वाले –सबसे लंबे अंतराल पर ओलंपिक में हिस्सा लेने के मामले में मार्टिनेज से आगे सिर्फ जापान के घुड़सवार होकेत्सु हिरोशी है। ड्रेसेज राइडर हिरोशी ने तोक्यो 1964 ओलंपिक में प्रतिस्पर्धा करने के 44 साल बाद बीजिंग ओलंपिक 2008 में भाग लिया था। उन्होंने इसके चार साल बाद 70 वर्ष की उम्र में लंदन ओलंपिक में भी भाग लिया था।

15 वर्षों के लिए खेल से दूर रहे मार्टिनेज – मार्टिनेज 1984 में 20 साल की उम्र में लॉस एंजिल्स ओलंपिक में भाग लेने के बाद लगभग 15 वर्षों के लिए खेल से दूर हो गए थे। उन्होंने चिकित्सा आपूर्ति का व्यवसाय स्थापित किया और जीवन के अन्य पहलुओं में व्यस्त हो गए। एक दर्शक के तौर पर 2011 के पैन अमेरिकन खेलों को देखने के बाद ही उन्होंने फिर से प्रतिस्पर्धा करने की ठानी।

उन्होंने कहा, 'मेरी प्रेरणा निश्चित रूप से मेरा जुनून है। वापसी के लिए प्रयास करने में ज्यादा हिम्मत नहीं लगती। आप अगर किसी चीज को लेकर जुनूनी होते हैं तो चीजें अपने आप होने लगती है। उन्होंने कहा, 'मैं संन्यास से वापसी करना चाहता था। मैंने अतीत में जो अनुभव किया था उसे फिर से करना चाहता था। इस जोश को आप अभी भी महसूस कर सकते हैं। खेल का यही मतलब है।

वर्ल्ड रैपिड और ब्लिट्ज़ टीम चैंपियनशिप 2024

कज़ाकिस्तान में डिंग लीरेन और कार्लसन की टक्कर

कज़ाकिस्तान (एजेंसी)। विश्व शतरंज एक बार फिर पांच दिवसीय आयोजन के लिए तैयार है, जहां दुनिया के शीर्ष खिलाड़ी एक साथ खेलते हुए नजर आएंगे । वर्ल्ड रैपिड और ब्लिट्ज टीम चैंपियनशिप के खिताब के लिए 39 टीमों के 350 खिलाड़ी हिस्सा ले रहे हैं। इनमें वर्तमान विश्व चैंपियन डिंग लिरेन और एक दशक से दुनिया के नंबर एक खिलाड़ी और पाँच बार के विश्व चैम्पियन मैग्नस कार्लसन शामिल हैं।

टूर्नामेंट निदेशक पावेल ट्रेगुबोव ने कहा, हम इस आयोजन की तैयारी लंबे समय से कर रहे हैं यह शतरंज की दुनिया के लिए बहुत ही रोमांचक और नाटकीय होने वाला है।

शीर्ष टीमें – पिछले साल की विजेता टीम, डबल्यूआर चैस ड्ढक्र ष्ठद्धद्दह्यद्ध , इस बार और भी मजबूत लाइनअप के साथ वापसी कर रही है। इस टीम में तीन पूर्व विश्व चैंपियन - मैग्नस कार्लसन, अलेक्जेंड्रा कोस्टेनियुक, और हाउ यिफ़ान - के साथ-साथ दो बार के विश्व चैंपियन उम्मीदवार इयान नेपोमनिशी और पोलिश सुपरस्टार जान-क्रिज़टोफ़ डूडा शामिल हैं। टीम के कप्तान जर्मन जीएम जान गुस्ताफ़सन हैं और टीम में पूर्व विश्व रैपिड चैंपियन नोदिरबेक अब्दुस्सत्तोरोव, भारतीय प्रतिभा आर प्रज्ञानंदा, और जर्मन प्रतिभा विन्सेंट केमर शामिल हैं, जबकि गैर-पेशेवर खिलाड़ी वादिम रोसेनस्टीन भी टीम का हिस्सा हैं।

इनके खिलाफ प्रतिस्पर्धा में चेस्सी टीम है, जिसके कप्तान जीएम एमिल सुतोवस्की हैं। इस टीम में शीर्ष खिलाड़ी रिचर्ड रैपोर्ट, विदित संतोष गुजराती, अलेक्सी सराना, जोर्डन वैन फोरेस्ट, और शीर्ष महिला खिलाड़ी अन्ना मुझ्यचुक और हम्पी कोनेरू शामिल हैं।

मां बनने के दो साल के अंदर तीन महिलाओं ने ओलंपिक में जीते पदक, बच्चों के साथ मनाया जश्न

पेरिस (एजेंसी)। पेरिस ओलंपिक में तीन माताओं के लिए नौकायन स्पर्धा में पदक जीतने के बाद अपने बच्चों के साथ जश्न मनाना बेहद खास रहा। ब्रिटेन की अनुभवी हेलेन ग्लोवर, न्यूजीलैंड की लुसी स्पूर्स और ब्रुक फ्रांसिस बच्चे को जन्म देने के दो साल से भी कम समय के अंदर ओलंपिक पदक जीतने में सफल रहीं। स्पूर्स तथा फ्रांसिस की जोड़ी ने महिला युगल स्कल्स में स्वर्ण पदक जीता, जबकि तीन बच्चों की मां ग्लोवर महिला फोर स्पर्धा में रजत पदक हासिल करने में सफल रही। स्पूर्स और फ्रांसिस के जीत दर्ज करने के तुरंत बाद दर्शक दीर्घा में बैठे अपने बच्चों को गोद में उठा लिया।

बच्चों का पालन-पोषण करना आसान नहीं – फ्रांसिस – फ्रांसिस ने कहा, 'मैंने उन्हें स्टैंड में देखा और उन्हें गले लगाने में भी कामयाब रही। मुझे लगता है कि वे अपनी मां के वापस आने का इंतजार कर रहे थे।%- न्यूजीलैंड की ये दोनों खिलाड़ी अपने बच्चों की देखभाल के मुश्किल समय के दौरान एक-दूसरे को प्रेरित करने के लिए अभ्यास सत्र के दौरान बच्चों के गीत गाते थे। वे अपने परिवारों को पेरिस ले आए ताकि प्रतियोगिता पर ध्यान केंद्रित कर सकें। फ्रांसिस ने कहा, 'यह शानदार एहसास है। बच्चों का पालन-पोषण करना आसान नहीं है। हमें इसमें परिवार और दूसरे खिलाड़ियों का भी साथ मिला हैं। यह इसे और भी अधिक खास बनाता है। हमारा परिवार यहां है और हमारे बच्चों को अब यह विरासत देखने को मिलती है।%-

इससे हमें अच्छा करने की और अधिक प्रेरणा मिली – स्पूर्स – स्पूर्स ने कहा कि उन्हें और फ्रांसिस को प्रतिस्पर्धियों और अन्य टीमों से समर्थन के संदेश मिल रहे थे, जिसमें कहा गया था कि वे उनका कितना सम्मान करते हैं। स्पूर्स ने कहा, 'फ्रांसिस और मेरी स्थिति बिल्कुल एक जैसी है। मुझे लगता है कि हम जानते हैं कि हम दोनों किस दौर से गुजर रहे हैं। इससे हमें अच्छा करने की और अधिक प्रेरणा मिली।

मां बनने के बाद वापसी कर सकते हैं-ग्लोवर – ग्लोवर ने अभ्यास के दौरान अपने बच्चों को स्तनपान कराने की चुनौती के बारे में बात की है। वह अपनी रेस पूरी करने के बाद सीधे अपने बच्चों को हाई-फाइव करने गईं। उन्होंने पदक समारोह के बाद भी अपने बच्चों गले लगाया। ग्लोवर ने कहा, 'उन्हें यह (मेरा दूसरे स्थान पर रहना और पदक मिलना) बहुत अच्छा रहा है। ग्लोवर ने कहा कि उन्हें उम्मीद है कि उनकी उपलब्धि अन्य खिलाड़ियों को सकारात्मक संदेश देगी।

उन्होंने कहा, 'मुझे लगता है कि इसे (स्तनपान) सामान्य बनाना वास्तव में महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा, 'मुझे लगता है कि यह दिखाता है कि आप (मां बनने के बाद) वापसी कर सकते हैं, चाहे वह कुछ भी हो, चाहे वह काम हो, शौक हो, खेल हो या कुछ और। आप बच्चे होने के बावजूद उत्कृष्टता प्राप्त नहीं कर सकते। मुझे लगता है कि यह समाज के लिए एक संदेश है और महिलाएं जो चाहती हैं वह बनने के लिए प्रोत्साहित किया जाना चाहिए।

संक्षिप्त समाचार

हरियाणा चुनाव में 25 पर्सेंट नए चेहरे उतारेगी भाजपा

चंडीगढ़ , एजेंसी। हरियाणा में 2014 के विधानसभा चुनाव में भाजपा पूर्ण बहुमत से सत्ता में आई थी। इसके बाद 2019 में उसे गठबंधन सरकार बनाने का मौका मिला और अब ऐंटी-इनकम्बैंसी बढ़ने का खतरा है। आम चुनाव में उसे राज्य की 10 में से 5 सीटें ही मिल पाईं। ऐसे में माना जा रहा है कि पार्टी को विधानसभा चुनाव में और ज्यादा चुनौती मिल सकती है। इसे देखते हुए भाजपा ने रणनीति बनाना शुरू कर दिया है। मंगलवार को हरियाणा चुनाव प्रभारी धर्मेंद्र प्रधान के आवास पर देर रात तक दिल्ली में मीटिंग चली थी। इसके अलावा अब कैंडिडेट्स को लेकर भी मंथन तेज हो गया है। राज्य में भाजपा अकेले ही उतरने की तैयारी में है। सूत्रों का कहना है कि विधानसभा चुनाव में भाजपा कम से कम 25 पर्सेंट नए चेहरे उतार सकती है। यानी करीब 22 से 23 सीटों पर भाजपा उन चेहरों पर दांव लगाएगी, जो अब तक विधायक नहीं रहे हैं। पार्टी रणनीतिकारों का मानना है कि इससे आधार को बढ़ाने में मदद मिलेगी और अब तक सक्रिय रहे नेताओं के खिलाफ ऐंटी-इनकम्बैंसी की भी काट की जा सकेगी। कई सीटों पर तो मंत्रियों को भी टिकट की रेस से बाहर किया जा सकता है। खबर है कि सभी मौजूदा विधायकों के अलावा मंत्रियों और उन नेताओं का भी रिपोर्ट कार्ड तैयार हो रहा है, जो टिकट की दावेदारी में जुटे हैं। खासतौर पर ऐसे लोगों पर ही फोकस है, जो जीत दिला पाएं। पार्टी सूत्रों ने कहा कि भाजपा ने 2019 का चुनाव भी अकेले ही लड़ा था। तब 90 सीटों पर लड़ने वाले कैंडिडेट्स में से एक चौथाई को रिप्लेस किया जा सकता है। उनकी जगह पर सामाजिक समीकरणों को साधते हुए नए चेहरे दिए जा सकते हैं। खबर है कि खुद प्रदेश अध्यक्ष मोहन लाल बड़ौली भी चुनाव में नहीं उतरेंगे। ऐसा इसलिए क्योंकि उन पर पूरे राज्य में प्रचार का जिम्मा रहेगा। वहीं कुछ मंत्रियों को नॉन-परफॉर्मर होने के चलते बाहर किया जा सकता है।

समर स्पेशल ट्रेनों की अवधि बढ़ी, दिसंबर तक चलेंगी

जयपुर, एजेंसी। कोटा रेल मंडल ने यात्रियों को सुविधा देने के लिए रेलवे ने 12 समर स्पेशल ट्रेन की समय अवधि बढ़ाई है। इन ट्रेनों में कोटा से बड़ोदरा, मऊ, अहमदाबाद, पटना, वैष्णो देवी, मुंबई, वाराणसी और काठगोदाम जाने वाली ट्रेनें शामिल हैं। इनमें कुछ ट्रेनों को सितंबर और कुछ को दिसंबर तक बढ़ाया गया है। जिससे यात्रियों को वेटिंग का सामना नहीं करना पड़ेगा। इन ट्रेनों की समय सीमा जुलाई में समाप्त होने वाली थी, लेकिन आने वाले दिनों में राखी और अन्य त्योहार भी आने वाले हैं। कोटा रेल मंडल के वरिष्ठ वाणिज्य अधिकारी रोहित मालवीय ने बताया कि रेल प्रशासन ने अतिरिक्त यात्री भीड़ को क्लीयर करने के उद्देश्य से कोटा होकर संचालित 6 जोड़ी समर स्पेशल ट्रेनों की अवधि को बढ़ाया गया है. पहले जारी अधिसूचना के अनुसार ये स्पेशल ट्रेन 31 जुलाई तक ही संचालित की जानी थी, जिसे अब बढ़ा दिया गया है.

अग्निवीर ने 6 दोस्तों संग बच्ची को बनाया हवस का शिकार, ड्यूटी से गिरफ्तार

अलवर। अलवर में नाबालिक छात्रा से गैंगरैप का आरोपी अग्निवीर को अलवर पुलिस ने उत्तराखंड से गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी को कोर्ट में पेश किया। कोर्ट ने आरोपी अग्निविर को 15 दिन की न्यायिक हिरासत में भेज दिया है। कठूमर डीएसपी जोगेंद्र राजावत ने बताया की क्षेत्र में एक नागाबिक के साथ गैंग रेप का मामला सामने आया था। पीड़िता की शिकायत पर आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज किया गया था। पुलिस ने पीड़िता का मेडिकल कराने के बाद जांच शुरू की। आरोपी गैंगरेप की घटना के बाद से फरार हो गए थे। डीएसपी जोगेंद्र राजावत ने बताया कि जब मामले की जांच की तो सामने आया की आरोपी भावेश अग्निवीर योजना के तहत सेना में भर्ती हो चुका है। गैंगरेप की घटना के बाद से वह फरार था।

देवेंद्र फडणवीस को दी चुनौती तो भड़के एकनाथ शिंदे, उद्धव ठाकरे से कहा- जो घर से नहीं निकले वो ये बात कर रहे हैं

मुंबई , एजेंसी।
महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने शिवसेना चीफ उद्धव ठाकरे पर तंज कसा है। उन्होंने कहा कि कभी घर से बाहर नहीं निकलने वाले अब किसी को खत्म करने की बात कर रहे हैं। दरअसल, एक दिन पहले ही उद्धव ने राज्य के उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस को चुनौती दी थी कि राजनीति में दोनों में से कोई एक ही बचेगा। साथ ही उद्धव ने फडणवीस पर उन्हें और उनके बेटे आदित्य ठाकरे को जेल भेजने की साजिश के आरोप लगाए।

शिंदे ने कहा, बहुत अजीब बात है कि जो कभी अपने घरों से बाहर नहीं निकले, वो अब रणभूमि और दूसरों को खत्म करने की बात कर रहे हैं। इससे पहले भारतीय जनता पार्टी भी उद्धव के बयान पर आपत्ति जाहिर कर चुकी है। महाराष्ट्र भाजपा के प्रमुख चंद्रशेखर बावनकुले ने कहा था, कई बार जन्म लेने के बाद भी उद्धव राजनीतिक रूप से फडणवीस को खत्म नहीं कर पाएंगे।

बावनकुले ने नागपुर में संवाददाताओं से कहा कि ठाकरे की भाषा उनके मानसिक दिवालियापन को दर्शाती है। बावनकुले ने कहा, ठाकरे कोंकण और मुंबई में अपनी पार्टी के गिरते मत प्रतिशत को लेकर चिंतित हैं। जिस दिन उन्होंने कांग्रेस के साथ गठबंधन किया, उनके समर्थकों ने उनका साथ छोड़ दिया। जब वे भाजपा के साथ गठबंधन में थे, तो उन्होंने 18 लोकसभा सीट जीती थीं, लेकिन अब सीट की संख्या में गिरावट आई है। ठाकरे इतना नीचे गिरकर और फडणवीस पर हमला करके अपना मानसिक दिवालियापन दिखा रहे हैं।

शिंदे ने यह भी कहा कि राजनीति में किसी को भी दूसरों को पूरी तरह से खत्म करने की बात नहीं करनी चाहिए। उन्होंने ने कहा, जो लोग चुनौती देने की बात

करते हैं, उन्हें समझना चाहिए कि हम कहां खड़े हैं। इसके लिए किसी व्यक्ति को ताकत की जरूरत होती है। बेतरतीब टिप्पणी करने की तरह, कोई भी दूसरे को खत्म नहीं कर सकता।

भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष (जेपी नड्डा की जगह जो अब केंद्रीय मंत्री हैं) पद पर फडणवीस के नाम पर विचार किए जाने की अटकलों के बारे में पूछे जाने पर बावनकुले ने कहा कि उन्हें नहीं पता कि केंद्रीय नेतृत्व क्या फैसला करेगा। उन्होंने कहा, हालांकि, देवेंद्र फडणवीस के पास बहुत बड़ा संगठनात्मक अनुभव है। उन्होंने महाराष्ट्र भाजपा अध्यक्ष के रूप में काम किया है और उन्हें राष्ट्रीय संगठनात्मक अनुभव भी है, लेकिन महाराष्ट्र को देवेंद्र फडणवीस की दृष्टि की जरूरत है। ठाकरे ने कहा था, अनिल देशमुख ने अब खुलासा कर दिया है कि कैसे फडणवीस ने मुझे और आदित्य ठाकरे को जेल में डालने की साजिश की थी। मैंने सब कुछ सहन किया, लेकिन बहादुरी से मजबूती के साथ खड़ा रहा। तो अब या तो आप (फडणवीस) राजनीत में रहेंगे या मैं रहूंगा। आज मेरे पास कोई पार्टी, चिह्न या पैसा नहीं है, लेकिन मैं मेरे साथ खड़े शिवसैनिकों की बहादुरी की वजह से भापा को चुनौती दे रहा हूं।

जल्द करेंगे लागू- सुप्रीम कोर्ट के एससी, एसटी कोटा फैसले पर बोले नायडू और रेवंथ रेड्डी

विजयवाड़ा , एजेंसी।
आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन चंद्रबाबू नायडू और तेलंगाना के मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने एससी/एसटी कोटा के सब कैटेगराइजेशन पर सुप्रीम कोर्ट के फैसले का स्वागत किया है। सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को ऐतिहासिक फैसला सुनाते हुए एससी एसटी रिजर्वेशन कोटे में सब कैटेगराइजेशन को सही ठहराया है और कहा है कि यह जरूरी है कि सभी वर्ग समान रूप से आरक्षण का लाभ उठा सके। साथ ही सुप्रीम कोर्ट ने ओबीसी के कोटे की तरह ही अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति के कोटे में भी क्रीमी लेयर लागू करने की बात की है। इस फैसले पर खुशी जताते हुए रेवंथ रेड्डी ने विधानसभा के बजट सत्र के दौरान कहा है कि यह फैसला जल्द लागू किया जाएगा और इसके तहत मडिगा समुदाय को नई घोषित सरकारी भर्ती में आरक्षण मिलेगा। रेड्डी ने कहा कि मडिगा समुदाय पिछले 27 सालों से

उप-वर्गीकरण के लिए संघर्ष कर रहा है। इस मामले में सदन से सरकार का समर्थन करने का अनुरोध करते हुए उन्होंने कहा कि अगर जरूरी हुआ तो कोटा को जल्द से जल्द लागू करने के लिए अध्यादेश भी लाया जाएगा।

चंद्रबाबू नायडू ने भी फैसले पर जताई खुशी: वहीं आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू ने भी इस फैसले पर खुशी जाहिर की है। उन्होंने कहा है कि यह टीडीपी ही थी जिसने हाशिए पर मौजूद वर्गों के लाभ के लिए सब कैटोगराइजेशन की जरूरत को सबसे पहले पहचाना था। टीडीपी ने इसे लागू भी किया था लेकिन कुछ वजहों से अदालत ने इस पर रोक लगा दी थी।

टीडीपी सरकार ने किया था कमिटी का गठन: चंद्रबाबू नायडू ने कहा कि एससी कैटेगरी के अंदर मौजूद कुछ समूहों की जरूरतों को पहचानते हुए टीडीपी सरकार ने जस्टिस पी रामचंद्र राजू आयोग का गठन किया था।

विदेशी धरती पर साजिश, राहुल गांधी पर हो सकता है हमला; संजय राउत का बड़ा दावा

मुंबई , एजेंसी।
राहुल गांधी ने संसद में 29 जुलाई को महाभारत में चक्रव्यूह का जिक्र करते हुए भाषण दिया था। इसके बाद आज राहुल गांधी ने एक पोस्ट किया है जो खूब चर्चा में है। उन्होंने दावा किया कि ईडी के एक अंदरूनी सूत्र ने उन्हें बताया कि उन पर छापा मारा जा सकता है। राहुल गांधी ने दावा किया कि दोनों में से एक मेरे चक्रव्यूह भाषण से सहमत नहीं था।
इसके बाद संजय राउत ने इसे लेकर बड़ा आरोप लगाया है। शिवसेना नेता संजय राउत ने कहा है कि कुछ भी हो सकता है, राहुल गांधी पर हमला भी हो सकता है। उनके खिलाफ विदेशी धरती पर भी साजिश हो रही है। राहुल गांधी ने कहा था बहुत लोगों को चक्रव्यूह के संदर्भ में मेरा भाषण पसंद नहीं आया। ईडी के एक सूत्र ने मुझे बताया कि अब आप पर छापा पड़ने वाला है। इस संबंध में योजना तैयार की जा रही है। मैं तैयार हूं, ईडी का इंतजार कर रहा हूं। चाय और बिस्किट मेरी तरफ से। ऐसा ही एक सांकेतिक पोस्ट राहुल गांधी ने किया है. इसके बाद संजय राउत केंद्री

सरकार पर हमला किया है। उन्होंने गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि मशाल के निशान ने महाराष्ट्र में बीजेपी की सीट में आग लगा दी है। उन्होंने कहा, बालासाहेब ठाकरे की शिव सेना उद्धव ठाकरे के नेतृत्व में अच्छा प्रदर्शन कर रही है। हम मशाल चुनाव चिन्ह पर ही चुनाव लड़ने जा रहे हैं। यह मशाल का निशान ही था जिसने भाजपा की महाराष्ट्र सीट में आग लगा दी। हमारा प्रतीक मशाल, बिगुल और कांग्रेस का हाथ है। हम साथ मिलकर चुनाव लड़ रहे हैं। उन्होंने कहा कि धनुष और तीर अब चोरों के पास है। लोकसभा में धनुष और बाण के दम पर उन्होंने कुछ चोरियां कर लीं लेकिन अब विधानसभा में नहीं सफल हो पाएंगे।

गेस्ट हाउस में लाया गया था बम, दो महीने की प्लानिंग और हानिया ढेर

बेरूत , एजेंसी। हमास चीफ इस्माइल हानिया की मौत के बाद मध्य पूर्व एशिया क्षेत्र में तनाव काफी बढ़ चुका है। ईरान ने इजरायल पर हमला करने की धमकी दी है। वहीं, इजरायली सेना लगातार गाजा पट्टी में सैन्य कार्रवाई कर रही है। लेबनान में मौजूद हिजबुल्लाह भी इजरायल पर हमला कर रहा है। इस्माइल हनिया की मौत पर रूस, तुर्किए जैसे देशों ने चिंता जाहिर की है। हालांकि, इजरायल ने आधिकारिक तौर पर इस बात को कबूल नहीं किया है कि उसकी सेना ने हमास चीफ को मौत के घाट उतारा है।

इसी बीच समचार पत्र न्यू यॉर्क टाइम्स की रिपोर्ट के मुताबिक, हमास चीफ इस्माइल हानिया की मौत एक विस्फोट की वजह से हुई थी। विस्फोटक डिवाइस को दो महीने पहले तेहरान के उस गेस्ट हाउस में छिपाकर रखा गया था, जहां हानिया ठहरने वाला था। रिपोर्ट में दावा किया गया कि जब हानिया अपने वीवीआईपी भवन पहुंचा तो रिमोट कील मदद से ब्लास्ट कर दिया गया। रिपोर्ट में ईरानी सेना इस्लामिक रिवोल्यूशनी गार्ड कॉर्प्स के दो सदस्यों सहित कई अधिकारियों के हवाले से जानकारी दी गई है। रिपोर्ट में आगे ये भी जानकारी दी गई कि तस्करी के जरिए गेस्ट हाउस में बम लाया गया था। दावा किया गया कि कातिल ने हानिया के शेड्यूल को फॉलो किया और उसके ठिकानों का पता लगाया। रिपोर्ट के मुताबिक, हानिया तेहरान में नेशहत नामक आईआरजीसी के कंपाउंड में ठहरा हुआ था। इस कंपाउंड में सीक्रेट मीटिंग्स का आयोजन किया जाता था। वहीं, हानिया जैसे हाई प्रोफाइल गेस्ट को ठहराया जाता था।रिपोर्ट में हादसे के समय की जानकारी भी दी गई है। धमाका स्थानीय समयानुसार तड़के दो बजे हुआ था। रिपोर्ट के मुताबिक, बम धमाके के बाद हमास के एक वरिष्ठ अधिकारी खलील अल-हाया मौके पर पहुंचे। उसने घटना की जानकारी ईरान के सुप्रीम लीडर अयातोल्लाह अली खामेनेई को दी। बताते चलें कि हानिया राष्ट्रपति के शपथ ग्रहण समारोह में शामिल होने के लिए ईरान पहुंचा था।

बांग्लादेश ने जमात-ए-इस्लामी पार्टी व उसकी छात्र शाखा पर लगाया प्रतिबंध

ढाका , एजेंसी।
बांग्लादेश ने देशव्यापी अशांति के चलते जन सुरक्षा के लिए उत्पन्न खतरे का हवाला देते हुए आतंकवाद रोधी कानून के तहत जमात-ए-इस्लामी और इसकी छात्र शाखा 'इस्लामी छात्र शिबिर पर बृहस्पतिवार को प्रतिबंध लगा दिया। गृह मंत्रालय के सार्वजनिक सुरक्षा प्रभाग द्वारा जारी एक अधिसूचना में इस्लामिस्ट पार्टी पर प्रतिबंध लगाने की घोषणा की गई। यह पार्टी पूर्व प्रधानमंत्री खालिदा जिया की बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी की प्रमुख सहयोगी है। जमात, छात्र शिबिर और अन्य संबद्ध समूहों पर प्रतिबंध आतंकवाद रोधी कानून की धारा 18(1) के तहत एक आदेश के माध्यम से लगाया गया।

प्रधानमंत्री शेख हसीना ने बृहस्पतिवार को कहा, ''उन्होंने छात्रों को अपनी ढाल के रूप में इस्तेमाल किया। प्रधानमंत्री हसीना ने यह बात तब कही जब इतालवी राजदूत एंटोनियो एलेसांद्रो ने यहां उनके सरकारी आवास गणभवन में उनसे मुलाकात की। बांग्लादेश सरकार ने सरकारी नौकरियों में आरक्षण को लेकर देशभर में हुए छात्रों के हिंसक विरोध प्रदर्शन के बाद मंगलवार को जमात-ए-इस्लामी पर प्रतिबंध लगाने का फैसला किया। सरकार ने आरोप लगाया कि जमात-ए-इस्लामी उस आंदोलन का फायदा उठा रही है, जिसमें कम से कम 150 लोग मारे गए। यह

घटनाक्रम प्रधानमंत्री शेख हसीना की अवामी लीग के नेतृत्व वाले 14-दलों गठबंधन की बैठक के बाद हुआ है। इस बैठक में एक प्रस्ताव पारित किया गया था कि जमात को प्रतिबंधित किया जाना चाहिए।

जमात पर प्रतिबंध लगाने का हालिया निर्णय 1972 में ''राजनीतिक उद्देश्यों के लिए धर्म का दुरुपयोग करने के कारण लगाए गए प्रारंभिक प्रतिबंध के 50 वर्ष बाद आया है। सत्तारूढ़ अवामी लीग के शीर्ष नेताओं ने मुक्ति संग्राम में जमात की भूमिका के कारण इस पर प्रतिबंध का समर्थन किया है। जमात का पंजीकरण रद्द होने और अदालती फैसलों के कारण चुनावों में हिस्सा लेने से प्रतिबंधित होने के बावजूद यह सक्रिय रही। सरकार ने प्रतिबंध लगाने का कारण हालिया प्रदर्शनों में पार्टी की संलिप्तता का उल्लेख किया है। कानून मंत्री अनीसुल हक ने मंगलवार को कहा था कि यह प्रतिबंध कोटा सुधार आंदोलन से जुड़ी हालिया हिंसा के कारण लगाया जा रहा है और इसे एक कार्यकारी आदेश के जरिए लागू किया जाएगा।

अमेरिका और रूस ने की बड़े कैदियों की अदला-बदली, अमेरिकी एवैन गेरशकोविच और पॉल व्हेलन हुए रिहा

वॉशिंगटन , एजेंसी।
अमेरिका और रूस के बीच बड़ी संख्या में कैदी आदान-प्रदान की प्रक्रिया चल रही है। इस अदला-बदली में वॉल स्ट्रीट जर्नल के पत्रकार एवैन गेरशकोविच और पूर्व अमेरिकी मरीन पॉल व्हेलन समेत कई अमेरिकी शामिल हैं। एक वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी के अनुसार, दोनों पक्षों ने कैदी आदान-प्रदान के लिए सहमति बना ली है और कैदियों को अमेरिकी अधिकारियों की देखरेख में सौंपा जाएगा। यह आदान-प्रदान गुरुवार को पूरा होने की उम्मीद है। ब्लूमबर्ग समाचार एजेंसी की रिपोर्ट के अनुसार रूस ने एक बहुराष्ट्रीय कैदी आदान-प्रदान के हिस्से के रूप में अमेरिकी पत्रकार एवैन गेरशकोविच और पूर्व अमेरिकी मरीन पॉल व्हेलन को रिहा कर दिया है।

इस समझौते से पॉल व्हेलन के लिए पांच साल से अधिक और एवैन गेरशकोविच के लिए एक साल से अधिक समय तक चले बुरे सपने का अंत हो गया। दोनों को अमेरिकी विदेश विभाग ने गलत तरीके से हिरासत में लिया गया था। गुरुवार का यह आदान-प्रदान मॉस्को और वाशिंगटन के बीच महीनों की शांत और जटिल वार्ताओं के बाद हुआ जिसमें अमेरिकी राजनयिकों ने रूस को अमेरिकी कैदियों को रिहा करने के लिए प्रोत्साहन देने के लिए दुनिया भर में प्रस्तावों की खोज की। एवैन गेरशकोविच को मार्च 2023 में येकातेरिनबर्ग में रिपोर्टिंग यात्रा के दौरान गिरफ्तार किया गया था। उन्हें 19 जुलाई को एक रूसी अदालत ने जासूसी का दोषी पाया और 16 साल की सजा सुनाई। अमेरिकी सरकार, उनके अखबार और समर्थकों ने इस मुकदमे को दिखावा करार दिया है। पॉल व्हेलन जो अमेरिकी, आयरिश, ब्रिटिश और कनाडाई नागरिक हैं, को दिसंबर 2018 में मॉस्को के एक होटल में रूसी अधिकारियों ने हिरासत में लिया था, जिन्होंने

आरोप लगाया था कि वह एक खुफिया अभियान में शामिल थे। पूर्व अमेरिकी मरीन को जासूसी के आरोप में 16 साल की सजा सुनाई गई थी, जिसे उन्होंने सख्ती से नकारा है। वह मॉस्को से आठ घंटे की ड्राइव पर स्थित मॉर्डोविया में एक श्रम शिविर में अपनी सजा काट रहे थे, जहां उन्होंने जून 2021 में सीएनएन को बताया कि वह अपना दिन एक कपड़ा फैक्ट्री में काम करते हुए बिताते हैं, जिसे उन्होंने पसीना घर कहा। व्हेलन के लिए यह विशेष रूप से लंबा इंतजार रहा है, जो पहले कई आदान-प्रदान में शामिल नहीं थे। वह 2022 के दो समझौतों का हिस्सा नहीं थे। उस वर्ष अप्रैल में, मॉस्को ने पूर्व अमेरिकी मरीन ट्रेवर रीड को रूसी नागरिक और दोषी ड्रग तस्कर कोंस्टेंटिन यारोशेंको के बदले में रिहा किया था। दिसंबर में, ब्बहक्कस्टार ब्रिटनी ग्रिनर को रूसी हथियार डीलर विक्टर बाउट के बदले में बदला गया था।

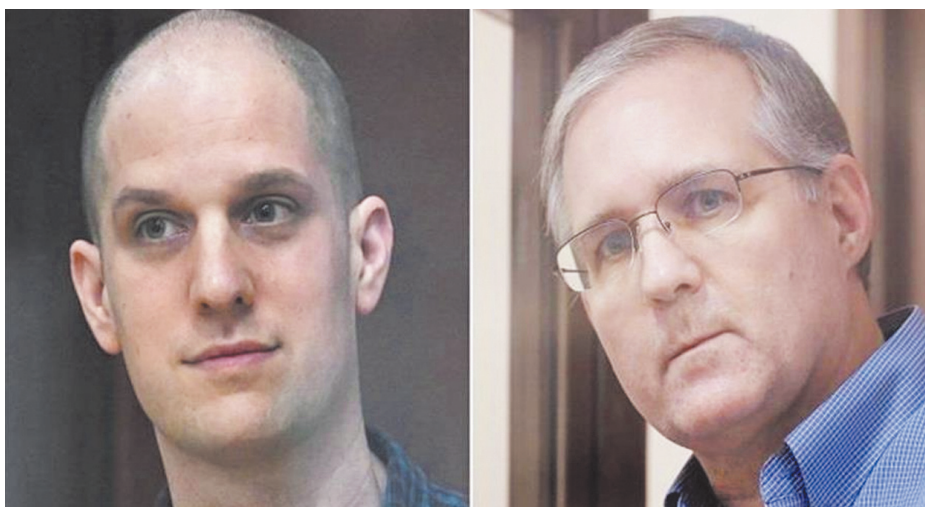

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, संपादक देवन प्रसाद द्वारा आर.डी. प्रिंटर एंड पब्लिशर्स प्राइवेट लिमिटेड, ए-24, सेक्टर-8, नोएडा, उत्तर प्रदेश से मुद्रित एवं - बी-126, मायापुरी इंडस्ट्रीयल एरिया, फेस-1, नई दिल्ली-110064 से प्रकाशित। सह संपादकः रंजीत राय फोन नं-011-45795464 (नोटः प्रकाशित सभी लेखों आदि से संपादक का सहमत होना आवश्यक नहीं और किसी भी कानूनी वाद-विवाद का निपटारा दिल्ली उच्च न्यायालय में ही किया जाएगा।) RNI. No. DELHIN/2010/32488, Email: news@pratahkiran.com, मो. 9212228045, 8130691216, 9971557129